राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

Email :-futurelinetimes@gmail.com

फ्यूचर लाइन टाईम्स

Youtube channel : @fltnews2398

वर्ष : 03 अंक 323 | सोमवार 17 मार्च 2025, नोएडा गौतमबुद्ध नगर | आर एन आई. नं0. -UPHIN/2022/87673 | पेजः 8 मूल्य : 2 रुपया

पहला कॉलम

वोटर आईडी को आधार से लिंक करने पर विचार

केदारनाथ में गैर-हिंदुओं के प्रवेश पर प्रतिबंध की तैयारी, बीजेपी विधायक का दावा

देहरादून। उत्तराखंड के केदारनाथ धाम में गैर-हिंदुओं के प्रवेश पर प्रतिबंध लगाने की चर्चाएं तेज हो गई हैं। बीजेपी विधायक आशा नौटियाल ने दावा किया कि कुछ गैर-हिंदू लोग धार्मिक स्थल की पवित्रता को ठेस पहुंचा रहे हैं और मांस, मछली, शराब परोसने जैसी गतिविधियों में लिप्त हैं। विधायक नौटियाल ने कहा कि स्थानीय प्रशासन और प्रदेश सरकार इस मामले पर गंभीरता से विचार कर रही है। प्रभारी मंत्री सौरभ बहुगुणा ने अधिकारियों और स्थानीय लोगों के साथ बैठक कर इस मुद्दे पर चर्चा की। ऐसे लोगों की पहचान कर उनके प्रवेश पर पूर्ण प्रतिबंध लगाने की योजना बनाई जा रही है।

पूर्व सीएम रावत ने किया विरोध

उत्तराखंड के पूर्व मुख्यमंत्री हरीश रावत ने इस प्रस्ताव का विरोध किया है। उन्होंने कहा कि उत्तराखंड पूरे देश के लिए धार्मिक और आध्यात्मिक केंद्र है और किसी को भी मंदिर में जाने से रोकना संकीर्ण मानसिकता दर्शाता है। उन्होंने कहा कि अगर शराब और मांस बेचा जा रहा है, तो सरकार को इसे रोकना चाहिए। प्रतिबंध लगाने का कोई औचित्य नहीं है। इस मुद्दे पर सियासी विवाद बढ़ सकता है, क्योंकि यह धार्मिक स्थल और आस्था से जुड़ा मामला है।

लोकपाल के आदेश पर सुप्रीम कोर्ट में 18 को सुनवाई

- हाईकोर्ट जजों पर शिकायत दर्ज होने का मामला

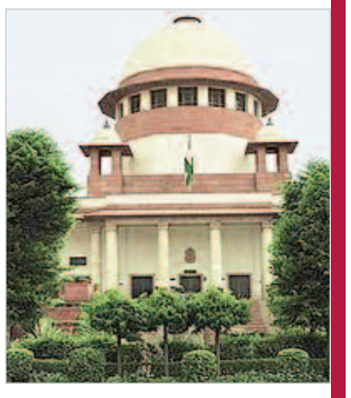

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट 18 मार्च को लोकपाल के उस आदेश पर सुनवाई करेगा, जिसमें मौजूदा हाईकोर्ट जजों के खिलाफ शिकायतों को स्वीकार करने की बात कही गई थी। इससे पहले, 20 फरवरी को सुप्रीम कोर्ट ने इस आदेश पर रोक लगा दी थी, इसे न्यायपालिका की स्वतंत्रता के लिए गंभीर चिंता का विषय बताया था। यह मामला तीन जजों की बेंच न्यायमूर्ति बी. आर. गवई, सूर्यकांत और अभय एस. ओका के सामने रखा जाएगा। दरअसल, यह मामला एक मौजूदा हाईकोर्ट के अतिरिक्त जज के खिलाफ दो शिकायतों से जुड़ा है। आरोप है कि जज ने एक निजी कंपनी के पक्ष में फैसले को प्रभावित किया, जो पहले उनके वकील रहते उनकी ग्राहक थी। लोकपाल ने 27 जनवरी को आदेश जारी कर यह मामला मुख्य न्यायाधीश को भेज दिया था। सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने तर्क दिया कि हाईकोर्ट जज लोकपाल और लोकायुक्त अधिनियम, 2013 के तहत नहीं आते। अब सुप्रीम कोर्ट तय करेगा कि लोकपाल को हाईकोर्ट जजों के खिलाफ शिकायत सुनने का अधिकार है या नहीं।

निशांत जल्द जेडीयू में शामिल होंगे...

नीतीश के बेटे की राजनीति में एंट्री को लेकर बड़ा दावा

पटना। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के बेटे निशांत की राजनीति में एंट्री की अटकलें तेज हो गई हैं। दरअसल, होली के मौके पर निशांत काफी एक्टिव नजर आए। शनिवार शाम सीएम आवास पर आयोजित होली मिलन समारोह में निशांत अपने पिता के साथ जेडीयू के सीनियर नेताओं और कार्यकर्ताओं से मुलाकात करते दिखे। इस दौरान जेडीयू के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष संजय कुमार झा और सीनियर लीडर मंत्री विजय कुमार चौधरी के साथ निशांत ने लंबी बातचीत की। वहीं, जेडीयू के कार्यकर्ताओं ने पार्टी ऑफिस पर निशांत के स्वागत वाले कई पोस्टर लगाए हैं। जदयू कार्यकर्ताओं का दावा है कि निशांत ने पॉलिटिक्स में एंट्री के लिए अपनी सहमति दे दी है। होली के दिन कार्यकर्ताओं और नेताओं से मुलाकात में उन्होंने हामी भरी है। पार्टी नेताओं का कहना है कि अब नीतीश कुमार को फैसला लेना है। पार्टी नेताओं ने कहा कि यह जनता दल यूनाइटेड है यहां का संस्कार आरजेडी जैसा नहीं है। यहां सब कुछ आधिकारिक तौर पर होता है। एक-दो दिन का इंतजार करिए- निशांत औपचारिक तौर पर जदयू में शामिल होंगे।

जामा मस्जिद की रंगाई-पुताई शुरू

संभल। संभल की जामा मस्जिद में रविवार सुबह 9 बजे से रंगाई-पुताई का काम शुरू हो गया। एएसआई की निगरानी में 10 मजदूर रंगाई-पुताई में लगे हैं। पहले मस्जिद की बाहरी दीवारों की साफ-सफाई हुई, फिर रंगाई शुरू हुई। फिलहाल, भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण टीम के साथ ही मौके पर भारी संख्या में पुलिस फोर्स तैनात हैं। ठेकेदार ने कहा कि मस्जिद की रंगाई-पुताई में करीब 10 दिन लगेंगे। इधर, नाथ संप्रदाय के महंत बालयोगी दीनानाथ ने मस्जिद को भगवा रंग से रंगने की मांग की। उन्होंने इसके लिए सीएम को लेटर भी लिखा है। जबकि मस्जिद कमेटी के वकील ने कहा कि रंगाई-पुताई के लिए पहले की तरह हरा, सफेद और गोल्डन रंग का ही इस्तेमाल होगा। मस्जिद के सदर जफर अली ने भी कहा कि मस्जिद का रंग पहले जैसा ही रहेगा। रंगाई-पुताई में स्वरूप नहीं बदलेगा।

नई दिल्ली।

चुनाव आयोग 18 मार्च को एक बड़ी बैठक करने जा रहा है। इसमें वोटर आईडी कार्ड को आधार कार्ड से जोड़ने पर चर्चा होगी। केंद्रीय गृह सचिव, विधायी विभाग के सचिव और यूआईडीएआई के सीईओ के साथ बैठक करेगा। इस बैठक में वोटर आईडी को आधार कार्ड से जोड़ने के लंबे समय से चले आ रहे मुद्दे पर चर्चा होगी। यह चर्चा ऐसे समय हो रही है जब इस पर राजनीतिक बहस छिड़ी हुई है, खासकर पश्चिम बंगाल में वोटर आईडी की डुप्लीकेट एंट्री को लेकर तृणमूल कांग्रेस की चिंताओं के बाद। चुनाव आयोग ने अगले तीन महीनों में डुप्लीकेट वोटर एंट्री

18 को बैठक में होगा तय

हटाने की योजना की घोषणा की है। फिलहाल चुनाव कानून (संशोधन) विधेयक, 2021 चुनाव अधिकारियों को मतदाताओं के आधार नंबर मांगने की अनुमति देता है। लेकिन यह स्वैच्छिक है और कानूनी और गोपनीयता संबंधी चिंताओं से घिरा है। चुनाव आयोग ने अपने डेटाबेस में स्वेच्छा से बड़ी संख्या में आधार नंबर दर्ज किए हैं। लेकिन गोपनीयता की चिंताओं के कारण दोनों प्रणालियों को पूरी तरह से एकीकृत नहीं कर पाया है।

इसके बावजूद, चुनाव आयोग लगातार आधार सीडिंग का समर्थन करता रहा है। चुनाव आयोग इसे मतदाता सूची में दोहराव रोकने का एक तरीका मानता है। 2017 में, आयोग ने सुप्रीम कोर्ट में एक आवेदन भी दायर किया था। इसमें आधार को वोटर आईडी से जोड़ना जारी रखने की मांग की गई थी। साफ और सटीक मतदाता सूची सुनिश्चित करने में इसकी भूमिका पर जोर दिया गया था। आधार सीडिंग चुनाव आयोग की व्यापक सुधार योजनाओं का केंद्र बिंदु है। इनमें एडवांस वोटिंग सिस्टम, घरेलू प्रवासियों के लिए रिमोट वोटिंग और चुनावी प्रक्रिया को मजबूत करने के प्रस्ताव शामिल हैं। लेकिन आधार सीडिंग के पूर्ण कार्यान्वयन के बिना ये पहल रुक गई हैं।

ज्यादा से ज्यादा आईएएस और आईपीएस मुस्लिम बनेंगे तभी समाज का हित होगा: गडकरी

मुंबई। केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने कहा है कि वह सार्वजनिक संवाद में जाति और धर्म को नहीं लाते हैं। उन्होंने कहा कि वह ऐसा इसलिए करते हैं क्योंकि उन्हें विश्वास है कि लोग समाज की सेवा को सबसे ऊपर मानते हैं। गडकरी ने अपनी चुनावी यात्रा का जिक्र करते हुए कहा कि जो करेगा जात की बात, उसको मारूंगा लात। गडकरी ने यह भी कहा कि उन्होंने यह विचार चुनाव हारने या मंत्री पद खोने की परवाह किए बिना जारी रखा। गडकरी ने यह भी याद किया कि जब वह एमएलसी थे तब उन्होंने अंजुमन-ए-इस्लाम संस्थान (नागपुर) इंजीनियरिंग कॉलेज की अनुमति दी। उन्हें महसूस हुआ कि उन्हें इसकी ज्यादा जरूरत थी। उन्होंने कहा, अगर मुस्लिम समुदाय से ज्यादा इंजीनियर, आईपीएस और आईएएस अधिकारी निकलते हैं तो सभी का विकास होगा। हमारे पास पूर्व राष्ट्रपति डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम का उदाहरण है। गडकरी ननमुदा संस्थान के दीक्षांत समारोह में बोल रहे थे। यहां उन्होंने कहा, हम कभी भी इन चीजों (जाति/धर्म) पर भेदभाव नहीं करते।

भारत में आईफा अवार्ड्स समारोह को लेकर पीएम मोदी ने कहा-

यह सफर उन लोगों की मेहनत को दर्शाता है जिन्होंने आयोजन को यादगार बनाया

मुंबई।

राजस्थान के जयपुर में पिछले हफ्ते आईफा अवार्ड्स समारोह का समापन हो गया, जिसमें कई देशी विदेशी फिल्मी सितारों ने शिरकत की। आईफा का इस बार यह 25वां संस्करण बहुत अहम रहा, क्योंकि यह इस प्रतिष्ठित अवार्ड शो की सिल्वर जुबली थी। इस आयोजन में न केवल सिनेमा की दुनिया के कलाकारों और तकनीशियनों को सम्मानित किया गया, बल्कि भारतीय फिल्म उद्योग की उपलब्धियों का भी जश्न मनाया गया।

पीएम मोदी ने आईफा अवार्ड्स के इस खास मौके पर एक संदेश जारी किया, जिसे आईफा के आधिकारिक इंस्टाग्राम अकाउंट पर शेयर किया है। संदेश में पीएम मोदी ने लिखा, मुझे अंतर्राष्ट्रीय भारतीय फिल्म अकादमी आईफा पुरस्कारों के 25वें संस्करण के बारे में जानकर खुशी हुई। ढाई दशकों का यह सफर उन सभी लोगों की मेहनत को दर्शाता है जिन्होंने आईफा को यादगार बनाया है।

निर्माता, निर्देशक, कलाकार, संगीतकार, तकनीशियन और सिनेमा से जुड़े हर व्यक्ति ने इस अवार्ड को बेहतरीन बनाया है। उन्होंने कहा कि आईफा जैसे मंच यह तय करते हैं कि इस तरह की सिनेमाई प्रतिभा का जश्न मनाया जाए और उन्हें बढ़ावा दिया जाए।

उन्होंने कहा कि आईफा का यह 25वां संस्करण न केवल एक बड़ी सफलता है, बल्कि यह आने वाले 25 सालों में विकास और उपलब्धि की दिशा में प्रेरणा भी देगा। बता दें इस साल के आईफा अवार्ड्स समारोह में 8 और 9 मार्च को जयपुर में दो बड़े आयोजन किए गए थे। एक समारोह डिजिटल फिल्म अवार्ड्स के लिए था, जबकि दूसरा थिएट्रिकल फिल्म रिलीज के लिए आयोजित किया गया था। इस साल 'लापता लेडीज' ने 10 अलग-अलग कैटेगरी में पुरस्कार जीते हैं, जिससे यह शो और भी खास हो गया।

वर्चस्व को लेकर भिड़े दो गुट, चली 50 राउंड गोलियां और जमकर हुआ पथराव

-मासूम को लगी गोली, अस्पताल में कराया भर्ती, पुलिस ने चार को दबोचा

पटना।

पटना के मसौढ़ी में शनिवार को वर्चस्व को लेकर सुधीर यादव और नगीना यादव के समर्थक आपस में भिड़ गए।

दोनों से ओर जमकर पथराव और फायरिंग की गई। करीब 50 राउंड फायरिंग हुई। इस दौरान 7 साल के बच्चे के को गोली लग गई। जिससे वह घायल हो गया जिसे आनन-फानन में परिजन अस्पताल लेकर पहुंचे। जहां से डॉक्टरों ने हालत देखकर रेफर कर दिया। गोलीबारी के बाद गांव में तनाव है। घटना रेवा पंचायत के जलाल बीघा गांव की है। मामले की सूचना पर मसौढ़ी थाना प्रभारी और पुलिस अनुमंडल पदाधिकारी दलबल के सौथ मौके पर पहुंचे। पूरे गांव में सर्च ऑपरेशन चलाया गया। गोलीबारी मामले में प्रमोद कुमार, विकास कुमार, सियाराम और पप्पू को गिरफ्तार किया गया है। गांव में तनाव का माहौल है। पुलिस स्थिति पर नजर रखे हुए है। मसौढ़ी पुलिस अनुमंडल पदाधिकारी ने बताया कि गांव में पुलिस गश्त कर रही है। स्थिति नियंत्रण में लेकिन तनावपूर्ण है। घटनास्थल से कोई बुलेट या खोखा नहीं मिला है। सुधीर यादव और नगीना यादव के बीच पहले से ही वर्चस्व को लेकर विवाद चल रहा है। मामले की छानबीन की जा रही है। फरार आरोपियों की पुलिस तलाश कर रही है वहीं बच्चे की हालत स्थिर बनी है।

मौसम का बदला मिजाज: 12 जिलों में बारिश और वज्रपात का अलर्ट, तेज हवाएं चलने की संभावना

पटना।

बिहार के मौसम में अचानक बदलाव देखने को मिल रहा है। रविवार को पटना, बक्सर, नालंदा समेत कई जिलों में सुबह से ही घने काले बादल छा गए। बक्सर और मुजफ्फरपुर में हल्की बारिश भी हुई। मौसम विभाग ने 12 जिलों में बारिश और बिजली गिरने का अलर्ट जारी किया है। इसके अलावा, अगले एक हफ्ते तक तेज हवाएं और धूल भरी आंधी चलने की संभावना है। मौसम विभाग के अनुसार, बिहार के पटना, बक्सर, मुजफ्फरपुर, नालंदा, बेगूसराय, वैशाली, सारण, भोजपुर, समस्तीपुर, दरभंगा, मधुबनी और सीवान में हल्की से मध्यम बारिश हो सकती है। पटना में रविवार और सोमवार को हल्की बारिश के आसार हैं, जिससे मौसम ठंडा रहेगा। अधिकतम तापमान 24 से 30 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 24 से 26 डिग्री सेल्सियस के बीच रहेगा। बारिश के बावजूद तेज हवाओं के कारण वातावरण में हल्की नमी बनी रहेगी।

अगले हफ्ते तक चलेगी धूल भरी आंधी

मौसम वैज्ञानिक कुमार गौरव के अनुसार, हिमालय क्षेत्र में पश्चिमी विक्षोभ के कारण बर्फबारी हो रही है, जिसका असर बिहार के मैदानी इलाकों में बारिश के रूप में दिखाई दे रहा है। सोमवार को भी कई जिलों में हल्की से मध्यम बारिश और वज्रपात की संभावना है। 18 मार्च के बाद ही तापमान में वृद्धि होगी, दिन में गर्मी बढ़ेगी, लेकिन सुबह और शाम हल्की ठंड महसूस होगी।

खगड़िया बना सबसे गर्म जिला

बीते 24 घंटों में खगड़िया बिहार का सबसे गर्म जिला रहा, जहां अधिकतम तापमान 39.4 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। मौसम विभाग ने बिहार के 10 सबसे गर्म जिलों की सूची भी जारी की है। बदलते मौसम के चलते बिहार के लोगों को अगले कुछ दिनों तक सतर्क रहने की जरूरत है।

उपराष्ट्रपति धनखड़ सोमवार से संसद की कार्यवाही में होंगे शामिल: जयराम रमेश

नई दिल्ली।

उपराष्ट्रपति और राज्यसभा के सभापति जगदीप धनखड़ के स्वस्थ होने के बाद सोमवार से राज्यसभा की कार्यवाही में शामिल होने की खबर सामने आई है। दरअसल कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट करते हुए इस संबंध में जानकारी दी है।

कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने उपराष्ट्रपति धनखड़ के साथ वाली एक तस्वीर साझा करते हुए सोशल मीडिया पर कहा, कि आज माननीय उपराष्ट्रपति जी से उनके निवास पर मुलाकात हुई। यह जानकर खुशी हुई कि वे तेजी से स्वस्थ हो रहे हैं और आगामी सोमवार, 17 मार्च से राज्यसभा की कार्यवाही की अध्यक्षता पुनः संभालने के लिए तैयार हैं।

गौरतलब है कि उपराष्ट्रपति धनखड़ को 9 मार्च को सीने में दर्द और बेचैनी की शिकायत के बाद एम्स, दिल्ली में भर्ती कराया गया था। कार्डियोलॉजी विभाग प्रमुख डॉ. राजीव नारंग की देखरेख में उनका इलाज हुआ। स्टेंट प्रत्यारोपण के बाद उनकी हालत स्थिर हुई और 12 मार्च को उन्हें अस्पताल से छुट्टी दे दी गई। इस बीच प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी एम्स जाकर धनखड़ का हालचाल जाना था।

सोमवार को राज्यसभा में कई अहम चर्चाएं

राज्यसभा में सोमवार को रक्षा, सामाजिक न्याय और विदेश मामलों की संसदीय स्थायी समिति की रिपोर्ट पेश होगी। राष्ट्रीय खाद्य प्रौद्योगिकी, उद्यमिता एवं प्रबंधन संस्थान की परिषद में एक सदस्य का चुनाव होगा। मणिपुर का बजट और रेल मंत्रालय के कामकाज पर चर्चा होनी है।

कांग्रेस नेता की गिरफ्तारी को जयराम रमेश ने बताया बर्बरता से भी बदतर

असम सीएम बोले-आप सिर्फ इंतजार कीजिए अभी बड़े खुलासे होने बाकी हैं

नई दिल्ली।

असम कांग्रेस यूनिट के प्रवक्ता रीतम सिंह ने एक्स पर एक पोस्ट की थी जिसके बाद पुलिस ने उन्हें गिरफ्तार कर लिया है। रीतन की गिरफ्तारी के बाद से राज्य में कांग्रेस और बीजेपी आमने-सामने आ गईं। रीतम सिंह ने एक पूर्व राज्य प्रमुख और दो वर्तमान विधायकों समेत तीन वरिष्ठ बीजेपी नेताओं के खिलाफ दर्ज मामलों की स्थिति के बारे में पूछताछ के लिए एक्स पर पोस्ट किया था। इस पोस्ट के बाद उन पर एक्शन लिया गया। कांग्रेस ने इस एक्शन को बर्बरता से भी बदतर बताया है।

बता दें धेमाजी जिले में 2021 में दुष्कर्म के एक मामले में कोर्ट द्वारा तीन व्यक्तियों को दोषी ठहराए जाने के बारे में एक अखबार में छपी रिपोर्ट के साथ एक्स पर रीतम सिंह ने एक पोस्ट की थी। उनके इस पोस्ट के बाद बीजेपी विधायक मनाब डेका की पत्नी ने शिकायत दर्ज कराई थी।

इसके बाद गुवाहाटी पुलिस की मदद से लखीमपुर जिला पुलिस ने रीतम सिंह को उनके घर से गिरफ्तार कर लिया।

रीतम सिंह की गिरफ्तारी के बाद कांग्रेस महासचिव संचार प्रभारी जयराम रमेश ने कहा कि बिल्कुल उचित सोशल मीडिया पोस्ट के लिए मेरे युवा सहयोगी रीतम सिंह की गिरफ्तारी अत्याचारी मुख्यमंत्री से भी बदतर है।

जयराम रमेश ने इस पोस्ट में असम सीएम हिमंता बिस्वा सरमा को भी टैग किया। जयराम रमेश के पोस्ट पर जवाब देते हुए सीएम सरमा ने लिखा- सर, यह मामला एक दलित महिला के जाति-आधारित अपमान से जुड़ा है।

अगर आप एक दलित महिला के पति को बलात्कारी कहने को बिल्कुल उचित ठहराते हैं, तो यह बताता है कि आप लोग कांग्रेस पार्टी को किस दिशा में ले गए हैं। सीएम ने आगे लिखा लेकिन आप सिर्फ इंतजार कीजिए, अभी बड़े खुलासे होने बाकी हैं। सितंबर तक आपके वरिष्ठ नेता की आईएसआई और पाकिस्तान के साथ सांठगांठ का पर्दाफाश भी हो जाएगा।

कांग्रेस के वरिष्ठ नेता गौरव गोगोई ने दावा किया कि कांग्रेस नेता की गिरफ्तारी को लेकर कोई वारंट या नोटिस नहीं दिया गया था। साथ ही उन्होंने आरोप लगाया कि

उनके सहयोगी को उस दिन पुलिस ने घसीटा था जब केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह राज्य में मौजूद थे। गोगोई ने कहा कि लखीमपुर पुलिस की एक टीम कांग्रेस प्रवक्ता रीतम सिंह को हिरासत में लेने गुवाहाटी पहुंची। जब मैं उनके घर पहुंचा, तो मैंने देखा कि कैसे उन्हें बेरहमी से घसीटा गया और मुझसे बात करने की इजाजत नहीं दी।

राम मंदिर ट्रस्ट के बोर्ड ऑफ ट्रस्टीज बैठक आज, पदाधिकारियों का पहुंचना हुआ प्रारम्भ

अयोध्या। श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के बोर्ड ऑफ ट्रस्टीज, पदाधिकारियों और न्यासियों की महत्वपूर्ण बैठक रविवार को मणिराम छावनी में सम्पन्न होगी। बैठक के लिए पदाधिकारियों का पहुंचना प्रारम्भ हो चुका है। बैठक अपराह्न तीन बजे से शुरू होगी। शनिवार को ट्रस्ट कोषाध्यक्ष महंतगोविन्द देव गिरी पुणे महाराष्ट्र से राम नगरी पहुंच चुके हैं। तीर्थ क्षेत्र महासचिव चंपत राय ने महंत गोविंद देव गिरि से भेंट कर वार्षिक बजट 2025-26 पर गहन मंथन किया। यह बजट बोर्ड की बैठक में प्रस्तुत किया जाएगा। आज के बैठक की अध्यक्षता ट्रस्ट अध्यक्ष एवं मणिराम छावनी पीठाधीश्वर महंत नृत्य गोपाल दास महाराज करेंगे। इस दौरान महासचिव चम्पत राय, निर्माण समिति अध्यक्ष नृपेंद्र मिश्र, कोषाध्यक्ष गोविंददेव गिरी, शंकराचार्य वासुदेवानंद सरस्वती महाराज, जगद्गुरु मध्वाचार्य विश्वप्रसन्नतीर्थ, डा. अनिल मिश्र, राजा अयोध्या विमलेंद्र मोहन मिश्र, केंद्र व राज्य सरकार के प्रतिनिधि और जिलाधिकारी अयोध्या सहित अन्य सदस्य के सम्मिलित होने के लिए अयोध्या पहुंच रहे हैं। बैठक की तैयारी को अंतिम रूप ट्रस्ट महासचिव चम्पत राय दे पहले ही दे चुके हैं। इससे पूर्व ट्रस्ट की बैठक नवंबर माह में हुई थी। जिसमें मंदिर निर्माण के प्राप्त दान व व्यय पर व्यापक चर्चा हुई थी। इस बार की बैठक में मंदिर के द्वितीय, तृतीय तल की अद्यतन स्थिति के साथ ही, परकोटा के अंतर्गत निर्मित हो रहे अन्य देव मंदिरों के निर्माण, ट्रस्ट द्वारा दर्शनार्थियों को प्राप्त होने वाली जन सुविधाओं सहित दान और व्यय पर मंथन होगा।

लापता युवक के शव के हिस्से अलग-अलग गांवों से बरामद

गोंडा (उप्र)। उत्तर प्रदेश के गोंडा जिले में पिछले पांच दिनों से लापता युवक के शव के हिस्से दो अलग-अलग गांवों से बरामद होने से सनसनी फैल गई। पुलिस ने यह जानकारी दी। कोतवाली (नगर) के प्रभारी निरीक्षक संतोष कुमार मिश्र ने रविवार को बताया कि दत्त नगर निवासी इंद्रभान उर्फ छोटू सिंह (25) पिछले पांच दिनों से लापता था। परिजनों ने उसकी गुमशुदगी की शिकायत स्थानीय थाने में दर्ज कराई थी, जिसके बाद पुलिस भी उसकी तलाश कर रही थी। उन्होंने बताया कि शनिवार शाम ग्रामीणों ने दत्त नगर और खैरी गांव के बीच खेत में एक शव देखा, युवक का धड़ खैरी गांव के पास गेहूं के खेत में मिला, जबकि सिर नाई पुरवा गांव के पास मिला। हत्यारों ने शव को बोरे में भरकर खेत में फेंक दिया था। मिश्र ने बताया कि परिजनों द्वारा शव की शिनाख्त किये जाने के बाद पुलिस ने पंचनामा भरकर उसे पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। परिजनों ने हत्या की आशंका जताते हुए थाने में शिकायत दी है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

झांसी में महिला ने एक साल के बेटे के साथ आत्मदाह किया : दोनों की मौत

झांसी (उप्र)। झांसी जिले के लहचूरा क्षेत्र में रविवार को एक महिला ने अपने एक साल के बच्चे के साथ कथित तौर पर आत्मदाह कर लिया। इस घटना में दोनों की मौत हो गई। अपर पुलिस अधीक्षक (ग्रामीण क्षेत्र) गोपीनाथ सोनी ने बताया, ''लहचूरा थाना क्षेत्र स्थित बरुआमाफ गांव के निवासी कौशल कुशवाहा की 20 वर्षीय पत्नी पूजा और उसके बेटे की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई।'' सोनी ने बताया, ''परिवार के सदस्यों ने दावा किया है कि सुबह खाना बनाते समय महिला ने खुद पर और अपने एक साल के बेटे पर ज्वलनशील पदार्थ डालकर आग लगा ली।'' उन्होंने बताया कि घर से आग की लपटें निकलती देख पड़ोसियों ने पुलिस को सूचना दी। जब तक आग बुझाई जाती तब तक मां और बच्चे दोनों की जलने से मौत हो चुकी थी। पुलिस ने बताया कि घटना के समय परिवार के अन्य सदस्य खेतों में काम कर रहे थे। सोनी ने बताया कि पूजा के पति कौशल कुशवाहा और सास-ससुर को हिरासत में ले लिया गया है। जांच जारी है। शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। कथित आत्महत्या के कारणों की जांच की जा रही है।

हादसों में पीएसी जवान समेत दो लोगों की मौत

मैनपुरी (उप्र)। इटावा में तैनात पीएसी के एक जवान समेत दो लोगों की शनिवार शाम सड़क हादसों में मौत हो गई। पुलिस ने यह जानकारी दी। कुरावली के थानाध्यक्ष धर्मेंद्र सिंह चौहान ने रविवार को बताया कि इटावा में पीएसी की 28-डी बटालियन में तैनात ओमवीर सिंह राजपूत (27) होली मनाने के बाद शनिवार शाम अपने गांव नगला खुमानी से मोटरसाइकिल से इटावा में अपनी ड्यूटी पर जा रहे थे। उन्होंने बताया कि इसी दौरान कुरावली क्षेत्र के नगला जुला के पास तेज रफ्तार ट्रक ने राजपूत को कुचल दिया, जिससे उनकी मौके पर ही मौत हो गई। पुलिस ने बताया कि घटना के बाद ट्रक चालक वाहन लेकर भाग गया। पुलिस उसकी तलाश कर रही है। शनिवार शाम को हुई एक अन्य सड़क दुर्घटना में रोडवेज के सेवानिवृत्त कर्मचारी बाबू राम (65) अपनी बीमार बेटी के लिए दवा लेने बेवर कस्बे गए थे। पुलिस ने बताया कि दवा खरीदने के बाद जब बाबू राम घर लौट रहे थे, तो उन्हें एक अन्य मोटरसाइकिल सवार ने टक्कर मार दी, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गए। उसने बताया कि ग्रामीणों ने बाबूराम को अस्पताल पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।

संपत्ति के विवाद में की बुजुर्ग भाई की हत्या

मऊ (उप्र)। उत्तर प्रदेश के मऊ जिले के दोहरीघाट क्षेत्र में संपत्ति विवाद के चलते 65 वर्षीय एक व्यक्ति की उसके भाई ने कथित तौर पर हत्या कर दी। पुलिस ने इसकी जानकारी दी। थाना प्रभारी (एसओ) प्रमोद कुमार सिंह ने बताया, 'जमीन के विवाद को लेकर राम प्रवेश पासवान नामक व्यक्ति ने अपने बड़े भाई राम भवन पासवान (65) पर लाठी डंडों से हमला कर दिया, जिससे उसकी मौत हो गई।' मृतक की पत्नी सुभावती और बेटे धर्मेंद्र की शिकायत पर पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है। सिंह ने दर्ज रिपोर्ट के हवाले से बताया कि रामभवन और रामप्रवेश के बीच जमीन को लेकर लंबे समय से विवाद था। शनिवार की सुबह जब रामभवन ने अपने घर के सामने लगी खूंटी हटाने का प्रयास किया तो रामप्रवेश ने विरोध किया। एसओ ने बताया कि देखते ही देखते दोनों के परिवारों के लोग आपस में भिड़ गए और एक-दूसरे पर लाठी-डंडों से हमला कर दिया। मौके पर पहुंची पुलिस ने घायलों को उपचार के लिए दोहरीघाट सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया। उन्होंने बताया कि घायलों में रामभवन, उसकी पत्नी सुभावती (62), बेटा धर्मेंद्र (30), रामप्रवेश और परिवार के कई सदस्य शामिल हैं। गंभीर रूप से घायल रामभवन को आजमगढ़ के अस्पताल ले जाया गया जहां रविवार को उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई।

संभल में शाही जामा मस्जिद की बाहरी दीवार की पुताई का काम शुरू

संभल (उप्र)। संभल में शाही जामा मस्जिद की बाहरी दीवार की पुताई का काम रविवार सुबह शुरू हो गया। शाही जामा मस्जिद-हरिहर मंदिर मामले में मस्जिद पक्ष के वकील शकील वारसी ने रविवार को बताया, 'संभल में शाही जामा मस्जिद की बाहरी दीवार की पुताई का काम शुरू हो गया।' इलाहाबाद उच्च न्यायालय ने 12 मार्च को भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) को एक सप्ताह के भीतर मस्जिद की पुताई कराने का निर्देश दिया था। उच्च न्यायालय के आदेश के बाद, एएसआई की एक टीम ने 13 मार्च को मस्जिद की पुताई के लिये जरूरी सामान और श्रमिकों की संख्या का आकलन किया था। शाही जामा मस्जिद प्रबंध समिति के सचिव मसूद फारूकी ने शनिवार को कहा था कि एएसआई की एक टीम ने दोपहर में मस्जिद आकर इस बारे में चर्चा की कि पुताई कार्य में कितने श्रमिक और सामग्री की आवश्यकता है। शाही जामा मस्जिद की पुताई में किस रंग का इस्तेमाल किया जाएगा, इस बारे में मस्जिद प्रबंधन समिति के अध्यक्ष जफर अली ने कहा कि 'हम हरा, सफेद और सुनहरा रंग इस्तेमाल करते हैं। हमने हमेशा इन्हीं का इस्तेमाल किया है और हम आगे भी यही करेंगे।' पिछले साल 24 नवंबर को मुगलकालीन शाही जामा मस्जिद के सर्वेक्षण के दौरान भड़की हिंसा में चार लोगों की मौत हो गई थी और पुलिस कर्मियों सहित कई लोग घायल हो गए थे।

संभल सीओ अनुज चौधरी ने खेली होली, जमकर किया डांस

संभल। संभल में इस बार होली का उत्सव बहुत खास रहा। पुलिस प्रशासन ने भी रंगों में डूबकर होली मनाई, जिसमें संभल एएसपी श्रीश चन्द्र और सीओ अनुज चौधरी ने जमकर होली खेली। एएसपी कार्यालय परिसर में आयोजित इस होली महोत्सव में सीओ अनुज चौधरी ने न केवल रंगों से होली खेली, बल्कि डांस करके भी माहौल को खुशनुमा बना दिया।

मीडिया की भूमिका और प्रासंगिकता को परिवर्तनशील माहौल में भी नहीं किया जा सकता कम : सीएम योगी

गोरखपुर (एजेंसी)। लोकतंत्र के चौथे स्तंभ के रूप में मीडिया को मान्यता दी गई है। मीडिया ही लोकतंत्र के प्रति सजग प्रहरी के रूप में सबसे महत्वपूर्ण मुद्दों की ओर ध्यान आकर्षित कर अन्य तीन स्तंभों को किसी न किसी रूप में झकझोरती है। किन्हीं कारणों से छूटे हुए मुद्दों को सही तथ्यों के साथ प्रस्तुत कर जन सरोकार से जोड़ती है। मीडिया की भूमिका पूरी दुनिया में समय-समय पर अलग-अलग रूप में देखने को मिली है। ये बातें मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रविवार को गोरखपुर में आयोजित एक प्रेस क्लब की नवनिर्वाचित कार्यकारिणी के शपथ ग्रहण समारोह में कही।

कार्यक्रम के दौरान सीएम योगी ने कहा कि देश में कई ऐसे स्वतंत्रता संग्राम सेनानी रहे हैं, जिन्होंने अपने करियर को मीडिया के जरिए आगे बढ़ाने का काम किया था। देश के स्वाधीनता आंदोलन में उन्होंने पत्रकारिता के रूप में अपनी अहम भूमिका निभाई थी। इसमें सबसे पहला नाम राष्ट्रपिता महात्मा गांधी का आता है, जिन्होंने अपनी लेखनी से समाचार पत्रों को प्रोत्साहित किया था।

लोकमान्य तिलक ने जन चेतना को जागरूक करने के लिए गणपति महोत्सव का आयोजन किया। इसके अलावा लाल लाजपत राय, गणेश शंकर विद्यार्थी आदि ने अपनी लेखनी की धार से समाज को नई दिशा दी। जिस समय देश के लोकतंत्र का गला घोंटा जा रहा था, तब समाचार समूहों ने अपनी लेखनी के माध्यम से लोकतंत्र को बचाने के लिए पूरी ताकत लगा दी थी। मीडिया की भूमिका और प्रासंगिकता को परिवर्तनशील माहौल में भी कभी कम नहीं किया जा सकता है।

उन्होंने कहा कि आज टेक्नोलॉजी से पूरी दुनिया में तेजी से बदलाव हो रहा है। ऐसे में मीडिया जगत में भी तेजी के साथ बदलाव हो रहा है ताकि समाज तक टेक्नोलॉजी से जुड़कर सही तथ्यों को उन तक पहुंचाया जा सके। आज युवा पीढ़ी सबसे ज्यादा सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म का उपयोग कर रही है क्योंकि उसके पास समय कम है। ऐसे में मीडिया संस्थानों की जिम्मेदारी और अधिक बढ़ गई है कि उन तक सकारात्मक चीजें पहुंचाई जाएं क्योंकि कुछ लोग सोशल मीडिया प्लेटफार्म का दुरुपयोग कर नकारात्मकता फैलाने का काम कर रहे हैं। ऐसे में मीडिया जगत अपनी जिस भूमिका के लिए जानी जाती है, उसी भूमिका के साथ उसे आगे बढ़ना होगा। यह न केवल लोकतंत्र बल्कि देश की सुरक्षा और संप्रभुता के लिए बड़ा कार्य होगा।

सीएम योगी ने आगे कहा कि सुशासन और लोकतंत्र की पहली शर्त संवाद है। हम जबरन अपनी बात को किसी पर थोप नहीं सकते हैं, लेकिन संवाद से बड़े से बड़ी समस्या का समाधान कर सकते हैं। वहीं जब भी हम संवाद की भाषा से अपने आप को अलग करते हैं, तो नए संघर्ष को बढ़ावा मिलता है। हमें उस संघर्ष से बचने की आवश्यकता है। ऐसे में अगर मीडिया उस संवाद की भाषा को प्रभावी ढंग से आगे बढ़ाएगी, तो निश्चित रूप से बहुत सारी समस्याओं का समाधान हो जाएगा।

सीएम ने कहा कि संवाद को प्रभावी ढंग से आगे बढ़ाने का सबसे सशक्त माध्यम मीडिया है। इसके लिए जरूरी नहीं है कि एक लाख लोगों को इकट्ठा करके अपनी बात कही जाए, इसके लिए कुछ लोग ही पर्याप्त हैं। वहीं लोग करोड़ तक आपकी आवाज को पहुंचाएंगे। इसके लिए मीडिया को आगे आना होगा।

आगरा के बाराखंबा में अंबेडकर भवन को अतिक्रमण बताने पर मायावती ने उठाए सवाल, सांसद चंद्रशेखर ने लिखा पत्र

लखनऊ (एजेंसी)। बहुजन समाज पार्टी (बसपा) की राष्ट्रीय अध्यक्ष मायावती ने आगरा में बाराखंबा रेलवे फाटक 'अंबेडकर भवन' को अतिक्रमण बताकर उसे हटाने की कार्रवाई पर सवाल उठाए हैं। वहीं, इस मामले को लेकर नगीना के सांसद चंद्रशेखर ने रेलवे मंत्री को पत्र लिखा है।

बसपा मुखिया मायावती ने रविवार को सोशल मीडिया मंच एक्स पर लिखा कि यूपी के आगरा में बाराखंबा रेलवे फाटक के पास दशकों से समाज हित व जनकल्याण आदि गतिविधियों से जुड़े 'अंबेडकर भवन' को अतिक्रमण बताकर उसे हटाने की कार्रवाई से लोगों में काफी रोष व आक्रोश व्याप्त है और लोगों का यह भी कहना है कि क्या यही है सरकार का अंबेडकर प्रेम?

उन्होंने आगे लिखा कि ऐसे में केंद्र सरकार से अनुरोध है कि आगरा के साथ-साथ ऐसी और भी बाबासाहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर-विरोधी कार्रवाईयों का तत्काल संज्ञान ले और जरूर उचित कार्रवाई भी करे। उम्मीद है कि सरकार जरूर सकारात्मक कदम उठाएगी।

उधर, इस मामले में नगीना के सांसद चंद्रशेखर ने भी केंद्रीय रेलवे मंत्री अश्विनी वैष्णव को पत्र लिखा है। उन्होंने लिखा कि रेलवे प्रशासन, उत्तर मध्य रेलवे, आगरा के कार्यालय, सीनियर सेक्शन इंजीनियर (कार्य), ईदगाह द्वारा पत्रांकः ष्ट1/3, दिनांकः 11.03.2025 के माध्यम से अंबेडकर भवन (निकट फाटक संख्या 75ए, बाराखंबा) को अतिक्रमण घोषित कर 15 दिनों के भीतर हटाने का नोटिस जारी किया गया है।

यह भवन वर्षों से सामाजिक न्याय, शैक्षिक व सांस्कृतिक गतिविधियों, तथा बहुजन समाज के हितों के संरक्षण के लिए उपयोग में लाया जा रहा है। ऐसे में इसे अतिक्रमण घोषित कर हटाने की कार्रवाई करना न केवल अनुचित है, बल्कि समाज के वंचित वर्गों के प्रति अन्याय भी है।

उन्होंने आगे लिखा कि यह भवन उस स्थान पर स्थित है, जहां मौजूद गड्ढों को भरकर आधी शताब्दी पूर्व इसे जनहित के लिए खड़ा किया गया था। यह केवल एक संरचना नहीं, बल्कि बहुजन समाज की सामाजिक-सांस्कृतिक चेतना और उत्थान का केंद्र है। अतः इसे अतिक्रमण घोषित कर हटाने का कोई भी प्रयास न केवल ऐतिहासिक अन्याय होगा, बल्कि समाज के पिछड़े और दलित वर्गों के प्रति उपेक्षा को भी दर्शाएगा। यह भवन समाज के हित में सार्वजनिक उपयोग के लिए खड़ा किया गया है। उन्होंने लिखा कि हम रेलवे प्रशासन से अनुरोध करते हैं कि इस मामले को सहानुभूतिपूर्वक देखा जाए और किसी भी निर्णय से पहले इस भवन के सामाजिक महत्व को ध्यान में रखें।

उन्होंने मांग करते हुए कहा कि रेलवे द्वारा जारी पत्रांकः सी1/3, दिनांकः 11.03.2025 के 15 दिन के भीतर हटाने के नोटिस को तत्काल निरस्त किया जाए। यदि यह भवन रेलवे की अधिसूचित भूमि पर आता हो, तो इसे नियमित करने हेतु आवश्यक कदम उठाए जाएं। इस सामाजिक महत्व के भवन को सरकारी संरक्षण प्रदान किया जाए, ताकि इसके माध्यम से सामाजिक उत्थान की गतिविधियां निर्बाध रूप से जारी रह सकें। यह भवन हजारों लोगों की आस्था, उनके अधिकारों और सामाजिक-सांस्कृतिक उत्थान का प्रतीक है। इसे हटाने से बहुजन समाज और वंचित समुदायों के बीच रोष उत्पन्न होगा तथा सरकार की समावेशी नीतियों पर प्रश्नचिह्न खड़ा होगा। अतः आपसे आग्रह है कि इस विषय में शीघ्र अविलंब हस्तक्षेप कर न्यायसंगत समाधान सुनिश्चित करें।

पुलिस मुठभेड़ में गिरफ्तार हुआ बलात्कार का आरोपी

लखनऊ। उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ में छह साल की बच्ची से बलात्कार के आरोपी को रविवार को मुठभेड़ के बाद गिरफ्तार कर लिया गया है। पुलिस और आरोपी के बीच मुठभेड़ विभूति खंड थाना क्षेत्र में हुई। बताया जा रहा है कि आरोपी शहर से भागने के लिए ट्रेन का इंतजार कर रहा था। पुलिस अधिकारी ने बताया कि 15 और 16 मार्च की रात को विभूति खंड पुलिस थाने को सूचना मिली कि आरोपी मोहम्मद सरजू खड़गपुर में है। अधिकारी ने कहा, 'आरोपी को पकड़ने के लिए गठित की गई पुलिस टीम ने जब उसे आत्मसमर्पण करने के लिए कहा तो सरजू ने पुलिस पर गोलियां चला दीं। जवाबी फायरिंग में आरोपी के पैर में गोली लग गई। इसके बाद सरजू को गिरफ्तार कर लिया गया। उसे इलाज के लिए सीएचसी अस्पताल में भर्ती कराया गया है।' अधिकारी ने बताया कि फोरेंसिक टीम मौके पर है। गौरतलब है कि पीड़िता दूसरी कक्षा की छात्रा है और शनिवार को उसका रेप किया गया। पीड़िता अपने माता-पिता के साथ सर्वेंट क्वार्टर में रहती है। आरोपी सरजू उसे बहला-फुसलाकर अपने साथ ले गया और उसके साथ बलात्कार की घटना को अंजाम दिया। पीड़िता के परिवार की शिकायत के आधार पर पुलिस ने भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) और यौन अपराध से बच्चों के संरक्षण (पॉक्सो) अधिनियम की विभिन्न धाराओं के तहत मुकदमा दर्ज किया है। पीड़िता को लखनऊ के डॉ. राम मनोहर लोहिया आयुर्विज्ञान संस्थान में भर्ती कराया गया है। पुलिस ने बताया कि अस्पताल में इलाज के दौरान पीड़िता ने आरोपी सरजू की पहचान की। बलात्कार के आरोपी को अपराध के छह घंटे के अंदर ही गिरफ्तार कर लिया गया है। अस्पताल से छुट्टी मिलने के बाद आरोपी से पूछताछ की जाएगी। पिछले हफ्ते उत्तर प्रदेश के मुरादाबाद जिले में 14 वर्षीय दलित लड़की का कथित तौर पर अपहरण कर उसके साथ सामूहिक बलात्कार किया गया था। उस केस में भी घटना में शामिल आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया था।

'मृत्यु कुंभ' टिप्पणी को लेकर योगी आदित्यनाथ ने साधा ममता बनर्जी पर निशाना

गोरखपुर (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रविवार को पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी पर उनके ''मृत्यु कुंभ'' वाले बयान पर निशाना साधते हुए कहा कि ''जो लोग होली के दौरान उपद्रव को नियंत्रित करने में असमर्थ रहे, उन्होंने प्रयागराज के महाकुंभ को 'मृत्यु कुंभ' कहा था।''

मुख्यमंत्री ने गोरखपुर में गोरखपुर जर्नलिस्ट्स प्रेस क्लब के नवनिर्वाचित पदाधिकारियों के शपथग्रहण समारोह को संबोधित करते हुए कहा, ''पहली बार तमिलनाडु से लोग आए थे। केरल से भी लोग आए थे। उत्तर प्रदेश की आबादी 25 करोड़ है और होली शांतिपूर्ण तरीके से संपन्न हुई। लेकिन, पश्चिम बंगाल में होली के दौरान कई उपद्रव हुए। जो लोग होली के दौरान उपद्रव को नियंत्रित करने में असमर्थ थे उन्होंने कहा था कि प्रयागराज का महाकुंभ मृत्यु कुंभ था।'' उन्होंने कहा, ''लेकिन, हमने कहा कि यह मृत्यु नहीं है, यह मृत्युंजय है। यह महाकुंभ है। इस कुंभ ने साबित कर दिया है कि महाकुंभ के 45 दिनों में, हर दिन पश्चिम बंगाल के 50 हजार से एक लाख लोग इस आयोजन का हिस्सा थे।'' पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने 18 फरवरी को कहा था कि भगदड़ की घटनाओं के कारण महाकुंभ ''मृत्यु कुंभ'' में बदल गया है। उन्होंने दावा किया था कि महाकुंभ में मौतों के वास्तविक आंकड़े को अधिकारियों ने दबा दिया है। पश्चिम बंगाल विधानसभा में एक संबोधन के दौरान बनर्जी ने कहा था, ''उन्होंने मौतों का आंकड़ा कम करने के लिए सैकड़ों शवों को छिपा दिया है। भाजपा शासन में महाकुंभ 'मृत्यु कुंभ' में बदल गया है।'' इसके बाद, 20 फरवरी को ममता बनर्जी ने कोलकाता के पास न्यूटाउन में एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा था कि वह सभी धर्मों और संस्कृतियों का सम्मान करती हैं। उन्होंने कहा था, ''किसने कहा कि मैं अपने धर्म का सम्मान नहीं करती? याद रखें कि धर्म एक व्यक्ति का होता है लेकिन त्योहार सभी के लिए होते हैं। हमारे देश में, हमारे पास कई राज्य हैं और प्रत्येक की भाषा, शिक्षा, जीवन जीने का तरीका, संस्कृतियाँ तथा मान्यताएँ अलग-अलग हैं। लेकिन हम सभी संस्कृतियों का सम्मान करते हैं और यही कारण है कि विविधता में एकता हमारा दर्शन और विचारधारा है।''

इमरान मसूद का मौलाना को जवाब, कहा- मुझे किसी के सर्टिफिकेट की जरूरत नहीं, फैसला करना अल्लाह का काम

सहारनपुर। कांग्रेस के सांसद इमरान मसूद के होली खेलने के बाद उन्हें मशहूर देवबंदी उलेमा मौलाना कारी इसहाक गोरा ने नसीहत दी थी ऐसा कोई काम न करें जो शरीयत के खिलाफ हो। कांग्रेस नेता इमरान मसूद ने इस पर कड़ी प्रतिक्रिया देते हुए कहा है कि उन्हें उनके और अल्लाह के रिश्ते में किसी की दखलंदाजी की जरूरत नहीं है। एक कार्यक्रम के दौरान मौलानाओं के बयानों पर पलटवार करते हुए उन्होंने कहा, 'ला इलाहा इल अल्लाह मोहम्मद रसूलल्लाह कहने के बाद न मुझे किसी को कुछ साबित करने की जरूरत है। मेरे और अल्लाह के बीच मुझे किसी के सर्टिफिकेट की जरूरत नहीं है। यह अल्लाह का काम है कि मुझे क्या सजा देनी है।'

देवबंदी उलेमा मौलाना क़ारी इसहाक गोरा ने अपने एक वीडियो में कहा था कि अगर हम मुस्लिम हैं तो हमें इस हकीकत से वाकिफ रहना चाहिए। शरीयत में कुछ दायरे दिए गए हैं, उन्हें निभाना जरूरी है। कुछ वसूल दिए गए हैं, उन्हें निभाना जरूरी है। हम भाईचारे के लिए ऐसे काम कर जाते हैं जो कि शरीयत के खिलाफ होते हैं। उन्होंने कहा कि यह सिर्फ मुस्लिम लीडर पर साबित नहीं होता है। यह तमाम मुस्लिमों पर साबित होता है। उन्होंने कहा कि यदि आपको भाईचारा बढ़ाना और कायम रखना है तो इसके और भी कई तरीके हैं। जरूरी नहीं कि हम गैर-इस्लामी रस्में निभाएं तभी वह भाईचारा होगा। ऐसे तमाम लोगों से कहूंगा कि उन्हें तौबा करनी चाहिए। अल्लाह से अपने गुनाह की माफी मांगनी चाहिए। आगे से कोई ऐसा काम नहीं करना चाहिए जो शरीयत के खिलाफ हो। मसूद ने अपनी प्रतिक्रिया में आगे साफ किया कि वह सियासत करते हैं और उनकी बातें भी सियासत तक ही सीमित रहेंगी। उन्होंने कहा, 'हर किसी का अपना काम है। मैं सियासत करता हूं और वही करूंगा। फैसले भी सियासत के हिसाब से होंगे।' इसके अलावा, इजरायल में आतंकवाद के खिलाफ उठाए गए कदमों पर भी इमरान मसूद ने अपनी राय रखी। मसूद ने कहा, 'आतंकवादी को बख्शना नहीं चाहिए। उसे मार देना चाहिए। जो लोग दूसरों की जान लेते हैं, उन्हें जिंदा रहने का कोई हक नहीं है।'

आजमगढ़ में अस्तित्वहीन मदरसों पर बड़ी कार्रवाई, 219 संचालकों के खिलाफ मुकदमा दर्ज

आजमगढ़, । उत्तर प्रदेश के आजमगढ़ जिले में अस्तित्वहीन और मानक के अनुरूप नहीं पाए गए मदरसों के खिलाफ बड़ी कार्रवाई शुरू हो गई है। ईओडब्ल्यू (आर्थिक अपराध शाखा) की तहरीर पर जिले के 22 थाना क्षेत्रों में 219 मदरसा संचालकों पर मुकदमे दर्ज किए गए हैं। दरअसल, जिले में मदरसा पोर्टल पर ऑनलाइन फीडिंग के दौरान 313 मदरसे मानक के अनुसार नहीं पाए गए थे। जब एसआईटी (स्पेशल इंवेस्टिगेशन टीम) ने इस मामले की जांच की, तो पाया गया कि 219 मदरसे ऐसे हैं, जो अस्तित्व में ही नहीं हैं। यह मामला पिछले कई सालों से चल रहा था, जब 2009-10 में बिना भौतिक सत्यापन के कई मदरसों को मान्यता और सरकारी अनुदान दे दिया गया था। इस पर 2017 में सरकार से शिकायत की गई थी। जांच में 387 मदरसे वैध पाए गए, जबकि 313 मदरसों में गड़बड़ियां सामने आईं। इसके बाद इस पूरे मामले की जांच शासन ने एसआईटी को सौंप दी थी। 2022 में हुई जांच में यह पाया गया कि 219 मदरसे अस्तित्वहीन हैं और इन मदरसों के संचालकों ने सरकारी धन के गमन के लिए कूटरचित दस्तावेजों का इस्तेमाल किया। ईओडब्ल्यू के निरीक्षक कुंवर ब्रम्ह प्रकाश सिंह की तहरीर पर जिले के कंधरापुर थाने में पहला मुकदमा दर्ज किया गया था। उसके बाद जिले के सभी 22 थाना क्षेत्रों में मुकदमे दर्ज किए गए। इनमें से कुछ प्रमुख थाना क्षेत्रों में दर्ज मुकदमों की संख्या इस प्रकार है- कोतवाली में 2, सिधारी में 5, रानी की सराय में 3, कंधरापुर में 1, मुबारकपुर में 15, निजामाबाद में 5, गंभीरपुर में 2, देवगांव में 7, बरदह में 7, मेंहनगर में 5, तरवां में 3, जीयनपुर में 10, महराजगंज में 2, बिलरियागंज में 1, रौनापार में 3, अतरौलिया में 13, अहरौला में 25, कप्तानगंज में 2, फूलपुर में 41, पवई में 34, सरायमीर में 8, और दीदारगंज में 24 मुकदमे दर्ज किए गए हैं। जिले के एसपी ने बताया कि इस मामले की जांच की जा रही है और जांच के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

उत्तर प्रदेश: भाजपा ने घोषित किए जिला अध्यक्ष, कई नए, कई पुरानों को मौका

लखनऊ (एजेंसी)। लंबे इंतजार के बाद भारतीय जनता पार्टी ने रविवार को उत्तर प्रदेश के जिला अध्यक्षों की घोषणा कर दी। पार्टी ने कई जिलों में अध्यक्ष बदले हैं, जबकि कई पुराने चेहरों को बरकरार रखा गया। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद और प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र चौधरी ने सभी नवनियुक्त जिलाध्यक्षों को बधाई दी है।

रामपुर जिले से हरीश गगवार, मुरादाबाद जिला से आकाश पाल, मुरादाबाद महानगर से गिरीश मांडूला, बिजनौर से भूपेंद्र सिंह चौहान, सहारनपुर महानगर से शीतल बिश्नोई, मुजफ्फरनगर से सुधीर सैनी, मेरठ महानगर से विवेक रस्तोगी, गाजियाबाद महानगर से मयंक गोयल, गाजियाबाद जिला से चैन पाल सिंह, नोएडा महानगर से महेश चौहान, गौतमबुद्ध नगर से अभिषेक शर्मा, संभल से हरेंद्र चौधरी, बुलंदशहर से विकास चौहान, कानपुर महानगर उत्तर से अनिल दीक्षित, कानपुर महानगर दक्षिण से शिवराम सिंह चौहान, कानपुर से रेणुका सचान, कानपुर देहात से उपेन्द्र नाथ पासवान और इटावा से अरुण कुमार गुप्ता को जिलाध्यक्ष बनाया गया है।

वहीं, कन्नौज से वीर कुमार सिंह भदौरिया, फर्रुखाबाद से फतेहचंद वर्मा, औरैया से सर्वेश कठेरिया, झांसी जिला से प्रदीप पटेल, बांदा से कल्लू राजपूत, महोबा से मोहनलाल कुशवाहा, चित्रकूट से महेंद्र कोटार्य, लखनऊ जिला से विजय मौर्य, लखनऊ महानगर से आनंद द्विवेदी, रायबरेली से बुद्धि लाल पासी, हरदोई से अजीत सिंह बब्बन, बलरामपुर से रवि मिश्रा, बहराइच से बृजेश पांडे, गोंडा से अमर किशोर कश्यप, श्रावस्ती से मिश्रीलाल वर्मा, उन्नाव से अनुराग अवस्थी, वाराणसी से प्रदीप अग्रहरि, गाजीपुर से ओमप्रकाश राय, प्रतापगढ़ से आशीष श्रीवास्तव, भदोही से दीपक मिश्रा, मछली शहर से अजय कुमार सिंह, सुल्तानपुर से सुशील त्रिपाठी, प्रयागराज गंगापर से निर्मला पासवान, प्रयागराज यमुना पार से राजेश शुक्ला, प्रयागराज महानगर से संजय गुप्ता और सोनभद्र से नंदलाल गुप्ता को संबंधित जिलों की जिम्मेदारी दी गई है।

गोरखपुर से जनार्दन तिवारी, गोरखपुर महानगर से देवेश श्रीवास्तव, आजमगढ़ से ध्रुव कुमार सिंह, लालगंज से विनोद राजभर, संत कबीर नगर से नीतू सिंह, महाराजगंज से अशोक उर्फ संजय पांडे, मऊ से रामाश्रय मौर्य, कुशीनगर से दुर्गेश राय, बस्ती से विवेकानंद मिश्रा, बलिया से संजय मिश्रा, आगरा से प्रशांत पैनिया, आगरा महानगर से राजकुमार गुप्ता, मथुरा से निर्भय पांडे, मथुरा महानगर से हरिशंकर राजू यादव, फिरोजाबाद महानगर से सतीश दिवाकर, मैनपुरी से ममता राजपूत, कासगंज से नीरज शर्मा, बरेली जिला से सोमपाल शर्मा, बरेली महानगर से अधीर सक्सेना, आंवला से आदेश प्रताप सिंह, शाहजहांपुर जिला से कृष्णचंद्र मिश्रा, शाहजहांपुर महानगर से शिल्पी गुप्ता और बदायूं से राजीव कुमार गुप्ता जिला अध्यक्ष बने हैं।

मुख्यमंत्री ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, 'उत्तर प्रदेश में भारतीय जनता पार्टी के सभी नवनियुक्त जिला एवं महानगर अध्यक्ष गण को हार्दिक बधाई। पूर्ण विश्वास है कि आप सभी भाजपा की नीतियों और सिद्धांतों का पालन करते हुए संगठन को और अधिक मजबूत करेंगे और उत्तर प्रदेश में प्रधानमंत्री जी के सुरक्षा एवं सुशासन के अभियान को आगे बढ़ाने में अपना योगदान देंगे।'

उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने सोशल मीडिया पर बधाई देते हुए विश्वास व्यक्त किया कि सभी जिलाध्यक्ष अपनी कर्मठता, कार्यकुशलता और अटूट समर्पण से पार्टी संगठन को और अधिक सशक्त बनाएंगे तथा पूर्ण निष्ठा और दृढ़ इच्छाशक्ति के साथ अपने दायित्वों का निर्वहन करेंगे। भाजपा की विचारधारा, संगठन की शक्ति और राष्ट्रहित के प्रति हमारी प्रतिबद्धता ही हमें विजय की ओर अग्रसर करती है। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र चौधरी ने सभी नए जिला अध्यक्षों को बधाई देते हुए विश्वास जताया कि वे संगठन की नीतियों को जन-जन तक पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका सुनिश्चित करने के साथ ही संगठन को निचले स्तर तक मजबूती प्रदान करने के लिए दृढ़ संकल्पित होकर अपने दायित्वों का निर्वहन करेंगे।

गांधी इंटर कॉलेज दुजाना का 77वां वार्षिकोत्सव धूमधाम से संपन्न, सांसद डॉ. महेश शर्मा ने दी शिक्षा को नई दिशा

फ्यूचर लाइन टाईम्स-दुजाना। शनिवार को गांधी इंटर कॉलेज दुजाना में 77वां वार्षिकोत्सव बड़े ही धूमधाम और उत्साह के साथ मनाया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि गौतमबुद्ध नगर के सांसद डॉ. महेश शर्मा रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता सतेंद्र सिसोदिया ने की, जबकि विशिष्ट अतिथि के रूप में दादरी विधायक तेजपाल नागर, श्रीचंद शर्मा एवं जिला पंचायत अध्यक्ष अमित चौधरी उपस्थित रहे।

विद्यालय के विकास हेतु सभी जनप्रतिनिधियों ने अपनी निधि से कुल 31 लाख रुपये देने की घोषणा की। समाजसेवी बलराज भाटी तिलपता ने भी विद्यालय के विकास में सहयोग करते हुए 1 लाख 11 हजार रुपये की राशि भेंट की। सांसद डॉ. महेश शर्मा ने अपने संबोधन में शिक्षा के महत्व को रेखांकित करते हुए विद्यार्थियों को ज्ञान के साथ संस्कारवान बनने की प्रेरणा दी। उन्होंने कहा कि शिक्षा ही समाज को उन्नति के मार्ग पर अग्रसर कर सकती है और बच्चों को देश का भविष्य बताया।

इस अवसर पर नागर क्लब दुजाना द्वारा शूटिंग बॉल के राष्ट्रीय प्रतियोगिता में चयनित खिलाड़ियों को सम्मानित किया गया। विद्यालय के प्रधानाचार्य सुनील नागर ने वार्षिक रिपोर्ट प्रस्तुत करते हुए शैक्षिक और खेल उपलब्धियों पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम का संचालन डॉ. अजीत नागर ने कुशलता पूर्वक किया।

समारोह में क्षेत्र के अनेक गणमान्य व्यक्ति भी उपस्थित रहे, जिनमें प्रधान ब्रह्म सिंह नागर, महाराज सिंह नागर. ब्रह्मा सिंह नागर, हरेंद्र नागर, पवन नागर, बबलू बाबा, महीपाल नागर, राजू दरोगा,उप्पी नागर, संजीव चौधरी, ईश्वर शर्मा,सुभाष शर्मा ,मनवीर नागर, यशवीर नागर, ऋषिपाल नागर, उपेंद्र नागर, हरीश नागर, राजकुमार आर्य, ओमवीर आर्य एडवोकेट, मदन पांचाल,आकाश नागर, रमेश बंसल,अजय भाटी, सुखबीर नागर, अनिल नेता जी, अनिल शर्मा, सन्नी नागर, मोनू नागर, प्रवीण नागर, निरज नागर,संसार नागर, अजेन्द्र नागर एवं उदय नागर प्रमुख रूप से शामिल रहे। कार्यक्रम के अंत में विद्यालय परिवार ने सभी अतिथियों का आभार व्यक्त किया और क्षेत्र के विकास में निरंतर सहयोग का संकल्प दोहराया।

अरिंदम सिसोदिया ने गांव का नाम रोशन किया

फ्यूचर लाइन टाईम्स-नोएडा। ग्रेटर नोएडा के दादरी क्षेत्र के बिसाहड़ा गांव की बेटी अरिंदम सिसोदिया ने भारतीय सेना में लेफ्टिनेंट बनकर अपने गांव और क्षेत्र का नाम रोशन किया है। उनकी इस उपलब्धि से पूरे गांव में खुशी की लहर दौड़ गई है।लेफ्टिनेंट बनने के बाद जब अरिंदम सिसोदिया अपने गांव पहुंचीं, तो ग्रामीणों ने उनका ढोल-नगाड़ों के साथ भव्य स्वागत किया। जिला पंचायत सदस्य मनोज सिसोदिया, ग्राम प्रधान नरेंद्र फौजी और गांव के बुजुर्गों और महिलाओं ने उन्हें फूलों की माला पहनाकर बधाई दी।अरिंदम सिसोदिया के परिवार ने विभिन्न क्षेत्रों में अपनी उल्लेखनीय उपलब्धियों से समाज में एक विशिष्ट स्थान बनाया है। उनके पिता अभय प्रताप सिसोदिया पूर्व वायु सैनिक हैं और वर्तमान में जयपुर मेट्रो में कार्यरत हैं। उनकी मां इंदु सिसोदिया एक कुशल गृहिणी हैं।

परिवार की शिक्षा के प्रति प्रतिबद्धता का अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि उनकी बहन मानसी सिसोदिया पीएचडी कर रही हैं। परिवार की एक अन्य सदस्य कविता सिसोदिया युवाओं को शिक्षा के क्षेत्र में मार्गदर्शन प्रदान कर रही हैं और बिसाहड़ा में कोचिंग चलाती हैं।सिसोदिया परिवार के स्वर्गीय सदस्य श्री एमके सिसोदिया एक प्रतिष्ठित अधिवक्ता थे। जिन्होंने समाज में न्याय के लिए अपना जीवन समर्पित कर दिया।अरिंदम सिसोदिया की उपलब्धि से न केवल उनके परिवार बल्कि पूरे गांव और क्षेत्र में गर्व का माहौल है। उनकी सफलता युवाओं के लिए प्रेरणा का स्रोत है। बिसाहडा गांव की मिथिलेश वकील साहब की पोती अरिंदम सिसोदिया ने लेफ्टिनेंट पद पर देश की सेवा करने का अवसर मिला है। ओर सभी को गर्व है। जो अपनी ट्रेनिंग कंप्लीट कर के अपने गांव बिसाहडा में पहली बार आने पर सभी गांवों वासियों ने धूम धाम से स्वागत किया। गांव प्रधान नरेंद्र शिशोदिया ने कहा कि गांव व क्षेत्र के लिए बहन अरिंदम सिसोदिया प्रेरणा का स्रोत बनी। प्रधान जी ने कहा कि बेटियां अब किसी से कम नहीं है।इस अवसर पर गांव के सभी सम्मानित लोग उपस्थित रहे।

पानी के छींटे पड़ने पर दो पक्षों में विवाद, चाकू के बट से हमला, पुलिस ने दो आरोपियों को किया गिरफ्तार

फ्यूचर लाइन टाईम्स-गौतमबुद्धनगर : नोएडा के थाना सेक्टर-126 क्षेत्र के रायपुर गांव में मामूली कहासुनी ने विवाद का रूप ले लिया, जब सड़क पर पानी डालने के दौरान एक पक्ष पर छींटे पड़ गए। इस बात को लेकर दोनों पक्षों के बीच बहस शुरू हो गई, जो जल्द ही हाथापाई में बदल गई। झगड़े के दौरान एक युवक पर सब्जी काटने वाले चाकू के पीछे लगी लकड़ी के बट से हमला किया गया, जिससे उसे चोट आई।

थाना प्रभारी भूपेंद्र सिंह ने जानकारी देते हुए बताया कि घटना की सूचना मिलते ही थाना सेक्टर-126 पुलिस तुरंत हरकत में आई और मौके पर पहुंचकर स्थिति को नियंत्रित किया। पुलिस ने इस मामले में कार्रवाई करते हुए दो आरोपियों अश्वनी चौहान और मोनू चौहान, पुत्रगण राजकुमार, निवासी ग्राम रायपुर नोएडा को गिरफ्तार कर लिया। उन्होंने बताया कि कि दोनों पक्षों के बयान दर्ज किए जा रहे हैं और अन्य आवश्यक कानूनी कार्रवाई की जा रही है। इस विवाद में घायल हुए लोगों को प्राथमिक उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

करणी सेना ने मनाया होली मिलन समारोह

फ्यूचर लाइन टाईम्स-ग्रेटर नोएडा : रविवार को ग्रेटर नोएडा के सेक्टर डेल्टा 1 स्थित सामुदायिक भवन में श्री राजपूत करणी सेना के प्रदेश अध्यक्ष ठाकुर धीरज सिंह के निर्देशन में होली मिलन समारोह का आयोजन किया साथ ही संगठन के संस्थापक स्व. लोकेंद्र सिंह कालवी की पुण्यतिथि मनायी। सभी मौजूद लोगों ने आपस में फूलों से होली खेली और एक दूसरे को शुभकामनाएं दी। धीरज सिंह ने बताया क्षत्रिय समाज के लोगों को एकजुट और जागरूक रहने की आवश्यकता है आज राजनीतिक दृष्टिकोण से देखा जाए तो क्षत्रिय समाज की उपेक्षा की जा रही है। उन्होंने 9 मई को महाराणा प्रताप जयंती के अवसर पर क्षत्रिय समाज का गौतम बुद्ध नगर में एक राष्ट्र स्तर का कार्यक्रम करने का एलान किया। जिसमें क्षत्रिय समाज के डबल्यू डबल्यू ई के अध्यक्ष ब्रजभूषण शरण सिंह और रघुराज प्रताप सिंह उर्फ.राजा भैया जैसे महान शख्सियतों को शामिल किया जाएगा। जिस कार्यक्रम की तैयारियाँ जल्दी शुरू कर दी जाएगी। कार्यक्रम में आनंद वर्धन सिंह चंदेल ने अपने संबोधन में क्षत्रिय को एकजुट होने पर बल दिया। सभा का संचालन संगठन के प्रदेश महासचिव डॉ सतेंद्र चौहान और जिला अध्यक्ष अमरीश चौहान ने किया। मौके पर ठाकुर आलोक सिंह, कृष्ण कुमार सिंह व्यवसायी, करणी सेना के प्रदेश उपाध्यक्ष गोपालदेव रावल, बबलू रावल, जिला उपाध्यक्ष राम अवतार सोलंकी, अनूप सिंह राठौड़, राष्ट्रीय मीडिया प्रभारी दलवीर सिंह शिशोदिया, सुभाष चौहान, भाकियू के राष्ट्रीय अध्यक्ष सत्यभान चौहान, डॉ हरि सिंह शेखावत, कवयित्री अंजली शिशोदिया, भाजपा की नेता ज्योति सिंह, विनोद भाटी, विक्रम भाटी, पवन भाटी आदि सैंकड़ों सम्मानित लोग मौजूद रहे।

एक्टिव एनजीओ होली मिलन समारोह में नोएडा की सामाजिक संस्थाओं ने बांधा समा

फ्यूचर लाइन टाईम्स-नोएडा। नोएडा के एक्टिव एनजीओ ग्रुप द्वारा शीरोज हैंगआउट, नोएडा स्टेडियम में होली मिलन समारोह का भव्य आयोजन किया गया। इस आयोजन में नोएडा की 40 से ज्यादा एनजीओ ने भाग लिया और अपने सहयोग एवं समर्पण का बेहतरीन उदाहरण पेश किया।इस कार्यक्रम में एनजीओ पदाधिकारियों और सामाजिक कार्यकताओं व सोमेश्वर शर्मा, सपना भटनागर, विक्की यादव ने भी अपनी गीत संगीत, ठाहकों की प्रस्तुतियों से समा बांधा। सभी संगठनों ने समाज सेवा के प्रति अपने विचार साझा किए और भविष्य में एकजुट होकर कार्य करने की प्रतिबद्धता जताई इसके साथ प्रेरणादायक संवादों के माध्यम से सामाजिक सरोकारों को मजबूती देने पर जोर दिया गया।उपस्थित गणमान्य व्यक्तियों ने समाज सेवा के प्रति अपने विचार साझा किए और भविष्य में एकजुट होकर कार्य करने की प्रतिबद्धता जताई इसके साथ प्रेरणादायक संवादों के माध्यम से सामाजिक सरोकारों को मजबूती देने पर जोर दिया गया।उपस्थित गणमान्य व्यक्तियों ने सामाजिक कार्यों में सक्रिय भागीदारी की सराहना की और ऐसे आयोजनों को समाज के लिए आवश्यक बताया।एक्टिव एनजीओ ग्रुप ने इस कार्यक्रम के माध्यम से समाज के हित में कार्य करने वाले संगठनों को एक मंच प्रदान किया, जिससे परस्पर सहयोग और समन्वय को बढ़ावा मिल सके।ग्रुप के एडमिन डॉ अशोक श्रीवास्तव एवं डॉ. रंजन तोमर के सुन्दर आयोजन में महेश सक्सेना, डॉ. वीएस चौहान, विपिन मल्हन, के के जैन, प्रोफसर राजेश सहाय, मनीष गुप्ता, शैल माथुर, मीनाक्षी त्यागी, डॉ. कल्पना भूषण, रेखा चौहान, बन्दना झा, डॉ. श्वेता त्यागी, गौत्तम ऋषि, संजय सिन्हा, जुगल किशोर, प्रिंस शर्मा, अविनाश सिंह, अलोक मिश्रा, आर. एन. श्रीवास्तव, मुकुल वाजपेयी,रेनू बाला शर्मा, प्रिया कुमार,ए.वी मुरलीधरन, इत्यादि उपस्थित रहे।

भाजपा से अभिषेक शर्मा जिलाध्यक्ष व महेश चौहान बने नोएडा अध्यक्ष

फ्यूचर लाइन टाईम्स-नोएडा। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने उत्तर प्रदेश में अपने संगठन को मजबूत करने के लिए विभिन्न जिलों और महानगरों में नए अध्यक्षों की घोषणा की है।इसी क्रम में गौतमबुद्ध नगर का जिला अध्यक्ष अभिषेक शर्मा को बनाया गया है, जबकि नोएडा महानगर अध्यक्ष की जिम्मेदारी महेश चौहान को सौंपी गयी।भाजपा संगठन में इस नए नेतृत्व की घोषणा होते ही पूरे गौतमबुद्ध नगर और नोएडा में कार्यकताओं और समर्थकों के बीच खुशी की लहर दौड़ पड़ी।पार्टी के वरिष्ठ नेताओं और स्थानीय दिग्गजों ने दोनों नवनियुक्त अध्यक्षों को बधाइयां दीं और विश्वास जताया कि उनके नेतृत्व में भाजपा और अधिक सशक्त होगी।

ग्रेटर नोएडा में दिनांक 17 से 23 मार्च 2025 तक

फ्यूचर लाइन टाईम्स-ग्रेटर नोएडा। प्राचीन भारत की ज्ञान सम्पदा और निःशुल्क आयुर्वेदिक चिकित्सा को समर्पित भागवत कथा का आयोजन डेल्टा वन, ग्रेटर नोएडा के कम्यूनिटी सेंटर में किया जा रहा है। आयोजन समिति के महामंत्री श्री प्रमोद चौहान ने बताया कि दिनांक 17 मार्च को प्रातः 10 बजे कथास्थल से एक भव्य कलश यात्रा ग्रेटर नोएडा में निकाली जायेगी जिसमें लगभग 250 महिला रहेंगी। कलश यात्रा की मुख्य संयोजिका सरोज तोमर ने बताया कि यात्रा में कथा के संरक्षक मंडल में संजय सूदन, ओम प्रकाश अग्रवाला, कुलदीप शर्मा, मुख्य यजमान एवं आयोजन समिति के अध्यक्ष नरेश गुप्ता, उपाध्यक्ष मनोज सिंघल, कोषाध्यक्ष कपिल कृष्णा, संयुक्त महामंत्री नवीन जिंदल, शरद त्यागी व समस्त दैनिक यजमान रहेंगे। समिति के मीडिया प्रभारी मुकुल गोयल ने बताया कि भारतीय धरोहर के संगठन मंत्री प्रवीण शर्मा एवं महामंत्री विजय शंकर तिवारी राष्ट्रीय प्रवक्ता, विश्व हिन्दू परिषद भी उपस्थित रहेंगे। ज्ञात हो कि यह आयोजन भारतीय धरोहर विचार मण्डल, ग्रेटर नोएडा के द्वारो कियो जो रहो है।

राजपूत करणी सेना द्वारा होली मिलन समारोह का आयोजन, कालवी साहब को अर्पित की श्रद्धांजलि

फ्यूचर लाइन टाईम्स

नग्रेटर नोएडा। श्री राजपूत करणी सेना ने जिला अध्यक्ष अमरीश चौहान की अगुवाई में भव्य होली मिलन समारोह का आयोजन किया। इस शुभ अवसर पर फूलों की होली खेली गई, जिसमें समाज के गणमान्य सदस्यों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया और आपसी भाईचारे व एकता का संदेश दिया। इस समारोह में स्वर्गीय श्री कालवी साहब की पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि अर्पित की गई। करणी सेना के सदस्यों ने उनके समाज सुधार और वीरता के कार्यों को याद किया और उनके पदचिह्नों पर चलने का संकल्प लिया। समारोह में मौजूद मुख्य अतिथि आनंद चंदेल.ने राजपूत समाज की एकता और सशक्तिकरण पर विचार रखे और संगठन को और मजबूत करने का आह्वान किया। कार्यक्रम के दौरान देवेन्द्र चौहान और कवियत्री अंजलि सिसौदिया द्वारा संस्कृतिक प्रस्तुतियाँ, भजन संध्या और पारंपरिक रास-गर्वा का आयोजन भी किया गया, जिसने माहौल को उल्लासमय बना दिया।श्री राजपूत करणी सेना के जिला अध्यक्ष श्री अमरीश चौहान ने समाज के सभी सदस्यों को इस आयोजन में सम्मिलित होने के लिए धन्यवाद दिया

एक्टिव एन जी ओ होली मिलन समारोह में नोएडा की सामाजिक संस्थाओं ने बांधा समा

फ्यूचर लाइन टाईम्स-नोएडा। के एक्टिव एनजीओ ग्रुप द्वारा शीरोज हैंगआउट, नोएडा स्टेडियम में होली मिलन समारोह का भव्य आयोजन किया गया। इस आयोजन में नोएडा की 40 से ज्यादा एनजीओ ने भाग लिया और अपने सहयोग एवं समर्पण का बेहतरीन उदाहरण पेश किया.इस कार्यक्रम में एनजीओ पदाधिकारियों और सामाजिक कार्यकताओं व सोमेश्वर शर्मा, सपना भटनागर, विक्की यादव ने भी अपनी गीत संगीत, ठाहकों की प्रस्तुतियों से समा बांधा। सभी संगठनों ने समाज सेवा के प्रति अपने विचार साझा किए और भविष्य में एकजुट होकर कार्य करने की प्रतिबद्धता जताई इसके साथ प्रेरणादायक संवादों के माध्यम से सामाजिक सरोकारों को मजबूती देने पर जोर दिया गया। उपस्थित गणमान्य व्यक्तियों ने सामाजिक कार्यों में सक्रिय भागीदारी की सराहना की और ऐसे आयोजनों को समाज के लिए आवश्यक बताया।एक्टिव एनजीओ ग्रुप ने इस कार्यक्रम के माध्यम से समाज के हित में कार्य करने वाले संगठनों को एक मंच प्रदान किया, जिससे परस्पर सहयोग और समन्वय को बढ़ावा मिल सके।

ग्रुप के एडमिन डॉ अशोक श्रीवास्तव एवं डॉ. रंजन तोमर के सुन्दर आयोजन में श्री महेश सक्सेना, डॉ. वी एस चौहान, विपिन मल्हन, के के जैन, प्रोफसर राजेश सहाय, मनीष गुप्ता, शैल माथुर, मीनाक्षी त्यागी, डॉ. कल्पना भूषण, रेखा चौहान, बन्दना झा, डॉ. श्वेता त्यागी, गौत्तम ऋषि, संजय सिन्हा, जुगल किशोर, प्रिंस शर्मा, अविनाश सिंह, अलोक मिश्रा, आर. एन. श्रीवास्तव, मुकुल वाजपेयी, रेनू बाला शर्मा, प्रिया कुमार, ए. वी मुरलीधरन, इत्यादि उपस्थित रहे।

संयुक्त किसान मोर्चा ने 19 मार्च को जीरो प्वाइंट पर होने वाली विशाल किसान महापंचायत ऐलान किया

फ्यूचर लाइन टाईम्स

ग्रेटर नोएडा। संयुक्त किसान मोर्चा SKM के सभी 14 किसान संगठनों के नेताओं ने दनकौर के डूंगरपुर-रीलका गांव स्थित किसान एकता महासंघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष रमेश कसाना के आवास पर 19 मार्च को जीरो प्वाइंट पर होने वाली विशाल किसान महापंचायत को सफल बनाने के लिए समीक्षा मीटिंग कर 10% प्लॉट एवं नए कानून के सभी तय कराने के लिए आर पार के आन्दोलन की घोषणा की।

संयुक्त किसान मोर्चा एस.के.एम. के सभी घटक किसान संगठनों के नेताओं ने आज दिनांक 16 मार्च 2025 को ग्रेटर नोएडा के दनकौर क्षेत्र स्थित डूंगरपुर-रीलका गांव में किसान एकता महासंघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष रमेश कसाना के आवास पर 19 मार्च 2025 को यमुना एक्सप्रेस वे के जीरो प्वाइंट पर होने वाली विशाल किसान महापंचायत की तैयारियों की समीक्षा मीटिंग की जिसमें संयुक्त किसान मोर्चा के सभी घटक किसान संगठनों भाकियू टिकैत, भाकियू महात्मा टिकैत, भाकियू मंच, भाकियू भानु, भाकियू अजगर, भाकियू कृषक शक्ति, भाकियू सम्पूर्ण भारत, भाकियू अखण्ड, भाकियू एकता, किसान एकता महासंघ , किसान मजदूर संघर्ष मोर्चा, किसान बेरोजगार सभा और जय जवान जय किसान मोर्चा आदि सभी 14 संगठनों के निर्णायक मण्डल ने भाग लिया। सभी संगठनों द्वारा बड़ी संख्या में भूमिधर एवं भूमिहीन किसानों , महिलाओं और युवाओं को महापंचायत में लाने की घोषणा की गई। संयुक्त किसान मोर्चा की ओर से जारी बयान में पुराने 1894 के कानून के तहत जमीन लिए जाने से प्रभावित जनपद की सभी परियोजनाओं से प्रभावित किसानों को एक समान नीति के तहत 10% प्लॉट एवं 64.7% प्रतिकर आदि के लाभ दिए जाने तथा 1 जनवरी 2014 से देश में नया भूमि अधिकरण कानून लागू होने के बाद जमीन दिए जाने से प्रभावित सभी किसानों को बाजार दर का 4 गुना मुआवजा, 20% प्लॉट एवं सभी भूमिधर और भूमिहीन किसानों को रोजगार एवं पुनर्वास आदि के सभी लाभ दिए जाने तथा साथ ही आबादियों का निस्तारण किए जाने की मांग को लेकर आर-पार के आंदोलन की घोषणा की।महापंचायत में नोएडा, ग्रेटर नोएडा एवं यमुना विकास प्राधिकरण के अलावा NTPC, UPSIDA की शिवनाडार फाउंडेशन, अंबुजा बिरला सीमेंट फाउंडेशन तथा ऐक्षर आदि परियोजनाओं तथा ठलअक की ईस्टर्न पेरीफेरल, दादरी बाईपास, ग्रीनफील्ड एक्सप्रेस वे आदि योजनाओं, जेवर एयरपोर्ट, रेलवे की डीएफसीसी, डीएमआईसी परियोजनाओं और अंसल बिल्डर हाईटेक वेव सिटी बिल्डर, जे पी बिल्डर और सेतु निगम तथा बिजली पानी आदि परियोजनाओं से प्रभावित सभी किसानों को उक्त सभी लाभ दिलाने के लिए संयुक्त किसान मोर्चा आर पार का आन्दोलन 19 मार्च 2025 को फिर से शुरू करेगा।आज हुई पंचायत की अध्यक्षता राजे प्रधान द्वारा तथा संचालन मोर्चा के संयोजक सुनील फौजी एडवोकेट द्वारा किया गया।

ट्रम्प प्रशासन के टैरिफ सम्बंधी निर्णयों से कैसे निपटे भारत

प्रहलाद सबनानी

ट्रम्प प्रशासन द्वारा टैरिफ को बढ़ाए जाने सम्बंधी लिए जा रहे निर्णयों का भारत के लिए स्वर्णिम अवसर भी बन सकता है। क्योंकि, भारतीय जब भी दबाव में आते हैं तब तब वे अपने लिए बेहतर उपलब्धियां हासिल कर लेते हैं। इतिहास इसका गवाह है, कोविड महामारी के खंडकाल में भी भारत ने दबाव में कई उपलब्धयां हासिल की थीं। भारत ने कोविड के खंडकाल में 100 से अधिक देशों को कोविड बीमारी से सम्बंधित दवाईयां एवं टीके निर्यात करने में सफलता हासिल की थी।

ट्रम्प प्रशासन अमेरिका में विभिन्न उत्पादों के हो रहे आयात पर टैरिफ की दरों को लगातार बढ़ाते जाने की घोषणा कर रहा है क्योंकि ट्रम्प प्रशासन के अनुसार इन देशों द्वारा अमेरिका से किए जा रहे विभिन्न उत्पादों के आयात पर ये देश अधिक मात्रा में टैरिफ लगाते हैं। चीन, कनाडा एवं मेक्सिको से अमेरिका में होने वाले विभिन्न उत्पादों के आयात पर तो टैरिफ को बढ़ा भी दिया गया है। इसी प्रकार भारत के मामले में भी ट्रम्प प्रशासन का मानना है कि भारत, अमेरिका से आयातित कुछ उत्पादों पर 100 प्रतिशत तक का टैरिफ लगाता है अतः अमेरिका भी भारत से आयात किए जा रहे कुछ उत्पादों पर 100 प्रतिशत का टैरिफ लगाएगा। इस संदर्भ में हालांकि केवल भारत का नाम नहीं लिया गया है बल्कि 'टिट फोर टेट' एवं 'रेसिप्रोकल' आधार पर कर लगाने की बात की जा रही है और यह समस्त देशों से अमेरिका में हो रहे आयात पर लागू किया जा सकता है एवं इसके लागू होने की दिनांक भी 2 अप्रेल 2025 तय कर दी गई है। इस प्रकार की नित नई घोषणाओं का असर अमेरिका सहित विभिन्न देशों के पूंजी (शेयर) बाजार पर स्पष्टतः दिखाई दे रहा है एवं शेयर बाजारों में डर का माहौल बन गया है।

भारत ने वर्ष 2024 में अमेरिका को लगभग 74,000 करोड़ रुपए की दवाईयों का निर्यात किया है। 62,000 करोड़ रुपए के टेलिकॉम उपकरणों का निर्यात क्या है, 48,000 करोड़ रुपए के पर्ल एवं प्रेशस स्टोन का निर्यात किया है, 37,000 करोड़ रुपए के पेट्रोलीयम उत्पादों का निर्यात किया है, 30,000 करोड़ रुपए के स्वर्ण एवं प्रेशस मेटल का निर्यात किया है, 26,000 करोड़ रुपए की कपास का निर्यात किया है, 25,000 करोड़ रुपए के इस्पात एवं अल्यूमिनियम उत्पादों का निर्यात किया है, 23,000 करोड़ रुपए सूती कपड़े का निर्यात का किया है, 23,000 करोड़ रुपए की इलेक्ट्रिकल मशीनरी का निर्यात किया है एवं 22,000 करोड़ रुपए के समुद्रीय उत्पादों का निर्यात किया है। इस प्रकार, विदेशी व्यापार के मामले में अमेरिका, भारत का सबसे बड़ा साझीदार है।

अमेरिका अपने देश में विभिन्न वस्तुओं के आयात पर टैरिफ लगा रहा है क्योंकि अमेरिका को ट्रम्प प्रशासन एक बार पुनः वैभवशाली बनाना चाहते हैं परंतु इसका अमेरिकी अर्थव्यवस्था पर ही विपरीत प्रभाव होता हुआ दिखाई दे रहा है। अमेरिकी बैंकों के बीच किए गए एक सर्वे में यह तथ्य उभरकर सामने आया है कि यदि अमेरिका में विभिन्न उत्पादों के आयात पर टैरिफ इसी प्रकार बढ़ाते जाते रहे तो अमेरिका में आर्थिक मंदी की सम्भावना बढ़कर 40 प्रतिशत के ऊपर पहुंच सकती है, जो हाल ही में जे पी मोर्गन द्वारा 31 प्रतिशत एवं गोल्डमैन सैचस 24 प्रतिशत बताई गई थी।

इसके साथ ही, ट्रम्प प्रशासन के टैरिफ सम्बंधी निर्णयों की घोषणा में भी एकरूपता नहीं है। कभी किसी देश पर टैरिफ बढ़ाने के घोषणा की जा रही है तो कभी इसे वापिस ले लिया जा रहा है, तो कभी इसके लागू किए जाने के समय में परिवर्तन किया जा रहा है, तो कभी इसे लागू करने की अवधि बढ़ा दी जाती है। कुल मिलाकर, अमेरिकी पूंजी बाजार में सधे हुए निर्णय होते हुए दिखाई नहीं दे रहे हैं इससे पूंजी बाजार में निवेश करने वाले निवेशकों का आत्मविश्वास टूट रहा है। और, अंततः इस सबका असर भारत सहित अन्य देशों के पूंजी (शेयर) बाजार पर पड़ता हुआ भी दिखाई दे रहा है।

हालांकि, ट्रम्प प्रशासन द्वारा टैरिफ को बढ़ाए जाने सम्बंधी लिए जा रहे निर्णयों का भारत के लिए स्वर्णिम अवसर भी बन सकता है। क्योंकि, भारतीय जब भी दबाव में आते हैं तब तब वे अपने लिए बेहतर उपलब्धियां हासिल कर लेते हैं। इतिहास इसका गवाह है, कोविड महामारी के खंडकाल में भी भारत ने दबाव में कई उपलब्धयां हासिल की थीं। भारत ने कोविड के खंडकाल में 100 से अधिक देशों को कोविड बीमारी से सम्बंधित दवाईयां एवं टीके निर्यात करने में सफलता हासिल की थी।

विदेशी व्यापार के मामले में चीन, कनाडा एवं मेक्सिको अमेरिका के बहुत महत्वपूर्ण भागीदार हैं। वर्ष 2021-22 के आंकड़ों के अनुसार, उक्त तीनों देश लगभग 65,000 करोड़ अमेरिकी डॉलर का व्यापार प्रतिवर्ष अमेरिका के साथ करते हैं। इसके बावजूद अमेरिका ने उक्त तीनों के साथ व्यापार युद्ध प्रारम्भ कर दिया है। भारत के साथ अमेरिका का केवल 11,300 करोड़ अमेरिकी डॉलर का ही व्यापार था। अब ट्रम्प प्रशासन की अन्य देशों से यह अपेक्षा है कि वे अमेरिकी उत्पादों के आयात पर टैरिफ कम करे अथवा अमेरिका भी इन देशों से हो रहे विभिन्न उत्पादों पर उसी दर से टैरिफ वसूल करेगा, जिस दर पर ये देश अमेरिका से आयातित उत्पादों पर वसूलते हैं। यह सही है कि भारत अमेरिका से आयातित वस्तुओं पर अधिक टैरिफ लगाता है क्योंकि भारत अपने किसानों और व्यापारियों को बचाना चाहता है। भारत में कृषि क्षेत्र के उत्पादों पर 25 से 100 प्रतिशत तक आयात कर लगाया जाता है जबकि कृषि क्षेत्र के अतिरिक्त अन्य उत्पादों पर कर की मात्रा बहुत कम हैं। भारत ने विनिर्माण एवं अन्य क्षेत्रों में उत्पादकता बढ़ा ली है परंतु कृषि क्षेत्र में अभी भी अपनी उत्पादकता बढ़ाना है। हाल ही के समय में भारत ने कई उत्पादों के आयात पर टैरिफ की दर घटाई भी है।

भारत के साथ दूसरी समस्या यह भी है कि यदि भारत आयातित उत्पादों पर टैरिफ कम करता है तो भारत में इन उत्पादों के आयात बढ़ेंगे और भारत को अधिक अमेरिकी डॉलर की आवश्यकता पड़ेगी इससे भारतीय रुपये का और अधिक अवमूल्यन होगा तथा भारत में मुद्रा स्फीति का दबाव बढ़ेगा। विदेशी निवेश भी कम होने लगेगा और अंततः भारत में बेरोजगारी बढ़ेगी। भारत में सप्लाई चैन पर दबाव भी बढ़ेगा। इन समस्त समस्याओं का हल है कि भारत अन्य देशों के साथ द्विपक्षीय व्यापार समझौते करे। परंतु, अन्य देश चाहते हैं कि द्विपक्षीय समझौतों में कृषि क्षेत्र को भी शामिल किया जाय, इसका रास्ता आपसी चर्चा में निकाला जा सकता है। अमेरिका एवं ब्रिटेन के साथ भी द्विपक्षीय व्यापार समझौते सम्पन्न करने की चर्चा तेज गति से चल रही है। हाल ही में भारत के प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी की अमेरिका यात्रा के दौरान यह घोषणा की गई थी कि भारत और अमेरिका के बीच विदेशी व्यापार को 50,000 करोड़ अमेरिकी डॉलर प्रतिवर्ष के स्तर पर लाए जाने के प्रयास किए जाएंगे। इस सम्बंध में भारत और अमेरिका के बीच द्विपक्षीय व्यापार समझौते पर तेजी से काम चल रहा है।

दूसरे, अब भारत को उद्योग एवं कृषि क्षेत्र में उत्पादकता बढ़ानी होगी। हर क्षेत्र में लागत कम करनी होगी ताकि भारत में उत्पादित वस्तुएं विश्व के अन्य देशों के साथ प्रतिस्पर्धा में खाड़ी हो सकें। भारत में रिश्वतखोरी की लागत को भी समाप्त करना होगा। भारत में निचले स्तर पर घूसखोरी की लागत बहुत अधिक है। भूमि, पूंजी, श्रम, संगठन एवं तकनीकि की लागत कम करनी होगी। कुल मिलाकर व्यवहार की लागत को भी कम करना होगा। भारतीय उद्योगों को अन्य देशों के उद्योगों के साथ प्रतिस्पर्धी बनाना ही इस समस्या का हल है ताकि भारतीय उद्योगों द्वारा निर्मित उत्पाद अन्य देशों के साथ विशेष रूप से गुणवत्ता एवं लागत के मामले में प्रतिस्पर्धा कर सकें। निजी क्षेत्र को लगातार प्रोत्साहन देना होगा ताकि निजी क्षेत्र का निवेश उद्योग के क्षेत्र में बढ़ सके। आज भारत में पूंजीगत खर्चे केवल केंद्र सरकार द्वारा ही बहुत अधिक मात्रा में किए जा रहे हैं। आज देश में हजारों टाटा, बिरला, अडानी एवं अम्बानी चाहिए। केवल कुछ भारतीय बहुराष्ट्रीय कम्पनियों से अब काम चलने वाला नहीं हैं। भारत को वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धी अर्थव्यवस्था बनाने का समय अब आ गया है।

तीसरे, मेक इन इंडिया ट्रम्प के टैरिफ युद्ध का सही जवाब है। आज भारत को सही अर्थों में 'आत्मनिर्भर भारत' बनाए जाने की सबसे अधिक आवश्यकता है। भारत के लिए केवल अमेरिका ही विदेशी व्यापार के मामले में सब कुछ नहीं होना चाहिए, भारत को अपने लिए नित नए बाजारों की तलाश भी करनी होगी। एक ही देश पर अत्यधिक निर्भरता उचित नहीं है। स्वदेशी उद्योगों को भी बढ़ावा देना ही होगा।

संपादकीय

संबंधों की नई ऊंचाई

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की दो दिवसीय मॉरीशस यात्रा से दोनों देशों के पारंपरिक, सांस्कृतिक और राजनीतिक रिश्तों को और ऊंचाई मिली है। मोदी ने मार्च 2015 में मॉरीशस की यात्रा की थी। उन्होंने इस यात्रा की स्मृतियों को याद किया। लोगों को याद रखना चाहिए कि एक दशक पहले की यात्रा के दौरान प्रधानमंत्री मोदी ने पश्चिमी हिन्द महासागर के तटीय क्षेत्रों पर स्थित द्विपीव्य राष्ट्रों के बढ़ते भू राजनीतिक मह'व को रेखांकित किया था और भारत के 'सागर' दृष्टिकोण यानी क्षेत्र में सभी के लिए सुरक्षा और विकास को उजागर किया था। वर्तमान यात्रा के दौरान उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि भारत के 'सागर' दृष्टिकोण को साकार करने के लिए मॉरीशस एक महत्त्वपूर्ण भागीदार बना हुआ है। इसी के साथ उन्होंने द्विपक्षीय संबंधों को आगे बढ़ाने में मॉरीशस सरकार के समर्थन की सराहना भी की। यह ध्यान रखने वाली बात है कि हिन्द महासागर चीन के दावे के साथ इसके विस्तार को भारत ने बहुत गंभीरता से लिया है। चीन के अलावा रूस और यूरोप के भी कुछ देश हिन्द महासागर के इलाके में अपना प्रभाव बढ़ाने की कोशिश में लगे हुए हैं। इसी कारण से भारत ने विशेष रूप से समुद्री सुरक्षा से संबंधित गठबंधनों को इस क्षेत्र के द्विपीय राष्ट्रों के साथ मजबूत किया है। प्रधानमंत्री मोदी और मॉरीशस के प्रधानमंत्री नवीनचंद्र रामगुलाम ने कहा की रक्षा और समुद्री सुरक्षा सहयोग द्विपक्षीय संबंधों का एक मह'वपूर्ण स्तंभ बना हुआ है। उन्होंने इस बात पर सहमति जताई कि स्वतंत्र, खुला, सुरक्षित और संरक्षित हिन्द महासागर क्षेत्र सुनिश्चित करने के लिए मॉरीशस और भारत की साझा प्रतिबद्धता है। दोनों देश इस क्षेत्र में स्वाभाविक साझेदार हैं और समुद्री चुनौतियों से निपटने के लिए मिलकर काम करने का संकल्प दोहराया। दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय बातचीत के बाद 8 समझौते हुए जिनमें सीमा पर लेनदेन के राष्ट्रीय मुद्राओं को बढ़ावा देना, समुद्री डाटा साझा करना और मनी लॉन्ड्रिंग पर लगाम लगाने के लिए संयुक्त कार्रवाई प्रमुख है। विभिन्न क्षेत्रों में पारस्परिक सहयोग बढ़ाने की दिशा में यह समझौते अहम भूमिका का निर्वाह करेंगे। प्रसन्नता की बात यह है कि दोनों शीर्ष नेताओं ने दोनों देशों के बीच घनिष्ठ मैत्री संबंधों को और मजबूत करने पर सहमति व्यक्त की।

चिंतन-मनन

परमात्मा का दिव्य उपहार है जीवन

मानव जीवन परमात्मा का दिव्य उपहार है। जिंदगी को जीना सीखें। कुछ लोग जिंदगी को जीते हैं, कुछ लोग काटते हैं। जिसको जीना और जाना आ गया वह जीवन में सफल हो गया। हे मनुष्य एक दिन भी जी, अटल विश्वास बनकर जी। ब्राह्मो मुहूर्ते बुध्येत, धर्मार्थौ चातुचिन्तयेत? अर्थात? व्यक्ति ब्रह्म मुहूर्त में जागे और धर्म एवं अर्थ के विषय में चिंतन करें। शास्त्रकारों ने यह कभी नहीं कहा कि व्यक्ति अथोर्पार्जन न करे। वह अथोर्पार्जन करे किंतु धर्मपूर्वक, अधर्मपूर्वक नहीं।

हमें न तो आध्यात्मिकता की उपेक्षा करनी है न भौतिक सुख सुविधाओं की है। ब्रह्म मुहूर्त में व्यक्ति जितना अच्छा चिंतन कर सकता है उतना दूसरे समय में नहीं। स्वास्थ्य की दृष्टि से भी यह सर्वोत्तम समय है। बिल कोस्बो ने इस संदर्भ में कहा है कि मुझे नहीं मालूम कि कामयाबी पाने की पुंजी क्या है, पर हर आदमी को खुश करने की कोशिश करना ही नाकामयाबी की पुंजी है।

जीवन में यदि आप सफल होना चाहते हैं तो प्रसन्न रहने की आदत डालिए, क्योंकि सफलता और प्रसन्नता का चोली दामन का साथ है। हम जो चाहें हमारे जीवन का जो लक्ष्य हो उसे पा लें यह सफलता है और जब मन चाहे लक्ष्य को पा लेंगे तो स्वभावतः प्रसन्नता का अनुभव करेंगे। हम जिंदगी को काटे नहीं, सच्चे अर्थों में जीएं। हम निरंतर परिश्रम करें। जॉन एच रोटस ने अपने संदेश में कहा है- सिर्फ जिंदगी न गुजारो-जीओ, सिर्फ छुओ नहीं महसूस करो, सिर्फ देखो नहीं गौर करो, सिर्फ पढ़ो नहीं जीवन में उतारो।

हमारा जीवन बहिमुर्खी न होकर अंतमुर्खी होना चाहिए। उसमें उथलापन नहीं, आडंबर नहीं, गंभीरता होनी चाहिए। हमारे आदर्श ऊंचे होने चाहिए और विचार सात्विक। बाहरी साज-सज्जा, शरीर की चमक दमक से कोई व्यक्ति न तो महान बन सकता है, न ही सफलता उसके चरण चूमती है।

शिक्षा और श्रम से ही होगा अल्पसंख्यकों का कल्याण

डॉ हिदायत अहमद खान

उत्तम शिक्षा सभ्य समाज की बुनियाद रखने की पहली शर्त होती है। शिक्षा ही है जो मानव को उत्तम मानव बनाती है। बगैर सामाजिक वातावरण और शिक्षा के अभाव में तो इंसान का बच्चा भी पशुओं के सदृस व्यवहार करता नजर आ जाता है। इसलिए प्रत्येक काल में शिक्षा को महत्व दिया गया। ऐसी ही शिक्षा के महत्व को प्रतिपादित करते हुए केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने एक समारोह में कहा कि अल्पसंख्यक समुदाय से अधिक इंजीनियर, आईपीएस और आईएएस अधिकारी आएंगे तो सभी प्रगति करेंगे। उन्होंने पूर्व राष्ट्रपति डॉ अब्दुल कमाल का उदाहरण देते हुए कहा कि आज हमारे सामने पूर्व राष्ट्रपति स्वर्गीय डॉ एपीजे अब्दुल कलाम का उदाहरण है। यह समझने वाली बात है कि यदि उन्हें पढ़ने का अवसर नहीं मिलता तो कुछ भी नहीं होता, शिक्षा की यही ताकत है। ऐसी शिक्षा जो इंसान को आगे बढ़ने की सोच प्रदान करती है। शिक्षा ही है जो जीवन मूल्यों को आगे बढ़ाते हुए समाज व देश को सही दिशा प्रदान करने वाले मानव का निर्माण करती है। केंद्रीय मंत्री गडकरी ने इस आशय की बातें एक दीक्षांत समारोह के दौरान कहीं और चूंकि वो धर्म, जाति और संप्रदाय की बातें सार्वजनिक तौर पर नहीं करते सो उन्होंने यहां पर भी पिछले साल हुए लोकसभा चुनाव के दौरान कही गई बात को दोहराया और कहा कि ह्यजो करेगा जात की बात, उसको मारूंगा लात।ह्न यह तो आर्षवाक्य होना चाहिए और सिर्फ राजनीति में नहीं बल्कि हर क्षेत्र में इसका ध्यान रखा जाना चाहिए, फिर चाहे वो शिक्षा के साथ निजी और सरकारी नौकरियों में भर्ती का मामला ही क्यों न हो। वैसे भी गडकरी अपने बेबाक बयानों के लिए भी जाने जाते हैं, इसलिए इस तरह की बात सुनकर भी लोगों को नहीं लगता कि वो कुछ ज्यादा बोल गए, या उनकी बात में कुछ अनुचित समाया हुआ है। जहां तक शिक्षा की बात है तो इसमें शक नहीं कि शिक्षा पर फोकस किया जाना चाहिए, लेकिन इससे पहले यह भी तय करना होगा कि शिक्षा सिर्फ बाबू और अधिकारी बनाने वाली नहीं होनी चाहिए। एक ऐसी शिक्षा की दरकार हमेशा से है और होनी भी चाहिए जो समाज कल्याणकारी मानव को निर्मित करती हो। पर अफसोस कि हमारी शिक्षा का ऊपरी ढांचा तो भारतीय नजर आता है, लेकिन उसके अंदर समायी हुई आत्मा अंग्रेजों की गढ़ी हुई है, जो अच्छा इंसान बनाने की बजाय क्लर्क तैयार करने पर विशेष जोर देती है। यह एक बात है, दूसरी बात यह कि शिक्षा और रोजगार के क्षेत्र में जो ईमानदारी आजादी के इतने सालों बाद उभरकर सामने आनी चाहिए थी, वह कहीं से भी नजर नहीं आई है। नतीजे में उच्चशिक्षित योग्य युवा दर-दर की ठोकरें खाते नजर आ जाते हैं, जबकि सिफारिशी और राजनीतिक पहुंच वाले कम योग्य व्यक्ति उच्च पदों पर सुशोभित होते देखे जा सकते हैं। इससे युवाओं में एक आक्रोश घर करता चला जा रहा है। यह क्या कम गंभीर बात है कि किसी सरकारी दफ्तर में एक क्लर्क की पोस्ट निकलती है और आवेदन करने वाले लाखों अभ्यर्थियों में डॉक्टर्स और इंजीनियर्स भी शामिल नजर आ जाते हैं। यह वाकई गंभीर चिंता का विषय है। इसके लिए महज शिक्षा प्रणाली को जिम्मेदार नहीं ठहराया जा सकता है, बल्कि उच्च स्तर पर जो अंधा बांटे रेबड़ी, और चीन्ह-चीन्ह के देय वाली कहावत चरितार्थ हो रही है, उस पर भी ध्यान देने की आवश्यकता है। जहां तक अल्पसंख्यकों को शिक्षा और समानता का अवसर उपलब्ध कराने की बात है तो अल्पसंख्यकों के कल्याण के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का नया 15 सूत्री कार्यक्रम अल्पसंख्यक कार्य मंत्रालय द्वारा कार्यान्वित किया जा रहा है। यह एक व्यापक कार्यक्रम है, जिसका लक्ष्य यह सुनिश्चित करना है कि छह केंद्रीय रूप से अधिसूचित अल्पसंख्यक समुदायों के वंचित और कमजोर वर्गों को विभिन्न सरकारी कल्याण योजनाओं का लाभ प्राप्त करने के समान अवसर मिलें और वे देश के समग्र सामाजिक-आर्थिक विकास में योगदान दें। इनमें विभिन्न छात्रवृत्तियों के साथ ही ऋण योजनाएं भी शामिल की गई हैं, ताकि अल्पसंख्यक वर्ग के लोगों की प्रगति में कोई अड़चन न आने पाए। इस प्रकार सरकार की मंशा और योजनाएं तो समाज व समुदाय के लिए कल्याणकारी होती हैं, लेकिन उनका क्रियान्वयन और प्रचार-प्रसार जमीनी हकीकत से कोसों दूर होता है। इस कारण इसके लाभार्थियों को अंगुलियों में गिना जा सकता है, जबकि इसके लाभ के आकांक्षी करोड़ों में होते हैं। इस दिशा में भी विचार करने और उचित कदम उठाने की आवश्यकता है। बहरहाल शिक्षा और रोजगार के साथ ही स्वास्थ्य के क्षेत्र में सुधार की गुंजाइश तो हर काल में रहती है, इससे इंकार नहीं किया जा सकता है। जहां तक शिक्षा का सवाल है तो किसी जाति, धर्म या संप्रदाय विशेष के लिए नहीं बल्कि प्रत्येक भारतीय के लिए यह आवश्यक है, ताकि देश व समाज बेहतर तरक्की कर सकें।

घातक होती जा रही है आतंक से वोट बटोरने की प्रथा

देश की आन्तरिक सुरक्षा व्यवस्था को नित नई चुनौतियां मिल रहीं हैं। बिहार में अररिया के बाद मुंगेर में भी पुलिस अधिकारी की हत्या का मामला सामने आया है। अतीत गवाह है कि देश में अपराधियों के हौसले निरंतर बुलंद होते जा रहे हैं। कहीं असामाजिक तत्वों की हरकतें भीड की शक्ल में सामने आतीं हैं तो कहीं खूनी घटनाओं को जानबूझकर साम्प्रदायिक रंगों में रंगने की कोशिशें होती हैं। धर्म का अपमान, नेता पर ज्यादती, जातिगत मान्यताओं पर कुठाराघात, इबादतगारों की बेअदबी जैसे शब्दों को लेकर अपराधों की इबारतें लिखी जा रहीं हैं। लोगों के मन से खाकी का खौफ खत्म होता जा रहा है। इसके पीछे अनेक कारण हैं। एक ओर खाकी पर मनमानी के आरोपों की लम्बी फेरिश्त है जिसे बढाने में खद्दरधारियों से लेकर काले कोटधारियों तक की सक्रिय भागीदारी दर्ज होती रही है तो दूसरी ओर पुलिस पर विधायिका का दबाव भी ऐसी घटनाओं को बढावा देता रहा है। सत्ताधारी दलों और विपक्षी जमातों के मध्य देश की आपराधिक घटनाओं पर सदन में होने वाली बहसों, अमर्यादित व्यवहारों और हो-हल्ला के प्रकाशनों-प्रसारणों ने असामाजिक तत्वों के मनोबल बढा दिये हैं। अवैध कारोबारों से कमाये गये धनबल से बाहुबल खरीदने वाले अब जनबल का कवच बनाकर मनमानियां करने में जुटे हैं। गैरकानूनी घटनाओं पर सियासी जंग शुरू करके उसे विवादास्पद बनाने के लिए खद्दरधारी हमेशा ही तैयार रहते हैं। वोट बैंक की राजनीति के लिए कभी रुपये के राजकीय चिन्ह को बजट से हटा दिया जाता है तो कभी अल्पसंख्यकों के नाम पर कथित बहुसंख्यकों के हितों पर प्रहार होने लगते हैं। सत्ता तक पहुंचने के लालच में लिपटे दलों का दबाव भी पुलिस पर अक्सर दिखाई पडता है। संविधान में आम नागरिक को समान रूप से प्राथमिकी दर्ज का अधिकार दिया गया है परन्तु छुटपुट घटनाओं को छोडकर विशेष घटनाओं, सरकारी अधिकारी-कर्मचारी के विरुध्द मामलों, राजनेता के खिलाफ प्रकरण, धनबली के आतंक की शिकायत, पहुंचबली की तानाशाही वाले मामलों आदि पर शायद की कभी पुलिस थानों में पीडित की तत्काल प्रथम सूचना आख्या दर्ज हुई हो। अधिकांश मामलों में वरिष्ठ अधिकारियों, राजनैतिक नेताओं या फिर जनप्रतिनिधि के दखल के बिना प्राथमिकी दर्ज होती ही नहीं है। सूचना के पंजीकरण की कौन कहे पीडित को आवेदन की पावती तक नहीं दी जाती है। इस दिशा में कभी भी खद्दरधारियों, काले कोटधारियों या फिर कथित समाजसेवियों ने सार्थक पहल नहीं की है। ऐसे अनेक मामलों में तो न्यायपालिका को सीधा दखल करना पडा, तब कही जाकर पीडित की प्राथमिकी दर्ज हुई परन्तु प्राथमिकी दर्ज न करने वाले उत्तरदायी अधिकारी को फिर भी इस धृष्टता के लिए दण्ड नहीं मिला। ज्यादा हाय-तोबा होने पर चेतावनी देकर, जांच बैठाकर, लाइन अटैच करके मामले को ठंडे बस्ते में पहुंचाने का ही प्रयास किया जाता रहा है। वर्तमान हालात तो यहां तक बिगड गये हैं कि असामाजिक तत्वों, अपराधियों और आरोपियों ने राजनैतिक दलों के मुखौटे ओढकर अपने गैर कानूनी धन से प्रतिष्ठिता के कीर्तिमान स्थापित करने शुरू कर दिये हैं। पश्चिम बंगाल की ममता बनर्जी सरकार ने तो एक अरोपी के बचाव में उच्चतम न्यायालय तक आवाज बुलंद की थी। घातक होती जा रही है आतंक से वोट बटोरने की प्रथा। मणिपुर जैसे राज्यों में खुलेआम कानून की धज्जियां उड रहीं हैं। आर्तकियों के खेमे विस्तार लेते जा रहे हैं। नक्सलियों के पक्ष में वामपंथियों की जमातें सुरक्षा घेरा बनाये दिखती है। हथियार बेचने वाले देश तो अपने कारोबार का विस्तार करने हेतु आर्तकियों, नक्सलियों और अपराधियों को खुल्लम खुल्ला अपने ब्रान्डेड हथियारों की खेपें पहुंचा रहे हैं। अपराधियों को दण्डित कराने हेतु पुलिस की डायरी में अपराध से जुडा विवरण तो होता है परन्तु शायद ही कभी अपराधियों के पास से मिलने वाले हथियारों की आपूर्ति करने वाली श्रृंखला पर पुलिस ने विवरण प्रस्तुत किया हो। चीन, अमेरिका, पाकिस्तान, कनाडा जैसे देशों से निरंतर अपराधियों तक हथियारों की खेपें पहुंच रहीं हैं। राजनैतिक दलों का दबाव, दबंगों का रुतवा, धनबल की चमक, जनबल की दहशत, प्रभावबल का भौंकाल तो रेडलाइट चौराहों से लेकर गांव की चौपालों तक देखने को मिलता है। राजनैतिक संरक्षण मिलते ही अपराधी के चेहरे पर भइया, साहब, नेताजी, मसीहा जैसे मुखौटे चिपक जाते हैं। डर के मारे लोग उन्हें सम्मान देने की मजबूरी वाले गलियारे से गुजरने लगते हैं। आंतक का संदेश अब कानून बनकर स्थापित होने लगा है। कानून की धाराओं से खेलने में महारत हासिल करने वाले खद्दरधारियों की फौज जब सार्वजनिक रूप से अपराध करने वालों के पक्ष में खडी होकर वास्तविकता को प्रभावित करने लगी हो तब न्याय की देवी से वरदान की आशा करना गरीब की किस्मत में कैसे हो सकता है। सत्य की हत्या के प्रयासों में लगी स्वार्थवादियों की सेना ने देश की आन्तरिक व्यवस्था को सरेआम बंधक बना लिया है। गोरों के पदचिन्हों पर चलने वाले तत्कालीन आयातित नेताओं ने देश के संविधान में भी अंग्रेजी के बिना उच्च और उच्चतम न्यायालय के दरवाजे पर दस्तक देने तक की मनाही दर्ज करा दी थी। परिणाम सामने है कि अंग्रेजी न जानने वाले व्यक्ति को स्वयं पर लगाये गये आरोपों पर स्पष्टीकरण तक देने का अधिकार नहीं है। उसके मामले में कौन क्या बोल रहा है, क्या सबूत पेश हो रहे हैं, बहस में किन बातों को उठाया जा रहा है, घटना को किस रूप में प्रस्तुत किया जा रहा है, आदि जाने बिना ही आरोपी कब अपराधी बना दिया जाये और कब अपराधी निर्दोष साबित हो जाये, कहा नहीं जा सकता। देश की कानून व्यवस्था पर जब तक प्रभावशाली लोगों, राजनेताओं, दबंगों, धन-जन-बल और स्वार्थपरिता का प्रभाव हावी रहेगा तब तक पुलिस-प्रशासन का पारदर्शी होना असम्भव नहीं हो कठिन अवश्य है। इस हेतु आम आवाम की संगठित पहल ही परिणामात्मक सुधार ला सकती है अन्यथा कार्यपालिका-विधायिका के साथ माफियों की तिकडी केवल और केवल स्वार्थपूर्ति के लक्ष्य का ही भेदन करती रहेगी। इस बार बस इतना ही। अगले सप्ताह एक नई आहट के साथ फिर मुलाकात होगी।

-डा. रवीन्द्र अरजरिया

दिल्ली में सुबह धूप खिली, वायु गुणवत्ता 'संतोषजनक' रही

नई दिल्ली (एजेंसी)। राष्ट्रीय राजधानी में रविवार सुबह धूप खिली रही और शहर की वायु गुणवत्ता 'संतोषजनक' श्रेणी में दर्ज की गई। वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग (सीएक्यूएम) के अनुसार, सुबह नौ बजे वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) 89 रहा। एक्यूआई को शून्य से 50 के बीच के 'अच्छा', 51-100 को 'संतोषजनक', 101-200 को 'मध्यम', 201-300 को 'खराब', 301-400 को 'बहुत खराब' और 401-500 को 'गंभीर' माना जाता है। वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग (सीएक्यूएम) ने बताया कि दिल्ली में शनिवार को पिछले तीन वर्ष में एक जनवरी से 15 मार्च के बीच किसी भी दिन की तुलना में सबसे स्वच्छ वायु गुणवत्ता रही। मौसम विभाग ने बताया कि रविवार को दिल्ली का न्यूनतम तापमान 18 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो इस मौसम के औसत तापमान से 2.9 डिग्री सेल्सियस अधिक है। इसने कहा कि आज दिन में बादल छाए रहने, हल्की बारिश होने तथा अधिकतम तापमान 32 डिग्री सेल्सियस के आसपास रहने का अनुमान है।

निगम ने आर्थिक रूप से कमजोर एवं वंचित वर्ग से आने वाले छात्रों के लिए 8.5 करोड़ की राशि जारी की

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली नगर निगम ने शिक्षा का अधिकार अधिनियम के अंतर्गत अपनी जिम्मेदारी का निर्वहन करते हुए निगम के अधिकारक्षेत्र में आने वाले मान्यता प्राप्त निजी सहायता रहित विद्यालयों को आर्थिक रूप से कमजोर एवं वंचित वर्ग से आने वाले छात्रों के लिए प्रति छात्र खर्च की प्रतिपूर्ति के लिए लगभग 8.5 करोड़ की राशि जारी कर दी है। दिल्ली नगर निगम ने शहरी सदर पहाड़गंज क्षेत्र के 4, केशवराम क्षेत्र के 7, नजफगढ़ क्षेत्र के 23, रोहिणी क्षेत्र के 17, दक्षिणी क्षेत्र के 10, नरेला क्षेत्र के 17 एवं पश्चिमी क्षेत्र के 47 मान्यता प्राप्त निजी सहायता रहित विद्यालयों को राशि आवंटित की है। शिक्षा का अधिकार अधिनियम के अंतर्गत प्राथमिक विद्यालयों के लिए वार्षिक फीस के लिए प्रति छात्र 26908 रुपए एवं 1100 रुपए वर्दी अथवा विद्यालय द्वारा इस मद में किए गए वास्तविक खर्च, इनमें से जो भी राशि कम हो का भुगतान विद्यालय को किया जाता है। दिल्ली नगर निगम शिक्षा का अधिकार अधिनियम के अंतर्गत छात्रों के शिक्षा के मौलिक अधिकार के सफल निष्पादन हेतु अपनी जिम्मेदारी के प्रति प्रतिबद्ध है।

वार्षिक रथयात्रा का आयोजन

नई दिल्ली (एजेंसी)। श्री पार्श्वनाथ दिगम्बर जैन मंदिर, जवाहर पार्क वैस्ट, लक्ष्मी नगर की रथयात्रा का आयोजन किया गया। रथ में सवार तीर्थंकर प्रतिमा जवाहर पार्क से प्रारम्भ होकर मेन बाजार लक्ष्मी नगर, विकास मार्ग के रास्ते होती हुई श्री पार्श्वनाथ दिगंबर जैन मंदिर, सुभाष चौक, लक्ष्मी नगर पहुंची जहां भगवान श्री का जलाभिषेक व पूजन के पश्चात वापिस जवाहर पार्क मंदिर पहुंची। रथ यात्रा मार्ग मे भगवान की आरती के साथ सैकड़ों श्रद्धालु पुरुष व महिलाएं भजन व भावविभोर होकर नृत्य कर रहे थे जिनका जगह जगह जलपान द्वारा स्वागत सम्मान किया गया। इस अवसर पर मंदिर मंत्री प्रवीन जैन, अध्यक्ष संजय जैन, उपमंत्री रविन्द्र जैन, कोषाध्यक्ष सुदेश जैन व अन्य पदाधिकारिगण, तरुण मित्र परिषद के महासचिव अशोक जैन, सहसचिव आलोक जैन व बैंक एन्क्लेव जैन मंदिर के श्रद्धालुओं ने भाग लिया जिनका सुभाष चौक मंदिर में स्वागत किया गया।

लूटे गए मोबाइल को नेपाल में बेचने वाला आरोपित गिरफ्तार

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली पुलिस की क्राइम ब्रांच ने दिल्ली-एनसीआर से चोरी किए गए और लूटे गए मोबाइल को नेपाल में बेचने वाले एक गिरोह का खुलासा करते हुए एक आरोपित को गिरफ्तार किया है। पकड़े गए आरोपित की पहचान चंपावत, उत्तराखंड निवासी नदीम (45) के रूप में हुई है। पुलिस ने आरोपित के पास से 32 महंगे मोबाइल फोन बरामद हुए हैं। जांच के दौरान पुलिस को पता चला है कि आरोपित नदीम नेपाल में बैठे नरेंद्र भट के लिए काम कर रहा था। हर मोबाइल पर नरेंद्र नदीम को 200 रुपये दे रहा था। नदीम करोल बाग और दूसरे इलाकों से मोबाइल इकट्ठे करता था। बाद में बस में सवार होकर इनको नेपाल ले जाता था। पिछले चार-पांच माह में आरोपित कई चक्कर नेपाल के लगा चुका है। आशंका व्यक्त की जा रही है कि आरोपित ने हजारों मोबाइल फोन नेपाल में बेच दिए हैं। पुलिस नदीम से पूछताछ कर इसके बाकी सदस्यों का पता लगाने का प्रयास कर रही है। फिलहाल पुलिस ने नदीम के पास से बरामद छह मोबाइल फोन को लिंक किया है, यह दिल्ली के अलग-अलग इलाकों से चोरी किए गए हैं। क्राइम ब्रांच के डीसीपी विक्रम सिंह ने रविवार को बताया कि उनकी टीम को सूचना मिली थी कि कुछ लोग चोरी और लूटे गए मोबाइल फोन को नेपाल समेत दूसरे पड़ोसी देशों में बेच रहे हैं। इंस्पेक्टर गुरमीत सिंह व अन्यों की टीम ने जानकारी जुटाना शुरू कर दी। बाद में पुलिस ने आरोपित की पहचान उत्तराखंड निवासी नदीम के रूप में की। पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर आरोपित को दबोचा।

उपभोक्ता अधिकार आंदोलन को पुनर्जीवित करने के लिए युवाओं की आवश्यकता: आरजेएस पीबीएच वेबिनार

-विश्व उपभोक्ता अधिकार दिवस पर आरजेसियंस ने किशन सिंह परमार-मोहिनी परमार को दी श्रद्धांजलि

नई दिल्ली (एजेंसी)। अंतर्राष्ट्रीय उपभोक्ता अधिकार दिवस 15 मार्च 2025 के अवसर पर रविवार को आयोजित एक कार्यक्रम में विशेषज्ञों ने कहा कि भारत का उपभोक्ता अधिकार आंदोलन एक महत्वपूर्ण मोड़ पर है, और इसकी जीवन शक्ति और प्रभावशीलता को पुनः प्राप्त करने के लिए युवा समर्थकों की एक नई लहर की आवश्यकता है। राम-जानकी संस्थान पॉजिटिव ब्रॉडकास्टिंग हाउस (आरजेएस पीबीएस) आरजेएस पॉजिटिव मीडिया के संस्थापक व राष्ट्रीय संयोजक उदय कुमार मन्ना द्वारा आयोजित व संचालित इस 332 वें कार्यक्रम में, उपभोक्ता अधिकार आंदोलन में ख्याति प्राप्त स्व.किशन सिंह परमार और धर्मपत्नी स्व. मोहिनी परमार को श्रद्धांजलि अर्पित की गई। आरजेएस पीबीएच के कार्यक्रमों से जुड़कर स्व. किशन सिंह परमार बेबाकी से अपने विचार रखते थे।

स्टेट कंज्यूमर कमीशन राजस्थान और नेशनल प्रेसिडेंट कंज्यूमर कोऑर्डिनेशन काउंसिल के सदस्य लियाकत अली ने स्व.किशन सिंह परमार की उपभोक्ता आंदोलन की विरासत को सम्मानित करते हुए कहा कि उपभोक्ता आयोग में संसाधनों की भारी कमी है। उन्होंने धोखाधड़ी, व्यापक डिजिटल निरक्षरता और लगातार खाद्य मिलावट की समस्याओं पर भी प्रकाश डाला और जागरूक किया। श्री अली ने बाज़ार में नेविगेट करने में उपभोक्ता जिम्मेदारी और सतर्कता के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने मूल्य निर्धारण के संबंध में कहा कि अधिकतम खुदरा मूल्य (एमआरपी) सभी करों सहित है, और खुदरा विक्रेता मुद्रित एमआरपी के ऊपर माल और सेवा कर (जीएसटी) या कोई अन्य कर कानूनी रूप से नहीं लगा सकते हैं। डिग्निटी रेस्टोरेशन और ग्रीवेंस सेटलमेंट एसोसिएशन, नई दिल्ली के संस्थापक अध्यक्ष डॉ. अरुण कुमार, जो स्व.किशन परमार के करीबी सहयोगी थे, ने उपभोक्ता जागरूकता की चिंताजनक वास्तविकता को रेखांकित किया। डॉ.अरूण कुमार ने एक चौंकाने वाला खुलासा करते हुए कहा, ÷हमारे देश में अस्सी प्रतिशत लोग... उपभोक्ता शिकायत दर्ज कराने का तरीका नहीं जानते हैं, ÷खरीद के लिए रसीदें प्राप्त न करने की आम प्रथा और ऑनलाइन शिकायत प्रणालियों को नेविगेट करने की जटिलता जैसे कारकों को बताया। डॉ. कुमार ने उपभोक्ता अदालतों के भीतर न्याय की पीड़ादायक धीमी गति पर दुख व्यक्त करते हुए उन्होंने विवाद समाधान के लिए कुशल और उपभोक्ता-अनुकूल दृष्टिकोण के लिए दुबई के ÷उपभोक्ता खुशी केंद्रों÷ की सराहना की, और भारत के लिए एक समान सरलीकृत प्रणाली का सुझाव दिया। यूपी कंज्यूमर वेलफेयर काउंसिल के समन्वयक एडवोकेट जोहेब रसूल ने भी स्व. किशन सिंह परमार को श्रद्धांजलि अर्पित की, उपभोक्ता अधिकार आंदोलन पर उनके गहरे प्रभाव को स्वीकार किया। एडवोकेट रसूल ने कानूनी पेशे के बारे में ज्ञान की कमी पर एक महत्वपूर्ण चिंता जताई। एडवोकेट रसूल ने अनुबंधों और नीतियों और बीमा शर्तों की ओर उपभोक्ता ध्यान नहीं देते जिससे उन्हें नुकसान होता है। श्री अली ने प्रतिभागियों को आश्वासन दिया कि ÷कच्चे बिल÷ या अनौपचारिक रसीदें भी उपभोक्ता शिकायतें दर्ज करने के लिए वैध दस्तावेज हैं, जिससे औपचारिक चालान के बिना भी निवारण चाहने के लिए सशक्त बनाया गया है। उन्होंने व्यवसायों की जीएसटी पंजीकरण स्थिति की जांच के लिए उपलब्ध ऑनलाइन सत्यापन प्रणाली के बारे में उपभोक्ताओं को सूचित किया, जिससे उन्हें धोखाधड़ी कर संग्रह के उदाहरणों की पहचान करने और रिपोर्ट करने में सक्षम बनाया गया। कार्यक्रम के प्रश्नोत्तर सत्र के दौरान, दीप माथुर, डा. प्रदीप कुमार जोशी, सुरजीत सिंह दीदेवार, राजेंद्र सिंह कुशवाहा, बिन्दा मन्ना, सुदीप साहू, सोनू कुमार, मयंक, आकांक्षा, इशहाक खान, दुर्गादास आजाद अनिल चौधरी आदि शामिल हुए। विशेषज्ञों ने सौहार्दपूर्ण समाधान को प्राथमिकता देने और बेहतर निर्माता-उपभोक्ता संबंधों को बढ़ावा देने की वकालत की। उन्होंने सुझाव दिया कि खुले संवाद और आपसी समझ अक्सर औपचारिक कानूनी कार्यवाही का सहारा लेने की तुलना में शिकायतों को अधिक प्रभावी ढंग से और कुशलता से हल कर सकती है।

दस फीसदी महिलाओं को भी नहीं मिलेगा मोदी की गारंटी का लाभ : सुभाष चन्द्र लाला

नई दिल्ली (एजेंसी)। जैसा की दिल्ली की जनता को उम्मीद थी कि भारतीय जनता पार्टी और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी दिल्ली विधानसभा चुनावों के दौरान दिल्ली की जनता से जो लोक लुभावने वादे कर रहे हैं वे केवल जुमले ही साबित होंगे बिलकुल वैसा ही हुआ और आगे भी यही सम्भावना है। यह कहना है आम आदमी पार्टी विश्वास नगर वार्ड के अध्यक्ष सुभाष चन्द्र लाला का। सुभाष चन्द्र लाला कहते है पूरे देश नें देखा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की गारंटी की धज्जियां उड़ते। जिसमें उन्होंने कहा था ये मोदी की गारंटी है दिल्ली में भाजपा की सरकार बनने पर कैबनेट की पहली बैठक में ही पास किया जाएगा महिलाओं के खाते में 25 सौ-25 सौ रूपये डाले जायेगें लेकिन ऐसा नहीं हुआ। बल्कि महिलाओं को धोखा देते हुए एक कमेटी गठित कर दी गई जो तय करेगी किसे किसे और कैसे यह राशी दी जायेगी। जबकि वोट लेते समय ऐसा कुछ नहीं कहा गया था। सुभाष चन्द्र लाला कहते है दूसरी गारंटी दी गई थी रसोई गैस सिलेंडर पांच सौ रूपये में दिया जाएगा और होली तथा दिवाली पर सभी को मुफ्त दिया जाएगा। लेकिन होली बीतने के बाद भी महिलाओं को रसोई गैस सिलेंडर नहीं दिया गया। सुभाष चन्द्र लाला कहते हैं न कि दिल्ली की आधी आबादी महिलाओं को अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस का इंतजार था कि मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता उनके लिए 2500 रुपये मासिक देने की घोषणा करेंगी लेकिन दिल्ली की मुख्यमंत्री द्वारा ऐसा कोई बयान नहीं दिया। भाजपा कार्यकर्ता सिर्फ औपचारिकता पूरी करने के लिए महिलाओं के फार्म भरते दिखे। जिससे सामने आया है कि 2.5 लाख से अधिक आय वाली महिला, पहले से पेंशन लेने वाली, सरकारी योजना का फायदा लेने वाली महिलाओं को 2500 रुपये की आर्थिक सहायता नहीं मिलेगी। पहचान पत्र, आधार कार्ड, राशन कार्ड और बैंक स्टेटमेंट भी अनिवार्य होगा। मतलब साफ है कि प्राइवेट संस्थाओं व अन्य आय अगर महिलाओं को मिल रही है तो महिला 2500 रुपये लेने की पात्र नहीं होगी। सुभाष चन्द्र लाला कहते हैं कि भाजपा ने अपना रंग दिखाना शुरू कर दिया है। महिला आर्थिक योजना का लाभ यदि मिला तो केवल दिल्ली की सिर्फ 5-10 प्रतिशत महिलाओं को ही मिलेगा, जबकि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने दिल्ली की सभी महिलाओं को 2500 रुपये देने का वायदा सार्वजनिक रूप से किया था, जो केन्द्र व अन्य राज्यों की घोषणाओं की भांति जुमला साबित हो रहा है। उन्होंने कहा कि महिलाओं की रसोई के बजट में राहत देने के लिए 500 रुपये का गैस सिलेंडर देने का वायदा और होली दिवाली पर मुफ्त सिलेंडर की तो भाजपा मुख्यमंत्री ने होली पर चर्चा ही नहीं की। गर्भवती महिलाओं को पोषण किट और 20, 000 रुपये की आर्थिक मदद देने और विधवाओं की पेंशन में वृद्धि की घोषणा का क्या हुआ किसी को नहीं मालूम।

दिल्ली फतेह दिवस मनाया गया

नई दिल्ली (एजेंसी)। सिख जनरलों द्वारा 1783 में दिल्ली पर की गई फतेह की याद गुरुद्वारा श्री गुरू सिंह सभा, मोती नगर में बड़ी श्रद्धा और सम्मान के साथ मनाई गई। दो दिवसीय गुरमत समागम के पहले दिन विशेष सायंकालीन दीवान के अवसर पर श्री दरबार साहिब के हजूरी रागी भाई सुखजीत सिंह जी के जत्थे ने गुरबाणी कीर्तन तथा दूसरे दिन बीबी पुष्पिंदर कौर खालसा के ढाड़ी जत्थे ने ढाडी वारों से संगतों को निहाल किया।

गुरुद्वारा साहिब के अध्यक्ष रविंदर सिंह बिट्टू और महासचिव राजा सिंह ने दिल्ली फतेह दिवस के अवसर पर संगतों को बधाई दी और उनसे अपने बच्चों को इस गौरवशाली इतिहास के बारे में बताने की अपील की। रविन्द्र सिंह बिट्टू ने अफसोस जताया कि सरकारों ने हमारे गौरवशाली इतिहास को उचित सम्मान नहीं दिया, जबकि सिखों ने हमेशा इस देश के लिए अग्रणी भूमिका निभाई है। गुरू नानक साहिब जी से जुड़े तीन ऐतिहासिक गुरुद्वारों का अस्तित्व नष्ट करने के उठे हुए कदम भी गलत हैं, ऐसा नहीं होना चाहिए था।

इस अवसर पर भाई बीबा सिंह खालसा स्कूल के मैनेजर डॉ. परमिंदर पाल सिंह ने दिल्ली फतेह दिवस से संबंधित ऐतिहासिक संदर्भों का उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि दिल्ली फतेह के बाद से लेकर दिल्ली में 7 ऐतिहासिक गुरुद्वारों की स्थापना तक बाबा बघेल सिंह द्वारा अपनाई गई कूटनीति अद्भुत थी। लेकिन हम इस इतिहास को अपने लोगों तक नहीं पहुंचा सके। बाबा बघेल सिंह ने जहां गुरूओं के चरण स्पर्श वाले इतिहासिक महत्व के स्थानों की स्थापना के लिए अपने जीते हुए राज को कुर्बान करने से भी संकोच नहीं किया, वहीं उन्होंने खालसा फौज के सम्मान और गरिमा को भी कम नहीं होने दिया।

विशेषकर, बिना हथियार उठाए गुरुद्वारा रकाबगंज साहिब के मूल स्थान से दूसरे धार्मिक स्थल को स्थानांतरित करवाना कूटनीतिक पैंतरेबाजी की पराकाष्ठा थी। क्योंकि दक्षिण दिशा में जाने से पहले गुरू गोबिंद सिंह साहिब जी ने इस पवित्र स्थान पर मंजी साहिब का निर्माण करवाया था। लेकिन सांप्रदायिक सोच से मंजी साहिब से छेड़छाड़ की गई थी। पर ऐतिहासिक स्रोतों में भी गुरुद्वारा रकाबगंज साहिब के रूप में बाबा बघेल सिंह द्वारा किए गए जीर्णोद्धार पर अधिक ध्यान नहीं दिया गया। इसलिए यह कहा जा सकता है कि दिल्ली फतेह दिवस सिख इतिहास में एक गौरवपूर्ण एवं शानदार घटना है, जो ÷राज करेगा खालसा÷ और ÷हम रखत पातशाही दावा÷ के आदर्श वाक्य को पुष्ट करती है। यह सिखों की स्वतंत्र प्रकृति और खुले विचारों का भी प्रमाण है। इस अवसर पर जत्थों को स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया।

यादव समाज ने नवनिर्वाचित विधायक गजेन्द्र यादव का किया भव्य स्वागत

नई दिल्ली। यादव समाज द्वारा नवनिर्वाचित विधायक गजेन्द्र यादव के सम्मान में भव्य स्वागत कार्यक्रम पपडावट ओर खैरा गांव में आयोजित किया गया। यह आयोजन रविवार सुबह 10 बजे से 1 बजे के मध्य दोनों स्थानों पर किया गया। दोनों गान नजफगढ़ जिला में आते है जिसमें बड़ी संख्या में समाज के गणमान्य लोग, युवा, एवं स्थानीय नागरिक शामिल हुए। कार्यक्रम का आयोजन यादव समाज के प्रमुख लोगो के नेतृत्व में किया गया, जिन्होंने अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि 卐गजेन्द्र यादव ने चुनाव में जीत हासिल कर समाज की उम्मीदों को नई दिशा दी है। हम उन्हें विधायक बनने पर हार्दिक शुभकामनाएँ देते हैं और आशा करते हैं कि वे क्षेत्र के विकास में महत्वपूर्ण योगदान देंगे।卐 कार्यक्रम के दौरान समाज के वरिष्ठ सदस्यों ने विधायक का अभिनंदन किया और क्षेत्र की प्रमुख समस्याओं पर चर्चा की। इस अवसर पर विधायक गजेन्द्र यादव ने जनता को संबोधित करते हुए भरोसा दिलाया कि वे क्षेत्र के विकास, शिक्षा, स्वास्थ्य एवं मूलभूत सुविधाओं को बेहतर बनाने के लिए पूरी निष्ठा से कार्य करेंगे। यादव समाज के इस स्वागत समारोह ने न केवल समाज की एकता को दर्शाया, बल्कि यह भी साबित किया कि जनता अपने जनप्रतिनिधि से विकास और प्रगति की उम्मीद रखती है।

दिल्ली सरकार अपने बजट में दिल्ली देहात गांवों के विकास पर जोर दें : पंचायत संघ

-पंचायत संघ ने मुख्यमंत्री को बजट में ग्रामीणों के लिए डेढ़ दर्जन सुझाव दिए

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली पंचायत संघ ने दिल्ली सरकार को आगामी 2025-26 बजट के लिए दिल्ली देहात व ग्रामीण विकास को लेकर करीब डेढ़ दर्जन महत्वपूर्ण और विचारणीय सुझाव भेजे हैं। पंचायत संघ प्रमुख थान सिंह यादव ने कहा की जिनका उद्देश्य दिल्ली के ग्रामीण क्षेत्रों में समग्र विकास को बढ़ावा देना है। इन सुझावों में विशेष रूप से दिल्ली देहात के गांवों, गायों, गरीबों, ग्रामीणों, किसानों, युवाओं और पर्यावरण सुधार पर ध्यान केंद्रित किया गया है। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता की अपील के तहत दिल्ली पंचायत संघ ने अपने सुझाव भेजे है।

पंचायत संघ प्रमुख थान सिंह यादव ने कृषि भूमि का सर्किल रेट 10 करोड़ रुपये प्रति एकड़ कर किसानों को उनकी जमीन का उचित मूल्य मिल सके। ओर स्मार्ट शहर की तरह स्मार्ट गांवों के निर्माण के लिए बजट में प्रावधान करने का सुझाव दिया है। उन्होंने कहा कि इस पहल से प्रत्येक गांव को हाई-टेक सुविधाओं से लैस कर डिजिटल ग्राम, स्मार्ट क्लास रूम और ई-गवर्नेंस केंद्र स्थापित किए जाएं, जिससे शिक्षा, स्वास्थ्य और रोजगार के अवसर बढ़ सकेंगे। गांवों की पहचान के लिए मुख्यद्वारों पर शिलालेख पर गौरव गाथा अंकित करने, जमीनों के दस्तावेजों को उर्दु व फारसी से हिंदी में करवाने के लिए बजट में प्रावधान हो। थान सिंह यादव ने दिल्ली को प्रदूषण मुक्त के लिए दिल्ली की सीमाओं पर वन क्षेत्र विकसित करने, वन्य जीवों, पक्षियों के लिए जलाशयों, तालाबों के निर्माण करने, हर गांव में त्रिवेणी वन योजना के तहत पीपल, बरगद और नीम के पेड़ लगाने के लिए बजट में प्रावधान का सुझाव दिया है। थान सिंह यादव ने गांवों में खेल मैदानों के निर्माण कर दिल्ली देहात व गांवों के युवाओं का खेलो के प्रति उत्साह बढ़ाने, स्वास्थ्य सुविधाओं के लिए आरोग्य सेवा केंद्र का विस्तार करने, ग्रामीणों को सस्ती बिजली के लिए सोलर पैनल सब्सिडी की बजट में व्यवस्था की मांग के साथ ही गांवों को लाल डोरा से मुक्ति, गांवों के लेआउट प्लान तैयार करने, बारात घरों, पंचायत घरों के पुनर्निर्माण व निर्माण के लिए, पार्किंग स्थलों के लिए और सरकारी सेवाओं में गांवों के युवाओं को आरक्षण देने के लिए बजट में प्रावधान की भी सिफारिश की है। पंचायत संघ ने दिल्ली की सड़कों पर विचरण कर रही गायों के लिए गोशालाओं के विस्तार करने, दिल्ली देहात की साहिबी नदी अतिक्रमण मुक्त व स्वच्छता के साथ इसके दोनो किनारो पर फलदार वृक्ष लगाने के लिए सरकार को बजट मे प्रावधान करने का सुझाव दिया है। पंचायत संघ प्रमुख थान सिंह यादव ने कहा कि इन सुझावों को बजट में शामिल करने से दिल्ली के ग्रामीण क्षेत्रों का समुचित विकास होगा और ग्रामीणों का जीवन स्तर ऊंचा उठेगा।

हत्या की गुत्थी सुलझी, तीन आरोपित पकड़े गए

नई दिल्ली। दक्षिण पश्चिम जिले के सागरपुर इलाके में अजय नामक नाबालिग की हत्या मामले में पुलिस ने एक नाबालिग समेत तीन लोगों को दबोचा है। आरोपितों ने अजय के साथी लकी को भी चाकू मारकर घायल कर दिया था। जांच में पता चला है कि दस दिन पूर्व अजय तथा उसके साथियों के साथ आरोपितों का विवाद हुआ था। कहासुनी के दौरान अभद्र भाषा का प्रयोग करने को लेकर आरोपितों ने चाकू से हमला बोल दिया था। पकड़े गए लोगों की पहचान संतोष, शिवम व 16 वर्षीय नाबालिग के रूप में हुई है। दक्षिण पश्चिम जिले के डीसीपी सुरेंद्र चौधरी ने रविवार को बताया कि 11 मार्च को सागरपुर इलाके में अजय और लकी नामक किशोर पर चाकू से हमला किया गया था। इस घटना में अजय की मौत हो गई थी जबकि लकी को गंभीर हालत में अस्पताल में भर्ती कराया गया था। जांच में पता चला कि आरोपित और पीड़ित एक ही इलाके के रहने वाले हैं।

आप ने की बीजेपी से चुनाव में किए वादों को बजट में शामिल करने की मांग

नई दिल्ली (एजेंसी)। आम आदमी पार्टी (आप) के नेता सौरभ भारद्वाज ने कहा कि दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने जब से पदभार संभाला है, तब से वह सिर्फ लोगों से ही मुलाकात कर रही हैं। भारद्वाज ने कहा कि भाजपा के घोषणा पत्र में किए गए वादों को आगामी दिल्ली राज्य बजट 2025-26 में शामिल किया जाना चाहिए। इनमें महिला समृद्धि योजना, गरीब वर्ग की महिलाओं के लिए 500 रुपये में एलपीजी सिलेंडर, होली और दीवाली पर मुफ्त सिलेंडर और दलितों के लिए छात्रवृत्ति शामिल हैं। सौरभ भारद्वाज ने रविवार को कहा, 'जब से वह (मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता) मुख्यमंत्री बनी हैं, वह केवल लोगों से मिल रही हैं। भाजपा ने अपने घोषणा पत्र में दिल्ली की हर महिला को महिला समृद्धि योजना के तहत हर महीने 2500 रुपये देने, गरीब वर्ग की महिलाओं को 500 रुपये में एलपीजी सिलेंडर, होली और दीवाली पर मुफ्त सिलेंडर, दलितों को छात्रवृत्ति देने आदि का वादा किया था... इन सभी वादों को बजट में शामिल किया जाना चाहिए।'

जल्द पंजीकरण शुरू करने का किया है एलान

इससे पहले, अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर दिल्ली कैबिनेट ने 'महिला समृद्धि योजना' को मंजूरी दी थी, जिसके तहत दिल्ली की महिलाओं को हर महीने 2500 रुपये दिए जाएंगे। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने घोषणा की थी कि इस योजना के लिए पंजीकरण जल्द ही शुरू किया जाएगा। महिला समृद्धि योजना को मंजूरी देने के अलावा, सीएम रेखा गुप्ता विभिन्न व्यावसायिक समुदायों के लोगों से भी मुलाकात कर रही हैं और दिल्ली राज्य बजट 2025-26 के लिए उनके सुझाव ले रही हैं।

किसानों से मुलाकात कर मांगी सुझाव

शनिवार को, रेखा गुप्ता ने किसानों से मुलाकात की और आगामी दिल्ली बजट 2025-26 के लिए उनके सुझाव लिए। गुप्ता ने कहा कि किसानों को नई दिल्ली सरकार से काफी उम्मीदें हैं और जोर दिया कि केंद्र और दिल्ली सरकार 'डबल इंजन सरकार' के रूप में मिलकर किसानों की समस्याओं को हल करने का प्रयास करेंगी।

15-20 वर्षों में उम्मीद से कम काम हुआः रेखा गुप्ता

उन्होंने कहा, ÷हमने दिल्ली के हर कोने से किसानों को बजट पर चर्चा के लिए बुलाया। उन्होंने हमें अपने सुझाव साझा किए हैं।÷ उन्होंने यह भी उल्लेख किया कि पिछले 15-20 वर्षों में दिल्ली के गांवों में बहुत कम विकास हुआ है, जिससे नई दिल्ली सरकार से उम्मीदें और बढ़ गई हैं।

दिल्ली सिख गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी द्वारा गुरुद्वारा बंगला साहिब में सरोवर की सफाई की कार सेवा शुरू

-हरमीत सिंह कालका और जगदीप सिंह काहलो ने कार सेवा में भाग लेने वाली संगत को दी बधाई

-10 सालों बाद हो रही है सफाई की कार सेवा

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली सिख गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी द्वारा आज तकरीबन 10 सालों के बाद गुरुद्वारा बंगला साहिब में सरोवर की सफाई की कार सेवा शुरू की गई। इस मौके पर गुरुद्वारा बंगला साहिब के हेड ग्रंथी ज्ञानी रणजीत सिंह ने अरदास की और फिर सेवा की शुरुआत हुई। बाबा बचन सिंह जी, बाबा सुरिंदर सिंह, बाबा सतनाम सिंह, बाबा रवि जी सहित समूची टीम द्वारा संगतों के सहयोग से यह सेवा पूरी की जाएगी।

इस अवसर पर उपस्थित संगत को संबोधित करते हुए कमेटी के अध्यक्ष सरदार हरमीत सिंह कालका और जनरल सेक्रेटरी सरदार जगदीप सिंह काहलो ने कहा कि यह सेवा उन लोगों के हिस्से आती है जो गुरु के गुण गाते हैं। उन्होंने कहा कि दिल्ली की संगत को सौभाग्य समय मिला है कि गुरुद्वारा बंगला साहिब की कार सेवा आज 10 साल बाद शुरू हो रही है। उन्होंने कहा कि संगतों में बहुत श्रद्धा भावना है कि 10 साल बाद यह सेवा हो रही है, जिसमें गुरु साहिब की बानी पढ़ते हुए सेवा कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि इस सेवा के बदले संगतों को गुरु साहिबान की खुशियाँ और आशीर्वाद प्राप्त होते हैं। उन्होंने कहा कि इस पवित्र स्थान पर बैठकर ही गुरु साहिब ने संगत को उस समय चेचक की महामारी से मुक्ति की दवाई दी थी।

उन्होंने कहा कि जो कोई भी इस स्थान पर आकर नतमस्तक होता है और गुरु के चरणों में लग जाता है, उसे यहाँ आकर हर तरह की बख्शिश मिलती है। उन्होंने कहा कि वे संगतों को बधाई देते हैं जो भाग्यशाली हैं और जिन्हें इस कार्य सेवा में भाग लेने का मौका मिल रहा है, और इस सेवा में भाग लेने के बाद उनका जीवन सफल हो जाएगा। उन्होंने संगतों से यह भी अपील की कि इस ऐतिहासिक मौके का लाभ उठाकर कार सेवा में भाग लें और अपना जीवन सफल करें।

कार सेवा की शुरुआत के मौके पर कमेटी के पूर्व अध्यक्ष और दिल्ली सरकार में वर्तमान कैबिनेट मंत्री मनजिंदर सिंह सिरसा और दिल्ली गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी के समस्त पदाधिकारी और सदस्य शामिल हुए और सेवा की। श्री सिरसा ने सफाई की सेवा में भाग लेने के बाद मीडिया से बात करते हुए अपने आप को भाग्यशाली बताया। उन्होंने कहा कि वे बहुत खुशकिस्मत हैं कि गुरु साहिब ने यह सेवा उनके हाथों से करवाने का अवसर दिया।

केदारनाथ में गैर-हिंदुओं के प्रवेश पर प्रतिबंध की तैयारी, बीजेपी विधायक का दावा

देहरादून (एजेंसी)। उत्तराखंड के केदारनाथ धाम में गैर-हिंदुओं के प्रवेश पर प्रतिबंध लगाने की चर्चाएं तेज हो गई हैं। बीजेपी विधायक आशा नौटियाल ने दावा किया कि कुछ गैर-हिंदू लोग धार्मिक स्थल की पवित्रता को ठेस पहुंचा रहे हैं और मांस, मछली, शराब परोसने जैसी गतिविधियों में लिप्त हैं। विधायक नौटियाल ने कहा कि स्थानीय प्रशासन और प्रदेश सरकार इस मामले पर गंभीरता से विचार कर रही है। प्रभारी मंत्री सौरभ बहुगुणा ने अधिकारियों और स्थानीय लोगों के साथ बैठक कर इस मुद्दे पर चर्चा की। ऐसे लोगों की पहचान कर उनके प्रवेश पर पूर्ण प्रतिबंध लगाने की योजना बनाई जा रही है।

पूर्व सीएम रावत ने किया विरोध

उत्तराखंड के पूर्व मुख्यमंत्री हरीश रावत ने इस प्रस्ताव का विरोध किया है। उन्होंने कहा कि उत्तराखंड पूरे देश के लिए धार्मिक और आध्यात्मिक केंद्र है और किसी को भी मंदिर में जाने से रोकना संकीर्ण मानसिकता दर्शाता है। उन्होंने कहा कि अगर शराब और मांस बेचा जा रहा है, तो सरकार को इसे रोकना चाहिए। प्रतिबंध लगाने का कोई औचित्य नहीं है। इस मुद्दे पर सियासी विवाद बढ़ सकता है, क्योंकि यह धार्मिक स्थल और आस्था से जुड़ा मामला है।

मेरठ के निजी विश्वविद्यालय में नमाज पर बवाल, मामला दर्ज

मेरठ (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के मेरठ में होली के दौरान एक निजी विश्वविद्यालय में नमाज पढ़ने और वीडियो वायरल करने को लेकर विवाद इस कदर बढ़ा कि पुलिस को मामला दर्ज करना पड़ गया है। उक्त घटना का वीडियो भी सोशल मीडिया पर वायरल हुआ है। मामले के संबंध में एसएचओ अनूप सिंह ने मीडिया को बताया कि कार्तिक हिंदू की शिकायत पर मामला दर्ज किया गया है। वहीं आईआईएमटी विश्वविद्यालय के प्रवक्ता सुनील शर्मा का कहना था कि मामले की प्रारंभिक जांच में पाया गया कि नमाज पढ़ने और फिर उसका वीडियो बनाकर वायरल करने से सांप्रदायिक सौहार्द बिगड़ने का खतरा उत्पन्न होता है। ऐसे में विश्वविद्यालय प्रशासन ने वीडियो अपलोड करने के आरोपी खालिद प्रधान के खिलाफ पुलिस और प्रशासनिक कार्रवाई का अनुरोध किया था। इस पर पुलिस ने आरोपी के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 299 और सूचना प्रौद्योगिकी (संशोधन) अधिनियम, 2008 के प्रासंगिक प्रावधानों के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरु कर दी है। यहां बताते चलें कि उक्त घटना चर्चा में तब आई जबकि छात्र खालिद प्रधान मेवाती ने वीडियो फुटेज सोशल मीडिया पर अपलोड किया। इस वीडियो में छात्रों को विश्वविद्यालय परिसर में नमाज पढ़ते हुए दिखाया गया। वीडियो वायरल होने के बाद स्थानीय हिंदू समूहों ने विरोध प्रदर्शन किया। इसे देखते हुए विश्वविद्यालय प्रशासन ने एक्शन लेते हुए प्रधान और तीन सुरक्षाकर्मियों को निलंबित भी कर दिया। इसके बाद भी हिंदू संगठन विरोध जताते रहे और गिरफ्तारी की मांग की। फिलहाल पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है और मामले की जांच कर रही है।

आवासीय विद्यालय के टीचर ने की खुदकुशी, सुसाइट नोट में लिखे 6 लोगों के नाम

बीड (एजेंसी)। महाराष्ट्र के बीड जिले में एक आवासीय विद्यालय के शिक्षक ने खुदकुशी कर ली। शिक्षक ने एक सुसाइड नोट भी छोड़ा है, जिसमें उसने छह लोगों पर उसे परेशान करने का आरोप लगाया है। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरु कर दी है। जानकारी के मुताबिक पुलिस ने बताया कि शिक्षक ने शनिवार को महाराष्ट्र के बीड जिले में घर में छत से लटक कर खुदकुशी कर ली। पुलिस ने बताया कि मृतक की पहचान धनंजय नागरगोजे के रूप में हुई है। नागरगोजे पिछले 18 सालों से बीड के केलगांव इलाके में एक आवासीय स्कूल में पढ़ाते थे। पुलिस ने बताया कि आत्महत्या करने से पहले अपने फेसबुक अकाउंट पर पोस्ट किए गए नोट में नागरगोजे ने कहा कि वह स्कूल से जुड़े छह लोगों द्वारा उत्पीड़न के कारण यह कदम उठा रहा हैं। शिवाजीनगर पुलिस ने फिलहाल आत्महत्या की रिपोर्ट दर्ज की है। अभी तक किसी के खिलाफ मामला दर्ज नहीं किया गया है, लेकिन अगर शिक्षक की मौत के संबंध में कोई शिकायत मिलती है तो पुलिस आगे की कार्रवाई करेगी। अधिकारी ने बताया कि पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया है।

अमृतसर में हुई घटना को लेकर पंजाब सरकार को अलर्ट होना चाहिए : मनोहर लाल

- सरकार अलर्ट नहीं रहती है तो जनता उसे सबक सिखाएगी

करनाल (एजेंसी)। केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल ने हरियाणा के करनाल में मीडिया से बातचीत के दौरान पंजाब के अमृतसर में मंदिर पर हुए ग्रेनेड हमले पर प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा कि पंजाब में जो यह घटना हुई है इसे लेकर वहां की सरकार को अलर्ट रहना चाहिए। अगर सरकार अलर्ट नहीं रहती है तो जनता उसे सबक सिखाएगी। सोनीपत में भाजपा नेता सुरेंद्र जवाहरा की हत्या पर केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल ने कहा कि ये मेरी जानकारी में नहीं है, पर मैं इस बारे में जानकारी लूंगा और जो भी दोषी होंगे उनके साथ सख्ती से निपटा जाएगा। किसी भी दोषी को बख्शा नहीं जाएगा। प्रदेश में इस तरह के क्राइम करने वाले अपराधियों को छोड़ा नहीं जाएगा। बता दें कि हरियाणा के सोनीपत जिले के जवाहरा गांव में होली के दिन भाजपा नेता सुरेंद्र जवाहरा की गोली मारकर हत्या कर दी गई। इस घटना के पीछे जमीनी विवाद बताया जा रहा है। पुलिस सूत्रों के मुताबिक, हत्या का कारण एक पुरानी रंजिश थी, जिसमें पड़ोसी से जमीन को लेकर आपसी मतभेद थे। आरोप है कि इसी विवाद को लेकर वारदात को अंजाम दिया गया।

गर्मी ने दी जल्दी दस्तक: ओडिशा और उप्र सहित कई राज्यों में हीटवेव शुरु

नई दिल्ली (एजेंसी)। होली खत्म होने के साथ ही गर्मी ने भी दस्तक दे दी है। पूर्वी और पश्चिमी हिस्सों में तापमान 40 डिग्री के पार जा रहा है। मौसम विभाग ने हीटवेव की चेतावनी जारी कर दी है। बीते साल से तुलना करें तो इस तरह की हीटवेव की शुरुआत अप्रैल की शुरुआत में हुई थी।

विदर्भ, मध्य महाराष्ट्र, ओडिशा, सौराष्ट्र, कच्च, तेलंगाना और रायलसीमा में हीटवेव की शुरुात हो गई है। वहीं ओडिशा के झारसुगुडा में तापमान 41 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया। शनिवार को ओडिशा को बौध में सबसे ज्यादा तापमान 42.5 डिग्री रिकॉर्ड किया गया।दिल्ली में बारिश के बाद बढ़ते तापमान से राहत मिली है। शनिवार को अधिकतम तापमान 33 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया जो कि 4.1 डिग्री से ज्यादा था। मौसम विभाग के अधिकारी ने बताया मध्य भारत के ऊपर उच्च दबाव का क्षेत्र बना हुआ है। इसकी वजह से हवा गर्म हो रही है। इसके अलावा आसमान साफ होने की वजह से सूर्य का रेडिएशन बहुत ज्यादा है। आंध्र प्रदेश और ओडिशा में इसकी वजह से हीटवेव का असर देखा जा रहा है।

लेकिन इस बार मार्च की शुरुआत से ही गर्मी का अहसास होने लगा और मार्च खत्म होते-होते हीटवेव की स्थिति बन रही है। मौसम विभाग के एक अधिकारी ने कहा कि बीते साल 5 अप्रैल को इतना तापमान दर्ज किया गया था। उन्होंने कहा, इस बार गंभीर हीटवेव की शुरुआत जल्दी हो गई है। कभी-कभी ऐसा होता है कि मार्च में इस तरह की स्थित बन जाती है। वरना आम तौर पर अप्रैल में ही इतना तापमान दर्ज किया जाता है। शुक्रवार को दिल्ली के सफदरजंग में अधिकतम तापमान 36.2 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया जो कि सामान्य तापमान से 7.5 डिग्री ज्यादा था। मौसम विभाग का कहना है कि ओडिशा में 18 मार्च और सौराष्ट्र में 17 मार्च तक हीटवेव की स्थिति बनी रहने का अनुमान है। झारखंड, पश्चिम बंगाल, छत्तीसगढ़, विदर्भ, उत्तरी तेलंगाना में भी 16 मार्च से हीटवेव का अनुमान है। बता दें कि इस साल जनवरी और फरवरी ने भी तापमान ने रिकॉर्ड तोड़ दिया था। फरवरी का अधिकतम तापमान 1901 के बाद पहली बार इतना ज्यादा दर्ज हुआ। विदर्भ और मध्य महाराष्ट्र में अधिकतम तापमान 40 से 42 डिग्री के बीच पहुंच गया है। सौराष्ट्र, कच्छ और तेलंगाना में 38 से 40 डिग्री तक अधिकतम तापमान बना हुआ है।

उत्तर प्रदेश में भी पड़ने लगी गर्मी

उत्तर भारत में भी तापमान सामान्य से लगभग 5 डिग्री ऊपर बना हुआ है। पश्चिमी उत्तर प्रदेश, हरियाणा, चंडीगढ़, दिल्ली, झारखंड, ओडिशा, में तापमान सामान्य से 3 से 5 डिग्री तक ज्यादा दर्ज किया गया। पूर्वी उत्तर प्रदेश, पूर्वी राजस्थान, पूर्वी मध्य प्रदेश, मारठवाड़ा और मध्य महाराष्ट्र में भी लोग उमस से बेहाल होने लगे हैं। पहाड़ी इलाकों में बर्फबारी और बारिश की वजह से तापमान सामान्य से कम हो गया है। जम्मू-कश्मीर, गिलगित, बालिस्टान, मुजफ्फराबाद और तमिलनाडु, पुदुच्चेरी, केरल और माहे का तापमान सामान्य से करीब 5 डिग्री सेल्सियस कम दर्ज किया गया।

भारत की 5 दिवसीय यात्रा पर न्यूजीलैंड के पीएम क्रिस्टोफर लक्सन

नई दिल्ली। न्यूजीलैंड के प्रधानमंत्री क्रिस्टोफर लक्सन आज रविवार को पांच दिन की यात्रा पर भारत आ रहे हैं। पदभार संभालने के बाद उनकी यह पहली आधिकारिक यात्रा होगी। पीएम लक्सन के साथ एक उच्च स्तरीय प्रतिनिधिमंडल भी आएगा, जिसमें वरिष्ठ अधिकारी, मंत्री, व्यापारिक नेता, मीडिया प्रतिनिधि और न्यूजीलैंड में भारतीय समुदाय के सदस्य शामिल होंगे। भारत में उनका यात्रा कार्यक्रम दोनों देशों के बीच संबंधों को गहरा करने के उद्देश्य से महत्वपूर्ण राजनयिक बैठकों से भरा हुआ है। विदेश मंत्रालय द्वारा साझा किए गए कार्यक्रम के अनुसार, पीएम लक्सन भारत पहुंचे के बाद विदेश मंत्री डॉ एस जयशंकर से मुलाकात करेंगे। 20 मार्च तक चलने वाली पांच दिवसीय यात्रा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के निमंत्रण पर हो रही है। पीएम लक्सन की यात्रा का उद्देश्य भारत और न्यूजीलैंड के बीच दीर्घकालिक संबंधों को मजबूत करना है, तथा विभिन्न क्षेत्रों में अपने द्विपक्षीय संबंधों को बढ़ाने के लिए दोनों देशों की साझा प्रतिबद्धता की पुष्टि करना है। 19-20 मार्च को न्यूजीलैंड के प्रधानमंत्री मुंबई की यात्रा करेंगे, जहां वे भारतीय व्यापार जगत के नेताओं और विभिन्न क्षेत्रों के प्रतिनिधियों के साथ बैठक करेंगे तथा दोनों देशों के बीच आर्थिक सहयोग को बढ़ावा देंगे। विदेश मंत्रालय के अनुसार, पीएम लक्सन की यात्रा भारत और न्यूजीलैंड के बीच स्थायी और बहुआयामी संबंधों को रेखांकित करती है। यह यात्रा व्यापार, प्रौद्योगिकी और सांस्कृतिक आदान-प्रदान जैसे क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने के लिए दोनों देशों की प्रतिबद्धता की पुष्टि करती है। विदेश मंत्रालय ने कहा, प्रधानमंत्री लक्सन की यात्रा भारत और न्यूजीलैंड के बीच दीर्घकालिक और स्थायी संबंधों को रेखांकित करती है।

मौसम का बदला मिजाज: 12 जिलों में बारिश और वज्रपात का अलर्ट, तेज हवाएं चलने की संभावना

पटना (एजेंसी)। बिहार के मौसम में अचानक बदलाव देखने को मिल रहा है। रविवार को पटना, बक्सर, नालंदा समेत कई जिलों में सुबह से ही घने काले बादल छा गए। बक्सर और मुजफ्फरपुर में हल्की बारिश भी हुई। मौसम विभाग ने 12 जिलों में बारिश और बिजली गिरने का अलर्ट जारी किया है। इसके अलावा, अगले एक हफ्ते तक तेज हवाएं और धूल भरी आंधी चलने की संभावना है।

मौसम विभाग के अनुसार, बिहार के पटना, बक्सर, मुजफ्फरपुर, नालंदा, बेगूसराय, वैशाली, सारण, भोजपुर, समस्तीपुर, दरभंगा, मधुबनी और सीवान में हल्की से मध्यम बारिश हो सकती है। पटना में रविवार और सोमवार को हल्की बारिश के आसार हैं, जिससे मौसम ठंडा रहेगा। अधिकतम तापमान 24 से 30 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 24 से 26 डिग्री सेल्सियस के बीच रहेगा। बारिश के बावजूद तेज हवाओं के कारण वातावरण में हल्की नमी बनी रहेगी।

अगले हफ्ते तक चलेगी धूल भरी आंधी

मौसम वैज्ञानिक कुमार गौरव के अनुसार, हिमालय क्षेत्र में पश्चिमी विक्षोभ के कारण बर्फबारी हो रही है, जिसका असर बिहार के मैदानी इलाकों में बारिश के रूप में दिखाई दे रहा है। सोमवार को भी कई जिलों में हल्की से मध्यम बारिश और वज्रपात की संभावना है। 18 मार्च के बाद ही तापमान में वृद्धि होगी, दिन में गर्मी बढ़ेगी, लेकिन सुबह और शाम हल्की ठंड महसूस होगी।

खगड़िया बना सबसे गर्म जिला

बीते 24 घंटों में खगड़िया बिहार का सबसे गर्म जिला रहा, जहां अधिकतम तापमान 39.4 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। मौसम विभाग ने बिहार के 10 सबसे गर्म जिलों की सूची भी जारी की है। बदलते मौसम के चलते बिहार के लोगों को अगले कुछ दिनों तक सतर्क रहने की जरूरत है।

एच5एन1 वैक्सीन से किशोरों और बच्चों के लिए लाभप्रद, शोधकर्ताओं ने क्यों कहा ऐसा

नई दिल्ली (एजेंसी)। नए अध्ययन में सामने आया हैं कि एच5एन1 वैक्सीन से किशोरों और बच्चों को अधिक लाभ हो सकता है, भले ही यह वैक्सीन मौजूदा वायरस के लिए विशेष रूप से न बनी हो। अमेरिकी शोधकर्ताओं ने बताया कि कुछ खास प्रकार के मौसमी फ्लू वायरस से पहले हुए संक्रमण, एच5एन1 बर्ड फ्लू के खिलाफ शरीर की प्रतिरोधक क्षमता को मजबूत कर सकते हैं। अध्ययन में पता चला कि 1968 से पहले के फ्लू वायरस के संपर्क में आए बुजुर्गों में एच5एन1 वायरस से लड़ने वाली एंटीबॉडी अधिक पाई गईं।

शोधकर्ताओं ने बताया, बचपन में हुए फ्लू संक्रमण से बनी रोग प्रतिरोधक क्षमता जीवन भर रहती है। शोधकर्ताओं ने पाया कि दशकों पहले एच1एन1 और एच3एन2 वायरस के संपर्क में आने से बनी एंटीबॉडी अब एच5एन1 वायरस से भी प्रतिक्रिया कर सकती हैं। हालांकि ये एंटीबॉडी संक्रमण को पूरी तरह रोकने में सक्षम नहीं हैं, लेकिन अगर एच5एन1 का प्रकोप बढ़ा तब यह बीमारी की गंभीरता को कम कर सकती हैं। एच5एन1 वायरस कई सालों से पक्षियों में फैल रहा था, लेकिन हाल ही में इसका एक नया प्रकार (क्लेड 2.3.4.4बी) सामने आया है, जो अब मवेशियों में भी फैल रहा है। यह मौजूदा वायरस अभी तक मानव श्वसन तंत्र की कोशिकाओं से आसानी से नहीं जुड़ता, लेकिन यदि यह स्तनधारी जीवों में अधिक फैला, तब इसमें इसतरह के बदलाव हो सकते हैं जिससे यह इंसानों में तेजी से फैल सके। यदि ऐसा हुआ, तब एच5एन1 इंसानों के बीच भी फैल सकता है। मौजूदा फ्लू वैक्सीन मुख्य रूप से वायरस के हीमैग्लुटिनिन प्रोटीन को पहचानने वाली एंटीबॉडीज बनाती हैं, जो वायरस को शरीर की कोशिकाओं में प्रवेश करने से रोकती हैं।

शोधकर्ताओं ने 1927 से 2016 के बीच जन्मे 150 से अधिक लोगों के खून के नमूनों की जांच की, ताकि यह देखा जा सके कि उसमें एच5एन1 सहित विभिन्न फ्लू वायरस से लड़ने वाली एंटीबॉडी कितनी हैं। उन्होंने पाया कि 1968 से पहले जन्मे लोगों में, जिन्हें बचपन में एच1एन1 या एच2एन2 वायरस का सामना करना पड़ा था, उसमें एच5एन1 वायरस से लड़ने वाली एंटीबॉडी अधिक थीं। अध्ययन में सामने आया कि किसी व्यक्ति के जन्म वर्ष का उसके शरीर में एच5एन1 वायरस से लड़ने वाली एंटीबॉडी की मात्रा से गहरा संबंध है। छोटे बच्चे, जिन्हें अभी तक मौसमी फ्लू वायरस का सामना नहीं करना पड़ा, उनमें इस वायरस से लड़ने वाली एंटीबॉडीज बहुत कम मिली।

म्यांमार में साइबर ठगी कराने के लिए गिरोह में होती है भर्ती ऐसे खुला राज

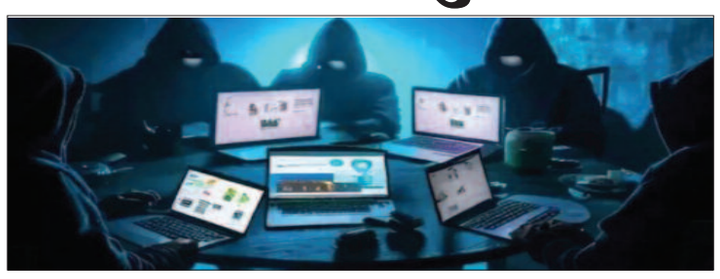

लखनऊ (एजेंसी)। म्यांमार के म्यावाडी में नौकरी दिलाने के नाम पर साइबर ठगी कराने वाले गिरोह से जुड़े दो लोगों को गिरफ्तार कर लिया गया है। इनके खिलाफ म्यांमार से लौटे एक पीड़ित ने मुकदमा दर्ज कराया था। दोनों आरोपी मासूम लोगों को बैंकॉक में डेटा इंट्री ऑपरेटर की नौकरी दिलाना का झांसा देते थे। फिर इन्हें म्यांमार ले जाकर ठगी करवाते थे। इस गिरोह ने लखनऊ के 5 युवकों को म्यांमार म्यावाडी के एक अपार्टमेंट में बंधक बनाकर रखा था। इस गिरोह को बैंकॉक से ऑपरेट किया जाता है। पुलिस यूपी में रहने वाले इस गिरोह के 5 सदस्यों की तलाश कर रही है।

इंस्पेक्टर मदेयगंज राजेश सिंह ने म्यांमार से साइबर ठगी गिरोह से छूट कर आए मशालची टोला निवासी सुल्तान सलाउद्दीन की शिकायत पर खदरा निवासी मोहम्मद अहमद खान उर्फ भैया और जानकीपुरम निवासी जावेद इकबाल के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया था। दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया।पूछताछ में आरोपियों ने बताया कि उन्होंने विदेश में नौकरी के लिए सोशल साइट पर संपर्क करने वालों के साथ ही विदेश जाने वालों की तलाश करते थे। इसी दौरान पक्का पुल स्थित एक कैफे पर जावेद को सुल्तान सलाउद्दीन मिला था। उसने विदेश में अच्छी नौकरी खोजने की बात कही, जिसके बाद जावेद ने उसे बैंकाक में डॉटा इंट्री ऑपरेटर की जॉब दिलाने का भरोसा दिलाया। सुल्तान प्रतिमाह 30 हजार थाई भात (77 हजार रुपये) में नौकरी मिलने की बात पर राजी हो गया।

आरोपी ने बताया कि बैंकॉक का वीजा और हवाई टिकट देने के बदले एजेंट जावेद ने पांच लाख रुपये लिए थे। वहां पहुंचते ही एक अपार्टमेंट में इन लोगों को बंधक बना लिया, जहां साइबर ठगी की ट्रेनिंग देने के बाद ठगी करवाई। हमारा गैंग बैंकाक से ऑपरेट होता है। भारत से वह लोग युवकों को बैंकॉक भेजते हैं, जबकि गिरोह के अन्य सदस्य बैंकॉक से म्यांमार तक युवकों के भेजने का काम करते हैं। उनके लोगों को रफात राही नाम का युवक डील करता है।

पंजाब में आप सरकार के तीन साल पूरे, केजरीवाल ने पत्नी और भगवंत मान के साथ स्वर्ण मंदिर में मत्था टेका

अमृतसर (एजेंसी)। पंजाब में आम आदमी पार्टी की सरकार के तीन साल पूरे हो गए हैं। इस मौके पर आप नेता अरविंद केजरीवाल और पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान रविवार को अमृतसर पहुंचे और स्वर्ण मंदिर में मत्था टेका। केजरीवाल के साथ उनकी पत्नी सुनीता केजरीवाल और पंजाब सरकार के मंत्री कुलदीप सिंह धालीवाल समेत आम आदमी पार्टी के कई नेता स्वर्ण मंदिर पहुंचे। बता दें, आप ने 2022 में पंजाब में कुल 117 विधानसभा सीटों में से 92 सीटें जीतकर सरकार बनाई है।

केजरीवाल ने अमृतसर में संवाददाताओं से बात की। उन्होंने कहा, 'मान साहब ने 16 मार्च 2022 को पंजाब के मुख्यमंत्री का पद संभाला था। आज हम यहां गुरु महाराज का आशीर्वाद लेने आए हैं। तीन वर्षों में उन्होंने (गुरुओं ने) हमारा मार्गदर्शन किया और लोगों की सेवा करते रहने की शक्ति प्रदान की।'

केजरीवाल ने इस दौरान नशा और भ्रष्टाचार के मुद्दे पर भी बात की। उन्होंने कहा, 'आज पंजाब की सबसे बड़ी समस्या नशा और भ्रष्टाचार है। हमने नशा और भ्रष्टाचार के खिलाफ जंग छेड़ दी है। यह न्याय की लड़ाई है, हम राज नहीं, लोगों की सेवा करने के लिए आए हैं।'

आप प्रमुख से पहले भगवंत मान ने दावा किया कि पिछले तीन वर्षों में जो काम हुआ है, वह पिछले 70 वर्षों में भी नहीं हुआ। मुख्यमंत्री भगवंत मान ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, 'इन तीन वर्षों में जो काम हुआ है, वह पिछले 70 वर्षों में भी नहीं हुआ। हम पंजाबियों से किए गए हर वादे को पूरा करेंगे। हम पंजाब से नशे की बुराई को खत्म करने के लिए जारी लड़ाई को उसके तार्किक निष्कर्ष तक ले जाएंगे। पंजाब के तीन करोड़ लोगों को आपके समर्थन और उन पर विश्वास के लिए धन्यवाद।'

नदी नालों के पास रहने वाले लोगों को कैंसर का खतरा अधिक

-आईसीएमआर की नई स्टडी में आया सामने

नई दिल्ली (एजेंसी)। कैंसर जैसी बीमारी मरीज ही नहीं, पूरे परिवार को बर्बाद कर देती है। ताजा रिपोर्ट आई है, इसमें कहा गया है कि नदी नालों के पास रहने वाले लोगों को कैंसर होने का खतरा अधिक होता है। भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद (आईसीएमआर) की स्टडी रिपोर्ट की लिखित जानकारी केंद्रीय स्वास्थ्य और परिवार कल्याण राज्य मंत्री अनुप्रिया पटेल ने राज्यसभा में दी है। उन्होंने बताया कि अध्ययन के नतीजों में सामने आया है कि सीसा (लेड), लोहा (आयरन) और एल्युमिनियम केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) की तय सीमा से ज्यादा मिले हैं।

केंद्रीय मंत्री ने बताया कि मोदी सरकार कैंसर के इलाज की बेहतर सुविधाएं देने के लिए काम कर रही है। इसके लिए स्ट्रेंथनिंग ऑफ टर्शियरी केयर कैंसर फैसिलिटीज स्कीम लागू है। इस योजना के तहत 19 स्टेट कैंसर इंस्टीट्यूट (एससीआई) और 20 टर्शियरी केयर कैंसर सेंटर (टीसीसीसीएस) को मंजूरी दी गई है। हरियाणा के झज्जर में राष्ट्रीय कैंसर संस्थान और कोलकाता में चित्तरंजन राष्ट्रीय कैंसर संस्थान का दूसरा कैंपस भी तैयार हो रहा है। इन संस्थानों में कैंसर की जांच और इलाज की आधुनिक सुविधाएं मिलेंगी। सभी 22 नए एम्स में भी कैंसर के इलाज की सुविधाएं दी जा रही हैं। इसमें जांच, दवा और सर्जरी की सुविधाएं शामिल हैं।

मंत्री अनुप्रिया ने बताया कि सरकारी अस्पतालों में गरीब और जरूरतमंद लोगों का इलाज मुफ्त या बहुत कम कीमत पर होता है। आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना (एबी पीएमजेवाय) के तहत भी कैंसर का इलाज करवाया जा सकता है। योजना में हर परिवार को हर साल 5 लाख रुपये तक का इलाज मुफ्त मिलता है। इससे देश के 12.37 करोड़ परिवारों के 55 करोड़ लोग (आबादी का सबसे गरीब 40 प्रतिशत हिस्सा) फायदा उठा रहे हैं। हाल ही में, पीएम-जेवाय ने 70 साल से ज्यादा उम्र के सभी बुजुर्गों को स्वास्थ्य बीमा दिया है।

उन्होंने बताया कि एबी पीएमजेवाय के तहत, कैंसर के इलाज के लिए 200 से ज्यादा पैकेज हैं। इन पैकेज में मेडिकल ओंकोलॉजी, सर्जिकल ओंकोलॉजी, रेडिएशन ओंकोलॉजी और पैलिएटिव मेडिसिन के 500 से ज्यादा प्रक्रियाएं शामिल हैं। ये सभी नैशनल हेल्थ बेनिफिट पैकेज (एचबीपी) मास्टर में दिए गए हैं। प्रधानमंत्री जनऔषधि परियोजना (पीएमबीजेपी) के तहत प्रधानमंत्री भारतीय जनऔषधि केंद्र (पीएमबीजेके) खोले गए हैं। इन केंद्रों पर अच्छी क्वॉलिटी की जेनेरिक दवाइयां सस्ती कीमतों पर मिलती हैं। 28 फरवरी तक देश में कुल 15,057 पीएमबीजेके खोले जा चुके हैं।

ऑक्सीजन देने वाले वृक्ष के आध्यात्मिक रहस्य

हर धर्म में पेड़, पौधे और वृक्षों का बहुत महत्व है, परंतु इसको कोई महत्व नहीं देता है। जिस देजी से वृक्ष कटते जा रहे हैं उससे धरती का पर्यावरण ही नहीं बदल रहा है बल्कि जीवन में संकट में हो चला है। धरती पर ऑक्सीजन का निर्माण करने में वृक्षों की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। वृक्ष नहीं होंगे तो एक दिन वायु भी नहीं होगी और वायु नहीं होगी तो फिर मानव भी नहीं होगा। आओ जानते हैं वृक्ष के 20 रहस्य।

- शास्त्रों के अनुसार जो व्यक्ति एक पीपल, एक नीम, दस इमली, तीन कैथ, तीन बेल, तीन आंवला और पांच आम के वृक्ष लगाता है, वह पुण्यात्मा होता है और कभी नरक के दर्शन नहीं करता। इसी तरह धर्म शास्त्रों में सभी तरह से वृक्ष सहित प्रकृति के सभी तत्वों के महत्व की विवेचना की गई है।
- भारतीय धर्म मानता हैं कि प्रकृति ही ईश्वर की पहली प्रतिनिधि है। प्रकृति के सारे तत्व ईश्वर के होने की सूचना देते हैं। इसीलिए प्रकृति को देवता, भगवान और पितृ माना गया है। यहां प्रत्येक देवी और देवता से एक वृक्ष, एक पशु या एक पक्षी जुड़ा हुआ है। यहां तक की ग्रह और नक्षत्र भी जुड़े हुए हैं। धर्म मानता है कि दूरस्थ स्थिति ध्रुव तारा भी हमारे जीवन को संचालित कर रहा है। फिर हिमालय के ग्लेशियर और चंद्रमा के तो कहने ही क्या। संपूर्ण ब्रह्मांड एक दूसरे से जुड़ा हुआ है। एक कड़ी टूटी तो सबकुछ बिखर जाएगा। यह ब्रह्मांड उल्टे वृक्ष की भांति है।
- धर्मानुसार पांच तरह के यज्ञ होते हैं जिनमें से दो यज्ञ- देवयज्ञ और वैश्वदेवयज्ञ प्रकृति को समर्पित है। दोनों ही तरह के यज्ञों का वैज्ञानिक और धार्मिक महत्व है। देवयज्ञ से जलवायु और पर्यावरण में सुधार होता है तो वैश्वदेवयज्ञ प्रकृति और प्राणियों के प्रति कृतज्ञता प्रकट करने का तरीका है। सभी प्राणियों तथा वृक्षों के प्रति करुणा और कर्त्तव्य समझना उन्हें अन्न-जल देना ही भूतयज्ञ या वैश्वदेव यज्ञ कहलाता है।
- हिन्दू धर्मानुसार वृक्ष में भी आत्मा होती है। वृक्ष संवेदनशील होते हैं और उनके शक्तिशाली भावों के माध्यम से आपका जीवन बदल सकता है। प्रत्येक वृक्ष का गहराई से विश्लेषण करके हमारे ऋषियों ने यह जाना की पीपल और वट वृक्ष सभी वृक्षों में कुछ खास और अलग है। इनके धरती पर होने से ही धरती के पर्यावरण की रक्षा होती है। यही सब जानकर ही उन्होंने उक्त वृक्षों के संवरक्षण और इससे मनुष्य के द्वारा लाभ प्राप्ति के हेतु कुछ विधान बनाए गए उन्ही में से दो है पूजा और परिक्रमा।
- स्कन्द पुराण में वर्णित पीपल के वृक्ष में सभी देवताओं का वास है। पीपल की छाया में ऑक्सीजन से भरपूर आरोग्यवर्धक वातावरण निर्मित होता है। इस वातावरण से वात, पित्त और कफ का शमन-नियमन होता है तथा तीनों स्थितियों का संतुलन भी बना रहता है। इससे मानसिक शांति भी प्राप्त होती है। पीपल की पूजा का प्रचलन प्राचीन काल से ही रहा है। इससे मानसिक शांति भी प्राप्त होती है।
- अथर्ववेद के उपवेद आयुर्वेद में पीपल के औषधीय

गुणों का अनेक असाध्य रोगों में उपयोग वर्णित है। औषधीय गुणों के कारण पीपल के वृक्ष को 'कल्पवृक्ष' की संज्ञा दी गई है। पीपल के वृक्ष में जड़ से लेकर पत्तियों तक तैंतीस कोटि देवताओं का वास होता है और इसलिए पीपल का वृक्ष प्रात: पूजनीय माना गया है। उक्त वृक्ष में जल अर्पण करने से रोग और शोक मिट जाते हैं। पीपल की पूजा का प्रचलन प्राचीन काल से ही रहा है। इसके कई पुरातात्विक प्रमाण भी है। गीता में भगवान कृष्ण कहते हैं, 'हे पार्थ वृक्षों में मैं पीपल हूं।' अश्वत्थोपनयन व्रत के संदर्भ में महर्षि शौनक कहते हैं कि मंगल मुहूर्त में पीपल वृक्ष की नित्य तीन बार परिक्रमा करने और जल चढ़ाने पर दरिद्रता, दु:ख और दुर्भाग्य का विनाश होता है। पीपल के दर्शन-पूजन से दीर्घायु तथा समृद्धि प्राप्त होती है। अश्वत्थ व्रत अनुष्ठान से कन्या अखण्ड सौभाग्य पाती है। सड़क के किनारे पीपल का वृक्ष लगाने, तथा उसका पालन करने वाला देवलोक प्राप्त करता है। पीपल के वृक्षों का रोपण करने वाला इस लोक में तो कीर्ति प्राप्त करता है, मृत्युपरांत भी मोक्ष को प्राप्त होता है। इसमें संदेह नहीं है।

- बरगद को वटवृक्ष कहा जाता है। हिंदू धर्म में वट सावत्री नामक एक त्योहार पूरी तरह से वट को ही समर्पित है। हिंदू धर्मानुसार चार वटवृक्षों का महत्व अधिक है। अक्षयवट, पंचवट, वंशीवट, गयावट और सिद्धवट के बारे में कहा जाता है कि इनकी प्राचीनता के बारे में कोई नहीं जानता। संसार में उक्त चार वटों को पवित्र वट की श्रेणी में रखा गया है। प्रयाग में अक्षयवट, नासिक में पंचवट, वृंदावन में वंशीवट, गया में गयावट और उज्जैन में पवित्र सिद्धवट है।
- **आम है खास :** हिंदू धर्म में जब भी कोई माँगलिक कार्य होते हैं तो घर या पूजा स्थल के द्वार व दीवारों पर आम के पत्तों की लड़ लगाकर मांगलिक उत्सव के माहौल को धार्मिक और वातावरण को शुद्ध किया जाता है। अक्सर धार्मिक पांडाल और मंडपों में सजावट के लिए आम के पत्तों का इस्तेमाल किया जाता है। 5 या अधिक आम के वृक्षों का रोपण पालन करने वाला अनेक दुर्लभ यज्ञों के फल को प्राप्त कर सकता है।
- **भविष्यवक्ता शमी :** विक्रमादित्य के समय में सुप्रसिद्ध ज्योतिषाचार्य वराहमिहिर ने अपने बृहतसंहिता' नामक ग्रंथ के 'कुसुमलता' नाम के अध्याय में वनस्पति शास्त्र और कृषि उपज के संदर्भ में जो जानकारी प्रदान की है उसमें शमीवृक्ष अर्थात खिजड़े का उल्लेख मिलता है। वराहमिहिर के अनुसार जिस साल शमीवृक्ष ज्यादा फूलता-फलता है उस साल सूखे की स्थिति का निर्माण होता है। विजयादशमी के दिन इसकी पूजा करने का एक तात्पर्य यह भी है कि यह वृक्ष आने वाली कृषि विपत्ती का पहले से संकेत दे देता है जिससे किसान पहले से भी ज्यादा पुरुषार्थ करके आनेवाली विपत्ती से निजात पा सकता है।
- जो मनुष्य अपने घर में फलदार पेड़, पौधे आदि लगाता है और उसकी भली भांति देखभाल करता है, उसे आरोग्य की प्राप्ति होती है।
- जो मनुष्य 5 वट वृक्षों का रोपण और उसका पालन किसी चौराहे या मार्ग में करता है तो, उसकी सात पीढ़ियां तर जाती है। जो मनुष्य नीम के वृक्ष जितने अधिक लगाता है उतनी अधिक उसकी पीढ़ियां तर जाती है.
- वृक्षों के बाग या वाटिका लगाने वाला प्रसिद्धि प्राप्त करता है।
- जो भी व्यक्ति बिल्व वृक्ष का रोपण शिव मंदिर में करता है वह अकाल मृत्यु से मुक्त हो जाता है।
- घर में तुलसी, आंवला, निर्गुण्डी, अशोक, आदि के वृक्ष शुभ फलदायी होते हैं। शीशम के 11 वृक्ष को सड़क पर लगाने से यह लोक और परलोक दोनों ही संवर जाते हैं।
- कनक चम्पा के 2 वृक्ष लगाने वाले का सर्वार्थ कल्याण हो जाता है।
- 5 या अधिक महुआ के वृक्षों का रोपण और पालन करने वाला धन प्राप्त करता है। तथा उसे अनुरूप यज्ञों का फल भी प्राप्त होने लगता है।
- जो भी मनुष्य सड़क के किनारे 2 या 2 से अधिक मौलश्री के वृक्षों का रोपण एवं पालन करता है। वह एक सौ यज्ञों को करने का पुण्य प्राप्त करता है।
- जो भी मनुष्य 5 या अधिक अशोक वृक्ष का रोपण और पालन करता है, उसके घर परिवार में कभी भी अकाल मृत्यु नहीं होती है। उसके यहां अचानक कोई बड़ी मुसीबत खड़ी नहीं होती तथा उसे आगामी जन्म में पुण्यात्मा होने का सौभाग्य प्राप्त होता है।
- जो मनुष्य 5 पलास के वृक्षों का रोपण और पालन करते हैं। उसे 10 गौवों के दान के समतुल्य पुण्य लाभ मिलता है। पलास के वृक्षों को सड़क के किनारे अथवा किसी बड़े क्षेत्र में रोपना चाहिए। इसका रोपण घर में नहीं करना चाहिए।
- जो भी मनुष्य 2 या अधिक हारसिंगार (पारिजात) के पौधों का रोपण श्री हनुमानजी के मंदिर में अथवा नदी के किनारे या किसी भी सामाजिक स्थल पर करता है तो उसे एक लक्ष्य तोला स्वर्णदान के समतुल्य पुण्य प्राप्त होता है तथा उसे जीवन भर श्री हनुमानजी की कृपा मिलती रहती है।
- जो भी व्यक्ति सोमवार के दिन, प्रदोष वाले दिन, शिवरात्री को, श्रावणमास में किसी भी दिन अथवा शिवयोग वाले दिन 5 या अधिक बिल्व वृक्षों का रोपण और उसका नियमित पालन भी करता है तो उसे शिवलोक प्राप्त होता है। यदि इन वृक्षों को कोई भी मनुष्य शिव मंदिर में या मंदिर के समीप रोपण करता है तो निश्चय ही वह कोटि कोटि पुण्य का भागीदार तो होता ही है और उसे व उसके परिवार पर भगवान शिव की असीम अनुकम्पा भी प्राप्त होती है।

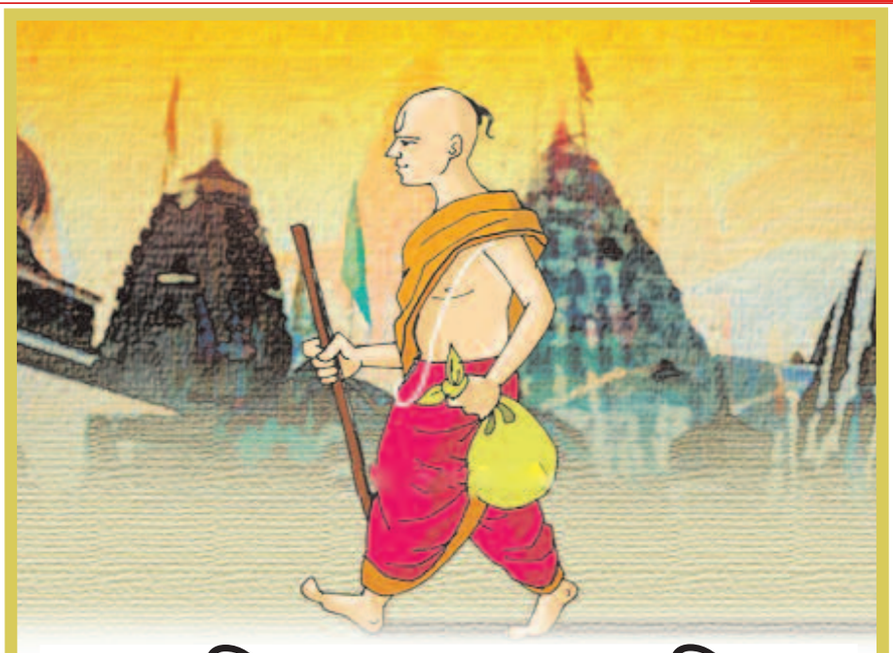

परिक्रमा या प्रदक्षिणा के 10 प्रकार

सभी ग्रह सूर्य की परिक्रमा कर रहे हैं और सभी ग्रहों को साथ लेकर यह सूर्य महासूर्य की परिक्रमा कर रहा है। संपूर्ण ब्रह्माण में चक्र और परिक्रमा का बड़ा महत्व है। भारतीय धर्मों (हिन्दू, जैन, बौद्ध आदि) में पवित्र स्थलों के चारो ओर श्रद्धाभाव से चलना 'परिक्रमा' या 'प्रदक्षिणा' कहलाता है। आओ जानते हैं कि किन किन की परिक्रमा की जाती है या कितने प्रकार की परिक्रमा की जाती है। ये हैं प्रमुख 10 परिक्रमाएं -

देवमंदिर परिक्रमा
जैसे देव मंदिर में जगन्नाथ पुरी परिक्रमा, रामेश्वरम, तिरुवन्नमल, तिरुवनन्तपुरम, शक्तिपीठ, ज्योतिर्लिंग आदि।

देव मूर्ति परिक्रमा
देवमूर्ति में शिव, दुर्गा, गणेश, विष्णु, हनुमान, कार्तिकेय आदि देवमूर्तियों की परिक्रमा करना।

नदी परिक्रमा
जैसे नर्मदा, सिंधु, सरस्वती, गंगा, यमुना, सरयु, क्षिप्रा, गोदावरी, कृष्णा, कावेरी परिक्रमा आदि।

पर्वत परिक्रमा
जैसे गोवर्धन परिक्रमा, गिरनार, कामदगिरि, मेरू पर्वत, हिमालय, नीलगिरी, तिरुमलै परिक्रमा आदि।

वृक्ष परिक्रमा
जैसे पीपल और बरगद की परिक्रमा करना।

तीर्थ परिक्रमा
जैसे चौरासी कोस परिक्रमा, अयोध्या, उज्जैन या प्रयाग पंचकोशी यात्रा, राजिम परिक्रमा, सप्तपुरी आदि।

चार धाम परिक्रमा
जैसे छोटा चार धाम (केदारनाथ, बद्रीनाथ, यमुनोत्री, गंगोत्री) परिक्रमा या बड़ा चार धाम (बद्रीनाथ, द्वारिका, जगन्नाथ और रामेश्वरम) यात्रा।

भरत खण्ड परिक्रमा
अर्थात संपूर्ण भारत की परिक्रमा करना। परिवाजक संत और साधु ये यात्राएं करते हैं। इस यात्रा के पहले क्रम में सिंधु की यात्रा, दूसरे में गंगा की यात्रा, तीसरे में ब्रह्मपुत्र की यात्रा, चौथे में नर्मदा, पांचवें में महानदी, छठे में गोदावरी, सातवें में कावेरी, आठवें में कृष्णा और अंत में कन्याकुमारी में इस यात्रा का अंत होता है। हालांकि प्रत्येक साधु समाज में इस यात्रा का अलग-अलग विधान और नियम है।

विवाह परिक्रमा
मनु स्मृति में विवाह के समक्ष वधू को अग्नि के चारों ओर तीन बार प्रदक्षिणा करने का विधान बतलाया गया है जबकि दोनों मिलकर 7 बार प्रदक्षिणा करते हैं तो विवाह संपन्न माना जाता है।

माता पिता की परिक्रमा
भगवान गणेशजी ने अपने माता पिता की परिक्रमा की थी जिससे पता चलता है कि इस परिक्रमा का क्या महत्व है।

शव परिक्रमा
जब कोई किसी का अपना देह छोड़ देता है कि उसकी देह की परिक्रमा की जाती है। दाह संस्कार करते वक्त और करने के बाद मटकी से जल अर्पित करते वक्त भी परिक्रमा की जाती है।

धरती की परिक्रमा
एक बार देवताओं के बीच में धरती परिक्रमा की प्रतियोगिता हुई थी, जिसमें जीते तो भगवान कार्तिकेय थे परंतु गणेशजी ने माता पिता की परिक्रमा करके यह प्रतियोगिता जीत ली थी।

ब्रह्मांड की परिक्रमा
यह परिक्रमा नारद जी करते रहते हैं।

किस देव की कितनी बार परिक्रमा?

- भगवान शिव की आधी परिक्रमा की जाती है।
- माता दुर्गा की एक परिक्रमा की जाती है।
- हनुमानजी और गणेशजी की तीन परिक्रमा की जाती है।
- भगवान विष्णु की चार परिक्रमा की जाती है।
- सूर्यदेव की चार परिक्रमा की जाती है।
- पीपल वृक्ष की 108 परिक्रमाएं करना चाहिए।
- जिन देवताओं की प्रदक्षिणा का विधान नहीं प्राप्त होता है, उनकी तीन प्रदक्षिणा की जा सकती है।

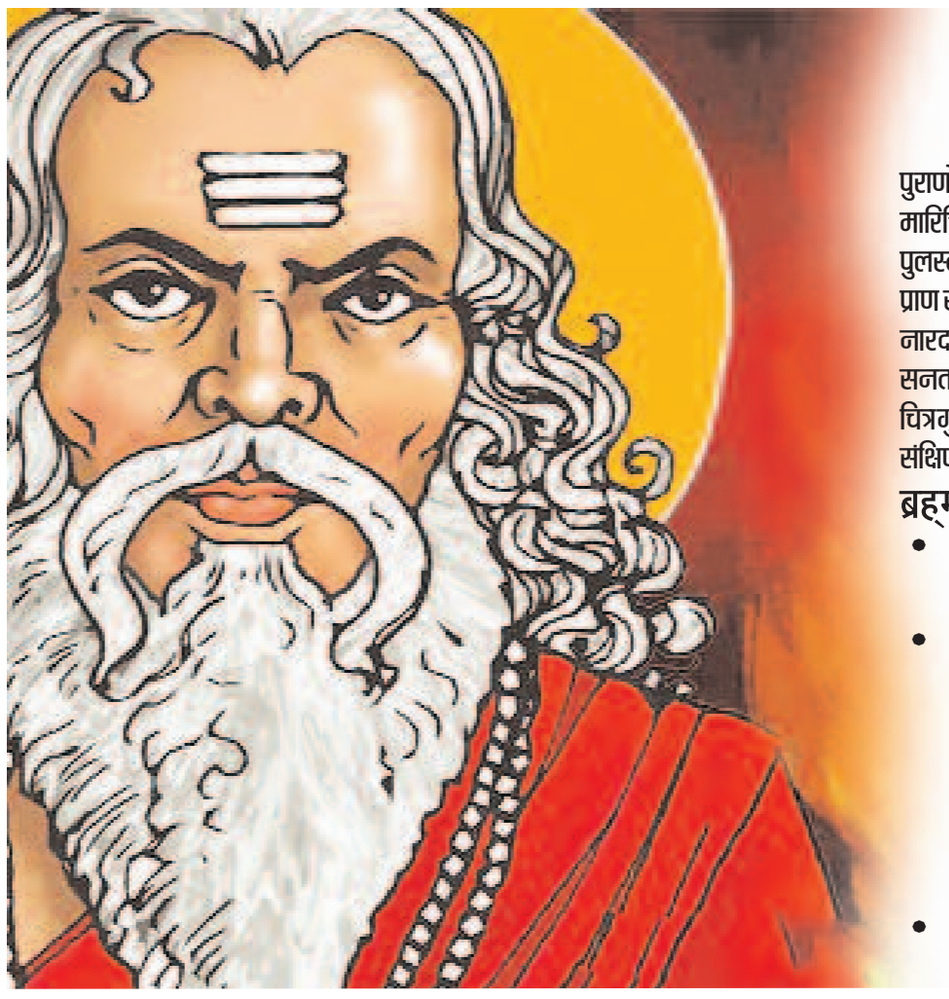

ब्रह्मा के पुत्र क्रतु ऋषि के थे 60 हजार पुत्र

पुराणों अनुसार ब्रह्मा जी के मानस पुत्र- मन से मारिचि, नेत्र से अत्रि, मुख से अंगिरस, कान से पुलस्त्य, नाभि से पुलह, हाथ से कृतु, त्वचा से भृगु, प्राण से वशिष्ठ, अंगुष्ठ से दक्ष, छाया से कंदर्भ, गोद से नारद, इच्छा से सनक, सनन्दन, सनातन, सनतकुमार, शरीर से स्वायंभुव मनु, ध्यान से चित्रगुप्त आदि। आओ जानते हैं ऋषि अंगिरा के बारे मं संक्षिप्त में जानकारी।

ब्रह्मा के पुत्र कृतु ऋषि :

- कृतु या क्रतु का जन्म ब्रह्माजी के हाथ से हुआ था। क्रतु 16 प्रजापतियों में से एक हैं। इनकी गणना सप्तर्षियों में की जाती है।
- ब्रह्मा की आज्ञा से उन्होंने दक्ष प्रजापति और क्रिया की पुत्री सन्नति से विवाह किया था। कहते हैं कि क्रतु और सन्नति से 'बालिखिल्य' नाम के 60 हजार पुत्र हुए। इन बालखिल्यों का आकार अंगूठे के बराबर माना जाता है। यह सभी पुत्र भगवान सूर्य के उपासक थे। सूर्य के रथ के आगे अपना मुख सूर्य की ओर किये हुए बालखिल्य चलते हैं और उनकी स्तुति करते हैं। इन ब्रह्मर्षियों की तपस्या शक्ति सूर्यदेव को प्राप्त होती रहती है।
- पुराणों अनुसार एक बार महर्षि मरीचि के पुत्र महर्षि कश्यप एक यज्ञ कर रहे थे। उन्होंने अपने तात महर्षि क्रतु से निवेदन किया कि वे उस यज्ञ के लिए ब्रह्मा का स्थान ग्रहण करें। अपने भतीजे के निवेदन पर महर्षि क्रतु अपने 60 हजार पुत्रों के साथ महर्षि कश्यप के यज्ञ में पधारे। उसी यज्ञ में देवराज इंद्र और महर्षि क्रतु के पुत्र बालखिल्यों में विवाद हो चला तब अपने पिता और महर्षि कश्यप द्वारा बीच-बचाव करने पर बालखिल्यों ने ही पक्षीराज गरुड़ को महर्षि कश्यप को पुत्र रूप में प्रदान किया था।
- पुराणों में महर्षि क्रतु की दो बहनों- पुण्य एवं सत्यवती का भी वर्णन मिलता है। महर्षि क्रतु और सन्नति की एक पुत्री का नाम भी पुण्य था। इसके साथ ही पर्वासा नाम की एक पुत्रवधु का भी वर्णन मिलता है।
- सर्वप्रथम वेद एक रूप में ही ब्रह्मा द्वारा उत्पन्न किए गए थे। बाद में महर्षि क्रतु ने ही वेदों के चार भाग करने में उनकी सहायता की थी। आगे चलकर वराहकल्प में क्रतु ऋषि ही महाभारत काल में वेद व्यास ऋषि हुए।
- मनु के पुत्र उत्तानपाद और उत्तानपाद के पुत्र ध्रुव से महर्षि क्रतु अत्यंत प्रेम करते थे। जब अपने पिता से उपेक्षित होकर ध्रुव ने परमलोक की प्राप्ति करने की सोची तो सबसे पहे वो महर्षि क्रतु के पास गया। क्रतु ने ध्रुव को भगवान विष्णु की तपस्या करने की सलाह दी। बाद में देवर्षि नारद द्वारा अनुमोदन करने पर ध्रुव ने विष्णुजी की घोर तपस्या की और उनकी कृपा से परमलोक को प्राप्त हुआ। क्रतु ऋषि नाम का एक तारा है जो ध्रुव की परिक्रमा करने में आज भी लीन है। ध्रुव के प्रति अपने प्रेम के कारण ही महर्षि क्रतु उसके समीप चले गए।
- पुराणों में महर्षि क्रतु को महर्षि अगस्त्य के वातापि भक्षण और समुद्र को पी जाने के कारण उनकी प्रशंसा करते हुए भी बताया गया है। कुछ ग्रंथों में इस बात का वर्णन है कि महर्षि क्रतु ने महर्षि अगस्त्य के पुत्र ईधवाहा को भी गोद लिया था। इसके अलावा महाराज भरत ने महर्षि क्रतु से देवताओं के चरित्र के विषय में प्रश्न किया था। तब महर्षि क्रतु ने उनकी इस शंका का समाधान किया था।
- क्रतु नाम से एक अग्नि का नाम भी है और श्रीकृष्ण और जाम्बवती के कई पुत्रों में से एक का नाम क्रतु था। प्लक्षद्वीप की एक नदी का नाम भी क्रतु है। क्रतु का एक अर्थ 'आषाढ़' भी होता है और वर्ष के इसी मास में अधिकांश यज्ञ करने का प्रावधान शास्त्रों में बताया गया है।
- मैत्रेय संहिता के अनुसार एक बार यज्ञ से प्राप्त पशुओं का देवाताओं ने विभाजन कर दिया और उन्होंने रुद्र को उस विभाजन के हिस्से में शामिल नहीं किया तब रुद्रदेव क्रोधित हो गए और उन्होंने देवताओं पर आक्रमण कर दिया। इस आक्रमण में पूषणा के दन्त, भग के नेत्र और क्रतु के अंडकोषों को नष्ट हो गए। बाद में ब्रह्माजी ने उनकी स्तुति करके उन्हें शांत किया और उन्हें 'पशुपति' की उपाधि दी। फिर रुद्रदेव ने सभी को पहले जैसा कर दिया।

भाई, तुम कब धमाका करना बंद करोगे?: सारा अली खान

अभिनेत्री सारा अली खान अपने भाई इब्राहिम अली खान की पहली फिल्म 'नादानियां' के एक गाने की झलक सोशल मीडिया पर साझा की है। उसमें लिखा, भाई, तुम कब धमाका करना बंद करोगे? इसके साथ ही उन्होंने इब्राहिम की स्टाइल और अंदाज की तारीफ करते हुए कहा, मेरे भाई का अलग स्वैग है। इससे पहले सारा ने मुंबई में फिल्म की विशेष स्क्रीनिंग में हिस्सा लिया और अपने छोटे भाई के लिए एक भावुक पोस्ट लिखा। उन्होंने कहा, मेरे प्यारे भाई, मैं वादा करती हूँ कि हमेशा तुम्हारे साथ रहूंगी और तुम्हारी सबसे बड़ी प्रशंसक बनी रहूंगी। तुम हमेशा मेरे लिए एक स्टार थे और अब, भगवान की इच्छा से पूरी दुनिया तुम्हें चमकते, धमाका करते हुए देखेगी। फिल्मों में तुम्हारा स्वागत है, यह तो बस शुरुआत है। फिल्म निर्माता करण जौहर ने भी अपने सोशल मीडिया पर इब्राहिम के डेब्यू को लेकर खुशी जताई। उन्होंने लिखा, वह दिन आ गया है! प्यार, दोस्ती और ढेर सारी नादानी से भरी कहानी के दरवाजे खुल गए हैं! इसे देखें, महसूस करें और इसके साथ झूमें। 'नादानियां' देखें, अभी, केवल नेटफ्लिक्स पर। फिल्म का निर्देशन शौना गौतम ने किया है और इसे धर्मॉटिक एंटरटेनमेंट द्वारा प्रोड्यूस किया गया है। फिल्म में महिमा चौधरी, सुनील शेट्टी, दीया मिर्जा और जुगल हंसराज जैसे दमदार कलाकार भी अहम भूमिकाओं में हैं। 'नादानियां' की कहानी पिया (खुशी कपूर) की जिंदगी के इर्द-गिर्द घूमती है, जो अपने दोस्तों से झूठ बोलती है कि उसका एक बॉयफ्रेंड है, लेकिन असल में वह फेक होता है।

फिल्म में इब्राहिम अली खान और खुशी कपूर की केमिस्ट्री को लेकर दर्शकों में खासा उत्साह देखने को मिला है। फिल्म को दर्शकों से मिली-जुली प्रतिक्रिया मिल रही है। कुछ दर्शकों को फिल्म की कहानी कमजोर लगी, तो कुछ ने कहा कि इब्राहिम ने अपने डेब्यू के हिसाब से शानदार प्रदर्शन किया है। अब देखना होगा कि इस फिल्म से उन्हें बॉलीवुड में कितनी मजबूती मिलती है। बता दें कि सारा अली खान अपने भाई के फिल्मी कॅरियर को लेकर बेहद उत्साहित हैं। इब्राहिम इस रोमांटिक एंटरटेनर के साथ बॉलीवुड में कदम रख चुके हैं, और उनकी बहन सारा लगातार उनका हौसला बढ़ा रही हैं।

फिर मनवाया विनीत कुमार ने अपनी प्रतिभा का लोहा

बालीवुड अभिनेता विनीत कुमार सिंह ने लक्ष्मण उतेकर की छावा और रीमा कागती की सुपरबॉयज़ ऑफ़ मालेगांव में लगातार दो हिट फिल्में दीं। इन दोनों फिल्मों में उनके किरदारों को दर्शकों ने खूब सराहा और उन्होंने अपनी प्रतिभा का लोहा एक बार फिर मनवाया। छावा में विनीत ने कवि कलश की भूमिका निभाई, जो एक निडर योद्धा, महान कवि और छत्रपति संभाजी महाराज के सबसे करीबी मित्रों में से एक थे। वहीं, सुपरबॉयज़ ऑफ़ मालेगांव में उन्होंने फरोग़ नामक संघर्षरत लेखक का किरदार निभाया, जो अपने सपनों को साकार करने के लिए कड़ा संघर्ष करता है। अभिनय के मामले में विनीत ने हमेशा की तरह बेहतरीन प्रदर्शन किया और आलोचकों को कोई शिकायत का मौका नहीं दिया। उनकी इस सफलता को देखते हुए हाल ही में उन्हें फिल्म इंडस्ट्री में उनके योगदान के लिए एक प्रतिष्ठित पुरस्कार से नवाजा गया। इस सम्मान से अभिभूत विनीत ने सोशल मीडिया पर अपनी भावनाएं व्यक्त करते हुए लिखा, मैं उन सभी का दिल से आभारी हूं, जिन्होंने मुझ पर विश्वास किया और मुझे नई ऊंचाइयों तक पहुंचने के लिए प्रेरित किया। यह पुरस्कार सिर्फ मेरी मेहनत का सम्मान नहीं है, बल्कि यह टीमवर्क और कम्युनिटी की ताकत का भी प्रमाण है। आपके संदेश हमेशा मेरे दिल को छू जाते हैं, जब आप कहते हैं कि मेरी सफलता आपको अपनी लगती है। और मैं आपको बताना चाहता हूं कि यह पुरस्कार मेरे लिए इतना खास इसलिए है क्योंकि यह आप सभी का है! आपकी दुआएं, प्रोत्साहन और समर्थन ही मेरी सबसे बड़ी ताकत हैं। उन्होंने आगे कहा कि उनकी यात्रा में परिवार, दोस्तों, मेंटर्स और सहयोगियों का साथ हमेशा एक मजबूत आधार रहा है। विनीत ने अपने प्रशंसकों को धन्यवाद देते हुए यह भी कहा कि यह तो सिर्फ शुरुआत है, आगे और भी बड़ी उपलब्धियां उनका इंतजार कर रही हैं। बता दें कि साल 2025 अभिनेता विनीत कुमार सिंह के लिए बेहद खास साबित हुआ है। अपने प्रोजेक्ट्स में हमेशा वाइल्डकार्ड की तरह उभरने वाले विनीत इस बार भी आलोचकों और दर्शकों की तारीफें बटोरने में सफल रहे।

अनुपम खेर का भावुक पोस्ट

2022 में रिलीज़ हुई विवेक अग्निहोत्री की फिल्म द कश्मीर फाइल्स को आज तीन साल पूरे हो चुके हैं। कश्मीरी हिंदुओं के दर्दनाक विस्थापन की सच्चाई को दर्शाने वाली इस फिल्म ने न सिर्फ बॉक्स ऑफिस पर सफलता हासिल की, बल्कि एक गहरी सामाजिक बहस को भी जन्म दिया। रिलीज के समय फिल्म विवादों से भी घिरी रही, लेकिन इसकी प्रभावशाली कहानी और दमदार अभिनय ने दर्शकों का दिल जीत लिया। फिल्म की तीसरी वर्षगांठ पर अभिनेता अनुपम खेर ने इंस्टाग्राम पर एक भावुक पोस्ट साझा किया। उन्होंने लिखा, यह हमारे समय की सबसे महत्वपूर्ण और प्रासंगिक फिल्म है। कश्मीरी हिंदुओं के संघर्ष को दुनिया तक पहुंचाने के लिए ऐसी फिल्म की जरूरत थी। उन्होंने आगे कहा कि भले ही हालात पूरी तरह नहीं बदले हों, लेकिन कम से कम अब दुनिया उस दर्द को समझने लगी है। साथ ही उन्होंने फिल्म के निर्माता पल्लवी जोशी और निर्देशक विवेक अग्निहोत्री का धन्यवाद भी किया। द कश्मीर फाइल्स आज भी दर्शकों के बीच गहरी छाप छोड़ रही है और इस विषय पर चर्चा को जारी रखे हुए है।

फिल्म 'थामा' की शूटिंग में व्यस्त हैं रश्मिका मंदाना

बालीवुड एक्टर आयुष्मान खुराना के साथ अभिनेत्री रश्मिका मंदाना अपनी आगामी फिल्म 'थामा' की शूटिंग कर रही हैं। अपने आधिकारिक इंस्टाग्राम अकाउंट पर एक्ट्रेस ने फिल्म के नाइट शेड्यूल की झलक साझा की। रश्मिका ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरीज पर दो तस्वीरें साझा कीं। एक तस्वीर में वह कार में सोती नजर आ रही हैं, जिस पर उन्होंने कैप्शन दिया, नाइट शूट। मुझे नाइट शूट कितना पसंद है। दूसरी तस्वीर में वह अपनी वैनिटी वैन में बैठी हैं और एक ट्रैवल कप पकड़े हुए हैं, जिस पर लिखा है, थामा नाइट शूट। उनकी इन तस्वीरों ने प्रशंसकों को फिल्म के प्रति और अधिक उत्साहित कर दिया है। फिल्म में मुख्य भूमिका निभा रहे अभिनेता आयुष्मान खुराना ने खुलासा किया कि चैंपियंस ट्रॉफी में भारत की जीत का जश्न मनाने के लिए फिल्म की शूटिंग कुछ समय के लिए रोक दी गई थी। आयुष्मान ने अपने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो साझा किया, जिसमें वह और उनकी टीम फोन पर भारत बनाम न्यूजीलैंड का मैच देख रहे थे। जैसे ही भारत ने फाइनल में जीत दर्ज की, पूरी टीम ने खुशी मनाई। हालांकि, इसके बाद टीम ने धीरे-धीरे शूटिंग स्थल की ओर वापसी की। आयुष्मान ने इस पोस्ट को कैप्शन देते हुए लिखा, शूट रुक जाती है जब इंडिया जीत जाता है। 'थामा' एक मनोरंजक प्रेम कहानी पर आधारित फिल्म है, जिसमें एक रहस्यमयी और भयावह पृष्ठभूमि देखने को मिलेगी। इस फिल्म में रश्मिका और आयुष्मान की जोड़ी के साथ अनुभवी अभिनेता परेश रावल और नवाजुद्दीन सिद्दीकी भी अहम किरदारों में नजर आएंगे। इस फिल्म का निर्माण दिनेश विजान और अमर कौशिक द्वारा किया जा रहा है और इसे अक्टूबर 2025 में रिलीज किए जाने की उम्मीद है। फिल्म का निर्देशन आदित्य सरपोतदार कर रहे हैं, जो हाल ही में हिट फिल्म 'मुंज्या' के लिए चर्चा में थे। फिल्म की कहानी नीरेन भट्ट, सुरेश मैथ्यू और अरुण फुलारा द्वारा लिखी गई है। इसमें एक अथक इतिहासकार की कहानी दिखाई जाएगी, जो प्राचीन ग्रंथों की खोजबीन के दौरान स्थानीय पिशाच किंवदंतियों से जुड़े भयावह सच को उजागर करता है।

मालदीव में छुट्टियां मना रही रकुल प्रीत

बालीवुड एक्ट्रेस रकुल प्रीत सिंह अपने पति, निर्माता-अभिनेता जैकी भगनानी के साथ मालदीव में छुट्टियां मना रही हैं। यहां से एक्ट्रेस ने अपने वेकेशन की कई रोमांटिक फोटोज शेयर की हैं। उन्होंने एक प्यार भरा पोस्ट भी लिखा है। रकुल ने इंस्टाग्राम के स्टोरीज सेक्शन पर एक वीडियो शेयर किया, जिसमें कपल एक-दूसरे को हग करते दिख रहा है। वीडियो में रकुल, जैकी से पूछती हैं, 'सनसेट पसंद है?' जैकी रकुल की ओर देखते हैं और जवाब देते हैं, 'बहुत प्यारा है'। एक्ट्रेस सोशल मीडिया पर खासा एक्टिव रहती हैं और फिल्म, पर्सनल लाइफ से जुड़े पोस्ट फैंस के साथ शेयर करती रहती हैं। इससे पहले रकुल ने एक पोस्ट शेयर कर बताया कि पति जैकी भगनानी ने उन्हें गुलाबी लिली का गुलदस्ता भेंट किया, जिसे पाकर वह बेहद खुश हैं। एक्ट्रेस ने फैंस के साथ अपनी खुशी शेयर करने के लिए इंस्टाग्राम के स्टोरीज सेक्शन का सहारा लिया, जिसमें वह गुलाबी लिली थामे कैमरे की ओर देखकर मुस्कुराती नजर आईं। तस्वीर को शेयर करते हुए अभिनेत्री ने कैप्शन में लिखा, 'जब पति फूल लेकर आते हैं। जैकी भगनानी, आई लव यू'। पिछले साल शादी के बंधन में बंधे रकुल और जैकी ने अपनी शादी के एक साल पूरे होने पर 21 फरवरी को जश्न मनाया था। उन्होंने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो मोंटाज शेयर किया, जिसमें उन्होंने साथ बिताए अपने अनमोल पलों को कैद किया। क्लिप में रकुल और जैकी के साथ बिताए समय की मनमोहक झलकियां भी दिखाई दी। रकुल और जैकी कोविड लॉकडाउन के दौरान करीब आए थे।

ससुराल में आरती सिंह की पहली होली

टीवी एक्ट्रेस और गोविंदा की भांजी आरती सिंह के लिए इस बार की होली बेहद खास रही। शादी के बाद यह उनकी पहली होली थी, जिसे उन्होंने ससुराल में धूमधाम से सेलिब्रेट किया। आरती ने अपनी होली सेलिब्रेशन की झलक सोशल मीडिया पर एक वीडियो और तस्वीरों के जरिए साझा की। तस्वीरों में आरती अपने पति दीपक चौहान के साथ रंगों में सराबोर नजर आ रही हैं। कभी वह पिचकारी के साथ पोज देती दिखीं तो कभी पति की गोद में मस्ती करती नजर आईं। उनके गालों पर गुलाल लगा था और वह होली के जोश में जय जय शिव शंकर गाने पर झूमकर नाच रही थीं। वहीं, 'एक के दो, दो के चार... मुझको तो दिखते हैं' गाते हुए उनके एक्सप्रेशंस देखने लायक थे। बता दें कि कृष्णा अभिषेक की बहन आरती सिंह ने 25 अप्रैल 2024 को दीपक चौहान से शादी की थी। शादी के बाद से ही वह अपनी मजेदार रील्स और खूबसूरत तस्वीरें फैंस के साथ शेयर कर रही हैं। अब उनकी पहली होली की तस्वीरें भी सोशल मीडिया पर खूब वायरल हो रही हैं।

विद्युत जामवाल ने मथुरा में खेली धूमधाम से होली

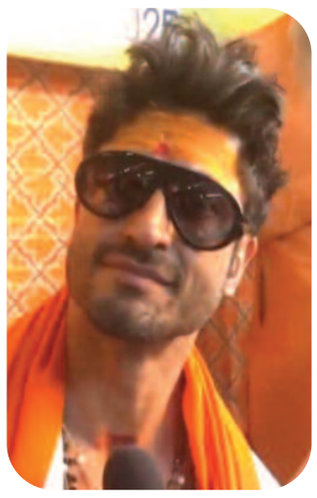

पूरे देश में होली की धूम मची हुई है, और बॉलीवुड सितारे भी इस रंगों के त्योहार का जमकर आनंद ले रहे हैं। इस बार बॉलीवुड के एक्शन स्टार विद्युत जामवाल मथुरा पहुंचे, जहां उन्होंने श्रद्धालुओं और फैंस के साथ धूमधाम से होली मनाई। मथुरा, जिसे भगवान श्रीकृष्ण की जन्मभूमि के रूप में जाना जाता है, होली के लिए खास प्रसिद्ध है। विद्युत ने श्री द्वारिकाधीश मंदिर में शंखनाद किया और भक्तों संग जमकर रंग खेला। उन्होंने मथुरा की अनोखी होली को लेकर एक खास अपील भी की। एक वीडियो में उन्होंने कहा, जो हम यूट्यूब या फिल्मों में देखते हैं, असली अनुभव तो यहां आने के बाद ही होता है। मैं सभी भारतीय नागरिकों और बॉलीवुड सेलेब्स से अनुरोध करता हूं कि वे एक बार मथुरा आकर होली का अनुभव जरूर लें। विद्युत जामवाल, जो कमांडो और फोर्स जैसी हिट फिल्मों से फैंस के दिलों में जगह बना चुके हैं, जल्द ही मद्रासी में नजर आएंगे। यह फिल्म मशहूर निर्देशक ए. आर. मुरुगदास की है। उन्होंने कहा कि मथुरा की होली उनके लिए अविस्मरणीय अनुभव रहा।

शालिनी और कार्तिक की जोड़ी हो सकती है शानदार: गजराज राव

हाल ही में आयोजित आईफा अवॉर्ड्स में मशहूर अभिनेता गजराज राव ने कहा कि ऑन-स्क्रीन शालिनी पांडे और कार्तिक आर्यन की जोड़ी शानदार साबित हो सकती है। एक्टर ने कहा, मेरे दिमाग में दो नाम आते हैं। पहला शिवानी रघुवंशी, जिनके साथ मैंने दुपहिया में काम किया और दूसरा शालिनी पांडे, जिनके साथ मैंने हाल ही में डब्बा कार्टेल नाम की वेब सीरीज की। वह कार्तिक आर्यन के लिए एक बेहतरीन ऑन-स्क्रीन पार्टनर हो सकती हैं। मशहूर अभिनेता गजराज राव ने अभिनेत्री शालिनी पांडे की जमकर तारीफ की है। नेटफ्लिक्स पर स्ट्रीम हो रही डब्बा कार्टेल में शबाना आजमी और ज्योतिका भी अहम भूमिकाओं में हैं। यह वेब सीरीज दर्शकों को काफी पसंद आ रही है और खासतौर पर शालिनी पांडे के किरदार राजी को खूब सराहा जा रहा है। इससे पहले भी शालिनी ने अर्जुन रेड्डी, जयेशभाई जोरदार और महाराज जैसी फिल्मों में अपने दमदार अभिनय से दर्शकों को प्रभावित किया है। गजराज राव की इस सिफारिश के बाद अब शालिनी और कार्तिक आर्यन के साथ आने की संभावनाओं पर फैंस में जबरदस्त उत्साह देखने को मिल रहा है। इस बीच, कार्तिक आर्यन ने सुपरहिट हॉरर-कॉमेडी फ्रैंचाइजी भूल भुलैया 3 के लिए आईफा अवॉर्ड्स में सर्वश्रेष्ठ अभिनेता (पुरुष) का पुरस्कार जीता। उन्होंने अवॉर्ड लेते हुए कहा, मेरे पास अभी शब्द नहीं हैं। मैं चंदू नहीं हूं, मैं चैंपियन हूं। कार्तिक ने याद करते हुए कहा कि जब उन्हें भूल भुलैया 2 में कास्ट किया गया था, तो कई लोगों ने शक जताया था कि क्या वह इस फ्रैंचाइजी को अपने कंधों पर उठा सकते हैं। उन्होंने कहा, जब मुझे भूल भुलैया 2 के लिए चुना गया था, तब लोग कहते थे कि क्या मैं इस फिल्म को कर पाऊंगा। हमें नहीं पता था कि हम सफल होंगे या नहीं।

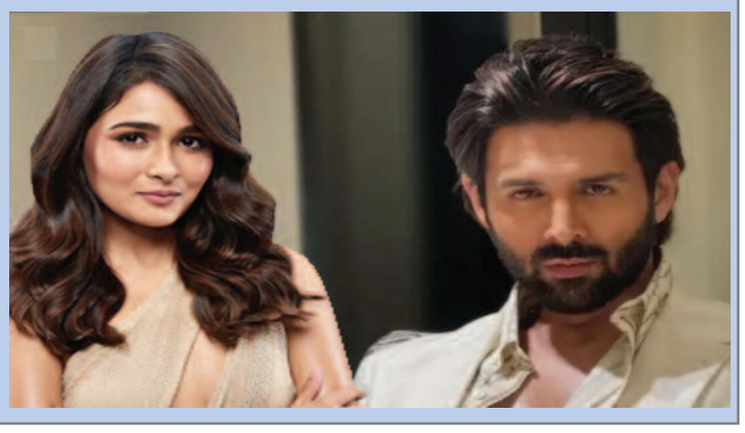

दैनिक फ्यूचर लाइन टाईम्स के स्वामी फ्यूचर लाइन ट्रस्ट और संपादक ओमवीर आर्य द्वारा पता वत्स ऑफसेट मुद्रा हाउस, ब्लॉक-सी, बरात घर, चौड़ा रघुनाथपुर, सेक्टर-22, नोएडा, जिला गौतमबुद्ध नगर से मुद्रित कराकर ग्राम व पोस्ट दुजाना, जनपद गौतमबुद्ध नगर से प्रकाशित किया। किसी भी वाद का निस्तारण जिला एवं सत्र न्यायालय गौतमबुद्ध नगर उत्तर प्रदेश में होगा। मोबाइल नंबर-9313452979 आर.एन.आई. नंबर -UPHIN/2022/87673